जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 339 प्रभात कोटा, बुधवार 21 सितम्बर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

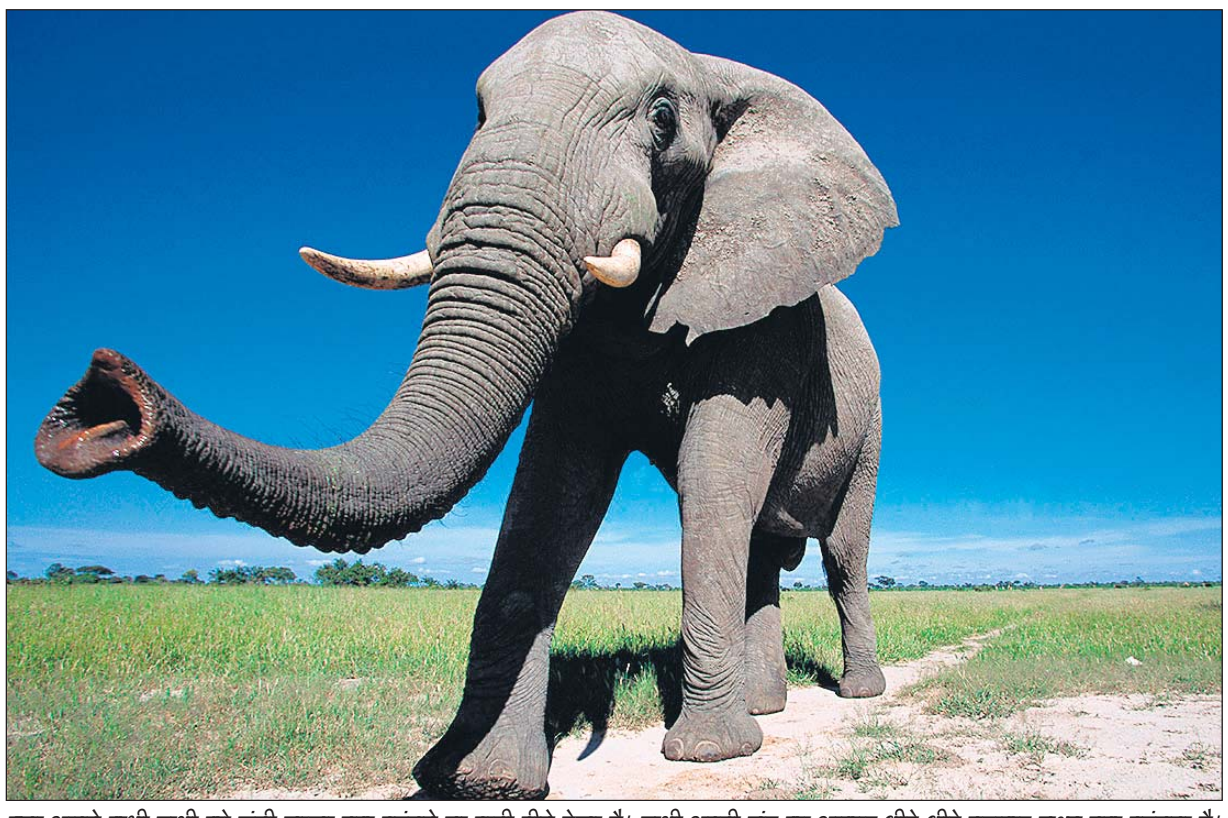

क्या आपने कभी हाथी को ऊंची शाखा तक पहुंचते या पानी पीते देखा है। हाथी अपनी सूंड का आकार धीरे-धीरे बढ़ाकर लक्ष्य तक पहुंचता है। लेकिन यह विशालकाय जानवर इस गतिविधि में केवल अपनी मसल्स का ही इस्तेमाल नहीं करता। एक नए शोध से पता चला है कि सूंड के ऊपर जो त्वचा होती है उसमें इस स्ट्रैचिंग का रहस्य निहित है। जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी के शोधकर्ताओं ने ज़ू एटलांटा के साथ मिलकर अध्ययन किया कि, किस प्रकार त्वचा और मांसपेशियां मिल जुलकर काम करती हैं, जिससे हाथी की सूंड बहुत ऊंचाई पर लगी पत्तियों तक पहुँच जाती है। शोधकर्ताओं का मत है कि, इस शोध की मदद से बेहतर रोबॉट डिजाइन करने में सहायता मिल सकती है। मुख्य शोधकर्ता रॉबर्ट शुल्ज़ ने कहा, ''हाथी की सूंड में कई तरह की मसल्स होती हैं जो एक साथ काम करती हैं और सूंड की झुर्रीदार त्वचा के साथ भी तालमेल रखती हैं। सूंड में असल में अलग मांसपेशियों का संग्रह होता है जिससे सूंड स्ट्रैच करती है मुड़ जाती व चीज़ें पकड़ती है और छोटी भी हो जाती है। इस सबमें सूंड की त्वचा की अहम भूमिका होती है जिसमें गहरी झुर्रियां होती हैं।'' शोध के लिए वैज्ञानिकों ने दो अफ्रीकन सवाना हाथियों की वीडियो फिल्म बनाई, जो ज़ू में सेब और चोकर के क्यूब्स तक पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। शोधकर्ताओं ने विडियो में देखा कि स्ट्रैचिंग के समय सूंड कैसे काम करती है। शुल्ज़ ने कहा, हम उम्मीद कर रहे थे कि सूंड भी वैसे ही स्ट्रैच करती है जैसे अन्य मस्क्युलर अंग, जीभ और टैन्टेकल्स आदि करते हैं, लेकिन हमें एकदम अलग नज़ारा मिला। हाथी एकदम अलग तरह से स्ट्रैच करते हैं ऊपर से लेकर नीचे तक सूंड एक साथ स्ट्रैच करती है। सूंड का ऊपरी भाग निचले भाग की तुलना में ज्यादा फ्लैक्सिबल होता है और जब सूंड का दस प्रतिशत तक विस्तार हो जाता है तो पृष्ठ भाग साइड के भाग की तुलना में ज्यादा बढ़ने लगता है। हाथी पहले सूंड के सिरे की त्वचा को स्ट्रैच करता है फिर उसके अगले भाग को, इस प्रकार सूंड बढ़ती है। शुल्ज़ कहते हैं कि, हाथी आलसी होते हैं पर असलियत यह है कि, वो अपनी ऊर्जा को वेस्ट नहीं करते। इसलिए ''टेलिस्कोपिंग पोल'' की तरह सूंड को स्ट्रैच करते हैं। ये नतीजे जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल एकडमी ऑफ साईंसेज में छपे हैं। शोध कहता है कि हाथी की एनाटमी और बायोमैकैनिक्स का अध्ययन करके वो सॉफ्ट रोबॉटिक्स के डिजाइन में मदद कर सकते हैं।

मंगलवार की सुबह पायलट केरल रवाना हुए

बुधवार को गहलोत भी केरल पहुंचेंगे राहुल गांधी से मिलने

- **कांग्रेस के संगठन सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आज स्पष्ट किया कि, 30 सितम्बर तक राहुल गांधी दिल्ली नहीं आ रहे। जैसा कि विदित ही है, तीस सितम्बर को कांग्रेस अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने के लिए पर्चा भरने की अंतिम तारीख है।**
- **मंगलवार को सुबह वेणुगोपाल को दिल्ली बुलाया गया था, सोनिया गांधी से मिलने के लिये तथा अध्यक्ष पद के चुनाव के बारे में पूरा मुद्दा समझने के लिये।**
- **मुलाकात के बाद वेणुगोपाल ने पुनः दोहराया कि, जो भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे चुनाव लड़ने के लिये स्वतंत्र हैं तथा कोई भी अधिकृत (ऑफिशियल) उम्मीदवार नहीं होगा।**
- **ऐसा माना जा रहा है कि, गहलोत सोनिया गांधी से मिलेंगे तथा फिर राहुल गांधी से मिलने जायेंगे, राहुल गांधी को वे बताना चाहते हैं कि, राजस्थान के कांग्रेस पार्टी के विधायक राहुल को कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। शायद इसी मकसद से मु.मंत्री गहलोत ने मंगलवार की रात को दस बजे कांग्रेस के विधायकों की बैठक आहूत की है, अपने निवास पर।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। अशोक गहलोत बहुत परेशान है। वे जिधर भी देखते हैं, उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी ही दिखाई देती है, जिससे भावनात्मक रूप से, भौतिक रूप से, आध्यात्मिक रूप से और हां वित्तीय रूप से भी जुड़े हुये हैं।

'उदयपुर प्रस्ताव' कहता है- एक व्यक्ति-एक पद, लेकिन अशोक गहलोत यह दबाव बना रहे हैं कि वे कांग्रेस अध्यक्ष तो बन जाए लेकिन उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी बनी रहे और अगर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी भी पड़े तो वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को बैठे देखना चाहते हैं जिससे कि अप्रत्यक्ष रूप से उनका ही शासन चलता रहे। गहलोत ने वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिये, आज रात 10 बजे कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग बुलाई है।

सचिन पायलट आज सुबह राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो यात्रा'' में शामिल होने के लिये केरल रवाना हो गये हैं। अशोक गहलोत, किसी भी तरह पीछे न रहते हुये, कल केरल जा रहे हैं, जहाँ वे यात्रा में शामिल होंगे, राहुल गांधी से मिलेंगे तथा उन्हें बतायेंगे कि मीटिंग में शामिल विधायकों की इच्छा है कि वे (राहुल) कांग्रेस अध्यक्ष बनें।

ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल आज केरल से वापस बुला लिये गये। वे सोनिया गांधी से मिले तथा उन दोनों के बीच अध्यक्ष के चुनाव के समग्र मुद्दे पर चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे इसके लिये स्वतंत्र हैं तथा अधिकृत उम्मीदवार कोई भी नहीं है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राहुल गांधी 30 सितम्बर, जो नामांकन पेश करने की अंतिम तिथि है, तक दिल्ली नहीं आयेंगे।

आशा की जाती है कि अशोक गहलोत सोनिया गांधी से तथा उनके बाद राहुल गांधी से भेंट करेंगे तथा सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने का अंतिम प्रयास करेंगे।

एक राजनैतिक विशेषक ने टिप्पणी की है: अगर गांधी परिवार सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाता, तो वह राजस्थान में क्या मुँह दिखायेगा?

अब प्रश्न यह नहीं है कि कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा, बल्कि प्रश्न यह है कि अशोक गहलोत सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने से कैसे रोकेंगे।

26 को पर्चा भरेंगे गहलोत?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। कांग्रेस में इसके नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरु हो गई है। नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरु होने से चार दिन पहले स्टेट रिटर्निंग अधिकारियों ने निर्वाचकों की सूची जारी की। गौरतलब है कि 24 से 30 सितम्बर तक नामांकन भरे जाएंगे।

चूंकि प्रत्याशी को नामांकन भरने के लिए कम से कम दस निर्वाचकों के हस्ताक्षर चाहिए, इसलिए उन्हें निर्वाचकों की सूची की जरुरत होगी। निर्वाचकों की लिस्ट गोपनीय रखे जाने पर काफी खलबली मची हुई थी और मधुसूदन मिस्त्री ने 15 सितम्बर को कहा था कि स्टेट रिटर्निंग अधिकारियों को लिस्ट दे दी गई है, जिसे वे 20 सितम्बर को जारी करेंगे। लिस्ट में 9000

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है, निर्वाचकों की सूची जारी कर दी गई है तथा 24 से 30 सितम्बर तक नामांकन भरे जाएंगे, संकेत हैं कि अशोक गहलोत 26 सितम्बर तक पर्चा भर सकते हैं।**

पश्चिमी देशों में एक सप्ताह बाद भी मोदी-पुतिन इन्टरव्यू की चर्चा जोरों पर है

मीडिया बार-बार इस इन्टरव्यू की क्लिप्स टी.वी. पर दिखा रहा है तथा अखबार प्रमुख स्थान दे रहे हैं

- **वो मीडिया हाउस, जो प्रायः भारत विरोधी सा रूख रखते हैं, भी इस भेड़ चाल में शामिल होकर, भारत व रूस इन्टरव्यू को भारी महत्व दे रहे हैं।**
- **रूस भी कुछ अचम्भित सा दिखा, मोदी की टिप्पणियों से। तथा पुतिन ने बड़ा संयम बरतते हुए, तटस्थ सिद्धांत की बात करते हुए विवाद को टाला।**
- **पर, क्या रूस मोदी की इस सार्वजनिक घुड़की को आसानी से भूल जायेगा या सही समय का इंतजार करके, अपनी नाराजगी व तिरस्कार का बदला लेगा?**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ का टेलीविजन साक्षात्कार कार्यक्रम प्रसारित होने के एक हफ्ते बाद भी पश्चिमी देशों के अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में गूंज रहा है। सभी मीडिया घराने इन दोनों के बीच के वार्तालाप की रिकॉर्डेड क्लिप को बार-बार दिखा रहे हैं। कुछ तो मीटिंग में मौजूद इन दोनों नेताओं की बॉडी लैंग्वेज़ का भी विश्लेषण कर रहे हैं। जहां रूस के नेता में एक महाशक्ति के पूर्व के दंभ का निश्चित रूप से अभाव है, वहीं मोदी को आत्म विश्वास से लबरेज बताया जा रहा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूक्रेन नीति को लेकर किसी भी अन्य नेता ने इतनी कड़ी आलोचना नहीं की होगी। ऐसा लगा जैसे कि पुतिन के अधीन का रूस युद्ध और भिड़न्त के एक प्राचीन युग में रह रहा है। मोदी के बयान ने रूस को विस्मित कर दिया है।

इसके साथ ही मोदी का बयान चीन के राष्ट्रपति शी ज़िनपिंग पर करारा प्रहार भी है, जो हर तरफ आक्रामकता और विवाद की भाषा से काम ले रहे हैं। दक्षिणी हिंद सरकार से लेकर ताईवान और हिमालयी सीमा तक शी सभी तरफ विवाद को जन्म दे रहे हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय पक्ष के हिसाब से बयान अधिक संयमित है क्योंकि रूस की दुर्गति का समाधान करने के साथ ही कूटनीतिक अनिवार्यताएं भी रहीं। वास्तव में समरकंद कॉनक्लेव में हालांकि मोदी और शी एक ही मंच पर मौजूद थे, लेकिन बताया जाता है कि उन्होंने ना तो एक दूसरे का अभिवादन किया और ना ही हाथ मिलाए।

इस बयान के परिणामस्वरूप भारत को वो अटैन्शन मिल रहा है जो पहले मिलना चाहिए था। शी ज़िनपिंग और पुतिन, दोनों को अपेक्षाकृत निम्न स्तर पर तवज्जो मिली। पश्चिमी देशों के कुछ सर्वाधिक सशक्त मीडिया घराने जिनका रूख प्रायः भारत विरोधी रहा है, भी भेड़चाल में शामिल हैं और कवरेज दे रहे हैं।

पश्चिमी कूटनीतिक संस्थाओं का जहां से उम्मीद नहीं थी वहां से इन्हें मजबूत समर्थन मिला है। भारत को रूस का मजबूत समर्थक माना जाता था खासकर दोनों देशों के बीच के लेन-देन को देख कर। लेकिन यह भी देखना होगा रूस के कूटनीतिक हलकों पर इसका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोहन भागवत का मुस्लिम बुद्धिजीवियों से लम्बा संवाद

पूर्व ले. गवर्नर नजीब जंग, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाय. कुरैशी, अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के पूर्व उप कुलपति व आर. एल.डी. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, शाहिद सिद्दीकी संवाद में शामिल हुए

- **पिछले कुछ समय से संघ प्रमुख मुस्लिम समुदाय की तरफ मित्रता व सहयोग की बात आगे बढ़ा रहे हैं।**

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। आज आर.एस.एस. सरसंघचालक मोहन भागवत की मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक ग्रुप के साथ हुई मीटिंग गंभीर उत्सुकता तथा बहस का विषय बनी रही। यह मीटिंग झन्डेवालान में स्थित आर.एस.एस. के दिल्ली मुख्यालय ''केशव कुंज'' में हुई। मीटिंग में शामिल लोग थे- दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, पूर्व सी.ई.सी.एस.वाई कुरेशी, ए.एम.यू.के. पूर्व उपकूलपति जनरल जमीरुद्दीन शाह तथा आर.एल.डी. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दी की।

आर.एस.एस. और भाजपा इस दिशा में संयुक्त रुप से प्रयासरत हैं कि पूरे देश में अपनी मजबूत राजनैतिक जड़े जमाने की रणनीति को आगे बढ़ाते हुये मुस्लिम मतदाताओं के ''पसमन्दा'' वर्ग को अपनी ओर आकर्षित किया जाये। एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने कहा, ''सबसे पहले हिन्दू'' की रणनीति का राजनैतिक लाभ मिल चुका है, लेकिन भाजपा अखिल भारतीय स्तर पर कांग्रेस की वास्तविक स्थानापन्न के रुप में स्वयं को तभी स्थापित कर सकती है, जब वह मुस्लिम सहित, विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों को अपने साथ ला सके।

भागवत स्वयं समय-समय पर मुस्लिम समुदाय के समक्ष शांति एवं संधि प्रस्ताव प्रस्तुत करते रहे हैं। जब हिन्दू ग्रुप वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में ''शिवलिंग'' की खोज का दावा कर रहे थे, तो भागवत ने टिप्पणी की थी: ''प्रत्येक मस्जिद में किसी शिवलिंग की खोज क्यों?'' पिछले वर्ष सितम्बर में, भागवत ने कहा था कि हिन्दुओं और मुस्लिमों के पूर्वज एक ही थे तथा ''हमारा अतीत हमारी एकता का आधार था।'' इस वर्ष जून में, भागवत ने उस समय मुस्लिम सम्पत्तियों से जुड़े विवादों तथा मुकदमेबाजी पर ही तो टिप्पणी की थी, जब उन्होंने ''आपसी सहमति के रास्ते'' की जरुरत बताई थी। सितम्बर 2018 में, आर.एस.एस. सरसंघचालक ने कहा था कि ''मुस्लिमों को शामिल किये बिना, हिन्दुत्व को हिन्दुत्व नहीं कहा जा सकता।'' गत वर्ष सितम्बर में ही, आर.एस.एस. प्रमुख ने मुम्बई में मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.एन. जनरल असैम्बली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग नहीं लेंगे। यह विश्व के नेताओं का सबसे बड़ा सम्मेलन है जो न्यूयॉर्क सिटी में 19 सितम्बर को शुरू हुआ है। इसकी बजाय उन्होंने विदेशी मामलात मंत्री एस. जयशंकर को भेजा है।

- **करोना महामारी की वजह से तीन साल बाद हो रही यू.एन. जनरल असैम्बली में प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं होंगे, उनकी जगह विदेश मंत्री एस. जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।**

करोना महामारी की वजह से तीन साल में पहली बार जनरल असैम्बली की मीटिंग हो रही है। इसमें काफी विषाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हिजाब कुछ मासूम छात्राओं की अनायास उठी मांग नहीं है'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, हिजाब का मुद्दा गैर कानूनी संगठन पी.एफ.आई. की साजिश का नतीजा है

- **सॉलिसिटर जनरल ने कर्नाटक सरकार की ओर से पैरवी करते हुए यह भी कहा कि, स्कूल/कॉलेज में युनिफॉर्म ही पहनने के बारे में पारित आदेश केवल हिजाब के लिये ही नहीं हैं, बल्कि सभी धर्मों के लिये हैं, जैसे, इसी आदेश के तहत भगवा शॉल पहन के स्कूल/कॉलेज आना भी वर्जित किया गया है।**
- **सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि, कर्नाटक सरकार के आदेश में छात्र-छात्राओं को वह ड्रेस पहनना वर्जित किया है, जिससे शिक्षण संस्थाओं में इक्वॉलिटी, इन्टेग्रिटी व कानून व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न होता है।**
- **दूसरी तरफ से बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यन्त दवे ने कहा कि, हिजाब को प्रतिबंधित करके, कर्नाटक सरकार, मुसलमानों को अलग-थलग करने का प्रयास कर रही है। दवे ने यह भी कहा कि, हिजाब पहन कर मुस्लिम महिलाएं किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचा रहीं। दवे ने यह भी सवाल उठाया कि, ''हिजाब पहनने से कैसे देश की अखण्डता व एकता को खतरा पहुंचता है।''**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। सॉलिसिटर जनरल (एस.जी.) तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हिजाब विवाद एकाएक उठा विवाद नहीं है, बल्कि प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी.एफ.आई.) के एक बड़े षडयंत्र का हिस्सा है जिसने सोशल मीडिया पर ''हिजाब पहनना शुरु करो'' मुहिम शुरु की थी। तुषार मेहता इस केस में कर्नाटक सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे है।

जस्टिस हेमंत गुप्ता व सुधांशु धूलिया की बैंच कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

तुषार मेहता ने दो बातों पर ध्यान खींचा कि वर्ष 2021 से पहले कोई भी लड़की हिजाब नहीं पहन रही थी और ना ही कभी यह सवाल उठा था। यह कहना गलत होगा कि सरकार ने सिर्फ हिजाब बैन किया दूसरे समुदाय के लोगों को भी भगवा गमछा पहनने से रोका है।

उन्होंने कहा कि, इसमें एक और पक्ष है। मैं इसे बढ़ा चढ़ाकर नहीं कह रहा हूँ। लेकिन अगर सरकार ने इस तरह से कदम नहीं उठाया होता तो सरकार पर संवैधानिक कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगता। उन्होंने इस प्रकार कर्नाटक सरकार के 5 फरवरी 2022 को जारी आदेश को सही ठहराया जिसमें ऐसे कपड़े पहने पर रोक लगाई थी जो स्कूल कॉलेजों में समानता, एकता और व्यवस्था को बाधित करते है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी 15 मार्च को कहा था कि हिजाब उस धार्मिक प्रक्रिया का अंग नहीं है जिसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित किया जाए।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 29 मार्च 2013 को उडुपी पी.यू.सी. (प्री युनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज) द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया कि जिसमें लड़कियों के लिए यूनीफॉर्म बताई गई थीं और छात्राएं वही पहन रही थी, जिसमें हिजाब शामिल नहीं था।'' बाद में वर्ष 2014 में अन्य पी.यू.सी. के सी.डी.सी ने भी सर्वसम्मति से उसी यूनीफॉर्म को अपना लिया।

तुषार मेहता ने कहा कि वर्ष 2022 में पी.एफ.आई ने सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरु किया। बार-बार मैसेज दिए गए कि, ''हिजाब पहनना शुरु किया जाए''। यह कुछ बालिकाओं का अनायास उठाया गया कदम नहीं था। यह वृहद षडयंत्र का हिस्सा था और वे वही कर रहीं थीं, जो उनसे करने के लिए कहा जा रहा था।''

वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने हिजाब को मुसलमानों की पहचान बताते हुए सोमवार को कहा था कि कर्नाटक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोविड का अंत?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में कोविड-19 बीमारी का खात्मा होने के कगार पर है क्योंकि दैनिक इन्फैक्शन्स की संख्या मंगलवार को कम होकर 4 हजार 43 पर आ गई और एक्टिव केसेज़ भी कम होकर 47 हजार 379 रह गए, लेकिन पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से देश में 15 मौतें हुई हैं।

- **स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े तो यही दर्शा रहे हैं कि, भारत में कोविड-19 का खात्मा हो रहा है, हर गुजरते दिन के साथ नए मरीजों की संख्या व एक्टिव केस के आंकड़े घट रहे हैं।**

केरल में पिछले कुछ दिनों में इससे कुल छह मौतें हुईं, जबकि बीते 24 घंटों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कस्तूरी को अपनी मौजूदगी कसम खाकर सिद्ध नहीं करनी पड़ती;
गुण स्वयं ही सामने आ जाते हैं। –अज्ञात

चीते को फिर बसाने के प्रयोग से राजस्थान वंचित रह गया

वन्य जीवों में सबसे तेज दौड़ने वाला पशु चीता भारत में 1952 में लुप्त होना अधिकृत रूप से घोषित कर दिया गया था। उसे इस देश की धरती पर फिर से बसाने के लिए अफ्रीकी देश नामीबिया से आठ चीते लाए गये हैं। इनमें पांच मादा और तीन नर चीते हैं। इन चीतों पर रेडियो फ्रिक्वेंसी कॉलर लगे हैं, जो नामीबिया से इन्हें लाने से पहले ही इन पर लगा दिए गए हैं। हालांकि यह प्रयोग विवादास्पद है कि लाए गये चीते नई धरती, नए वातावरण और नई पारिस्थितिकी में अपने को ढाल कर अपनी संतति को बढ़ा सकेंगे जिससे यहां के वनों में चीतों उनकी उपस्थिति फिर से वैसी हो सके जैसी कभी हुआ करती थी। यह भी सच है कि जब हम किसी एक जीव को लुप्त होने से बचाते हैं तो पूरी कायनात को बचाते हैं। प्रकृति का सारा पारिस्थितिकी तंत्र इस प्रकार बना हुआ है जिसमें सम्पूर्ण चर-चराचर जगत एक अनदिखे सूत्र में पिरोया हुआ है। लाखों वर्षों के पृथ्वी के इतिहास में अनेक बार प्रकृति ने विध्वंस भी किया है जिसमें जीवों की प्रजातियां पूरी तरह नष्ट हो गई। परंतु प्रकृति ने हर बार फिर से जीवन को प्रस्फुटित किया और थामा। प्रकृति की अपनी प्रकृति है किन्तु विकसित मानव अब उसमें हस्तक्षेप करने लगा है जिससे जीवों की प्रजातियां नष्ट हो कर लुप्त हो रही है। यह मानवीय हस्तक्षेप ही था जिसने चीतों को भारत की धरती से लुप्त किया। यह हस्तक्षेप आप आदमी ने नहीं किया। यह राजा, महाराजाओं तथा उनके बराबरी वालों ने किया जिन्होंने वन्य प्राणियों को मारने को अपना मनोरंजन का साधन आखेट बना लिया। भारत में अफ्रीकी नस्ल के चीतों को जिस जहां बसाया जाने की कोशिश हो रही है, उसी मध्यप्रदेश की एक रियासत कोरिया में देश में आखिरी बचे एशियाई चीते मारे गए थे। कोरिया अब छत्तीसगढ़ का हिस्सा है। इसी कोरिया रियासत के राजमहल के एक कमरे में, मारे गए इन अंतिम चीतों के सिर टंगे हुए हैं। पुराने दस्तावेज़ बताते हैं कि दिसंबर 1947 में कोरिया के महाराज रामानुज प्रताप सिंहदेव ने अपनी रियासत के रामगढ़ इलाक़े में तीन चीतों का शिकार किया था। उसके बाद भारत में एशियाई चीतों के कोई प्रमाण नहीं मिले और भारत सरकार ने 1952 में चीतों को देश में विलुप्त प्राणी घोषित कर दिया और यह वन्य पशु इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। यह अनोखा संयोग है कि चीते के इतिहास का अंतिम पन्ना, अविभाजित मध्यप्रदेश में लिखा गया तो इसके पुनर्वास का नया अध्याय भी इसी प्रदेश से शुरू हो रहा है। राजस्थान के अनेक लोगों को मलाल है कि यह नया अध्याय उनका प्रदेश भी लिख सकता था मगर ऐसा न हो सका क्योंकि राजनीति के बड़े मसाइलों के द्वन्द्व में व्यस्त शासन के कर्ता-धर्ताओं के पास ऐसे मुद्दों पर सोचने, समझने और कुछ करने की फुर्सत ही कहां है। बहुत से वन विशेषज्ञ भी इससे सहमत नहीं थे।

वन्य प्राणी विशेषज्ञों को याद है कि विलुप्त चीते को भारत वापस लाने का विचार जब 2008-2009 में पहली बार हुआ तब दुनिया भर के विशेषज्ञों, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित भारत सरकार के अन्य अधिकारियों और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी जिसमें चीतों को भारत में पुन: बसाने की क्षमता वाले इलाकों का पता लगाने के लिए साइट सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया था। फिर देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा गठित विशेषज्ञों की एक समिति ने तीन राज्यों – राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात की पहचान की थी जहां चीतों की आबादी को फिर से बसाया जा सकने की गुंजाइश थी। इसमें सबसे ऊपर राजस्थान के जैसलमेर के शाहगढ़ बल्ज़ का 4,220 वर्ग किमी का इलाका था तथा दूसरे स्थान पर 748 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला मध्यप्रदेश का कुनो पालपुर था। लेकिन इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय ने 2013 में इस परियोजना की क्रियान्विति पर रोक लगा दी। फिर जब इस पर से अदालती रोक हटी तब 2020 से फिर हलचल शुरू हुई। दो साल पहले फिर प्रयास हुए थे कि चीते आयें तो वे राजस्थान के इलाकों में बसें।

> **जयपुर में तो रामगंज बाजार के नजदीक 'मौहल्ला चीतावालान' मौजूद है जो गुलाबी नगरी का चीतों के साथ सहकार की याद दिलाता है। भले ही राजस्थान चीतों को बसाने की परियोजना पाने में पिछड़ गया किन्तु हमें इसी पर संतोष करना होगा कि मध्यप्रदेश का कुनो राष्ट्रीय उद्यान इस प्रदेश से सटा हुआ ही है।**

राजस्थान के अधिकारियों ने तब कहा भी था कि राज्य सरकार चीता लाने की संभावना तलाशने के लिए एक कार्य योजना तैयार करेगी। मगर ऐसी कार्य योजना बना कर उसे आगे बढ़ाने के किसी गंभीर प्रयास किये जाने की कोई अधिकृत जानकारी कभी नहीं दी गई। सितंबर 2020 में इसका अध्ययन करने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान के एक प्रस्ताव को राज्य वन्यजीव बोर्ड में विचार के लिए लिया भी गया था। इसमें इस संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा यह बताने के लिए एक प्रस्तुति भी दी गई थी कि राजस्थान चीतों के पुनर्निवास के लिए स्थल और क्षमता दोनों रखता है। राज्य के तत्कालीन वन मंत्री ने भी कहा था कि "कार्य योजना को अंतिम रूप देने के बाद जल्द ही संस्थान के प्रस्ताव पर फैसला लिया जाएगा।" मगर जैसा सरकार में होता है कि कुछ फैसले कभी हो ही नहीं पाते।

हालांकि भारत की स्थानीय रूप से विलुप्त चीते की सबसे नजदीकी उप-प्रजाति ईरान में पाई जाती है। मगर वहां भी अब इसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसलिए ईरान से चीतों को भारत लाने का विचार त्यागना पड़ा क्योंकि इस तरह के संरक्षण प्रयासों के दौरान एक महत्वपूर्ण विचार यह भी रहता है कि जहां से जानवरों को उठाकर लाया जाना है वहां उनकी आबादी के अस्तित्व को इस कदम से खतरा नहीं होना चाहिए। दक्षिणी अफ्रीकी के चीते उस प्रजाति के वंशज है जो ईरान में पाए जाते हैं इसलिए उन्हें भारत लाकर यहां बसाने के लिए आदर्श माना गया है। हालांकि अफ्रीका से चीतों को लाकर भारत के जंगलों में छोड़ना एक विवादास्पद प्रयोग भी है जिसे लेकर वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षणवादियों में ध्रुवीकरण साफ नज़र नजर आता है। एक वर्ग जो इस प्रयोग से असहमति रखता है वह मानता है कि चीतों का यहां के वनों में स्वच्छंद जीवन संभव नहीं है। अधिक से अधिक यह किया जा सकेगा कि एक बड़े नियंत्रित इलाके में उनके जीवन यापन की हमेशा व्यवस्था की जाती रहे। चीते को पालतू बना कर उनको आखेट में शामिल करने का पुराना मुग़ल कालीन भारतीय इतिहास रहा है। उस पर अनुसंधान करने वालों का कहना है कि प्रयासों के बाद भी पालतू बनाए गये चीतों की सन्तति नहीं बढ़ी। ऐसे में देखना यह होगा कि स्थान परिवर्तन का अफ्रीका से आए चीतों के प्रजनन व्यवहार पर क्या असर पड़ता है। दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि यह नई पहल अपने आप में पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक वरदान भी हो सकती है। चीते खुले मैदानों में रहते हैं; उनका आवास मुख्य रूप से है वहां है जहां उनके शिकार रहते हैं। घास के मैदान, झाड़ियां और खुली वन प्रणालियां, अर्ध-शुष्क वातावरण और थोड़ा गरम तापमान चीते को माफिक आता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि फिर से बसाये चीतों के लिए न केवल उनके शिकार के आधार को बचाना होगा जिसमें कुछ खतरे वाली प्रजातियां भी शामिल हैं, बल्कि घास के मैदानों की अन्य लुप्तप्राय प्रजातियों और खुले वन पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की जिम्मेवारी भी निभानी होंगी। यह सुखद बात है कि बड़े मांसाहारियों में चीते का स्वभाव मानव हितों के साथ सबसे कमसंघर्षका है। वे आम तौर पर मनुष्यों के लिए खतरा नहीं होते हैं और बड़े पशुओं पर भी हमला नहीं करते हैं। इसीलिए इतिहास में हम पाते हैं कि चीतों को पालतू जैसा बना कर शिकार के खेलों में उनका उपयोग किया जाता रहा। अलेक्ज़ेंडर रोजर्स की अनुदित और हेनरी बेवेरिज के संपादन में 1909 में प्रकाशित किताबद तुज़ूक-ए-जहांगीरी ऑर मेमरी ऑफ जहांगीर में यह जिक्र आता है कि मुगल बादशाह अकबर के पास एक हजार चीते थे जिनका इस्तेमाल हिरण और चिंकारा का शिकार करने के लिए किया जाता था। जहांगीर के संस्मरणों की वर्ष 1623 की इस मूल किताब से पता चलता है मुग़ल शासक अपने सूबेदारों को इनाम के तौर पर भी चीते भेंट करते थे। यह भी पहला मौका नहीं है जब चीते बाहर से भारत में लाए गये। इतिहास में दर्ज है कि 1918 से 1945 तक अलग-अलग अवसरों पर कम से कम 200 अफ्रीकी चीतों को भारतीय राजा-महाराजाओं ने शिकार के लिये मंगवाया।

चीता जब भारत में अपनी उपस्थिति पुन: दर्ज़ करा रहा है तब लोग याद कर रहे हैं कि राजस्थान में सबसे पहले अलवर रियासत के महाराजा ने काबुल से वाजिद खान को चीता पालने के लिए बुलाया था। बाद में जयपुर रियासत में सवाई जगत सिंह के समय उसे जयपुर रियासत के शिकारखाने में नियुक्त किया गया जो चीतों को शिकार करने की ट्रेनिंग दिया करता था। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि राजस्थान में खूब चीते थे मगर सवा सौ साल पहले उनकी नस्ल लुप्त हो गई। सन् 1921 में राजघराने के मेहमान रहे विल फ्रायड के परिवार ने ब्रिटेन से दो चीते समुद्री जहाज से बंबई और वहां से रेल से जयपुर भेजे, जो सन् 1931 तक जीवित रहे। जयपुर में तो रामगंज बाजार के नजदीक 'मौहल्ला चीतावालान' मौजूद है जो गुलाबी नगरी का चीतों के साथ सहकार की याद दिलाता है। भले ही राजस्थान चीतों को बसाने की परियोजना पाने में पिछड़ गया किन्तु हमें इसी पर संतोष करना होगा कि मध्यप्रदेश का कुनो राष्ट्रीय उद्यान इस प्रदेश से सटा हुआ ही है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोडा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थान में कृषि उच्च शिक्षा गुणवत्ता का स्तर क्या अब कभी सत्तर-अस्सी के दशक के तुल्य पहुँच सकता है?

प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह

राजस्थान में कृषि उच्च शिक्षा गुणवत्ता स्तर क्या अब कभी सत्तर-अस्सी के दशक के तुल्य पहुँच सकता है?

लेख का शीर्षक इस बात का द्योतक है कि राजस्थान प्रदेश में कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में इतना व्यापक ह्रास हो चुका है कि वर्ष उन्नीस सौ सत्तर-अस्सी के दसक की गुणवत्ता के स्तर पर वापस लौटने को लेखक अन्य उपायों की तुलना में अधिक श्रेयकर मानता है और इसीलिये आकाँक्षा जता रहा है कि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के वर्तमान स्तर जो विगत साठ-सत्तर वर्षों में निम्नतम कही जा सकती है, से उबरना कैसे संभव हो सकेगा, इस पर विचार करना ही अब दुष्कर प्रतीत होने लगा है? मूल कारण बिलकुल स्पष्ट है कि गुणवत्ता शिक्षा, जैसी व्यवस्था बनाने में शिक्षण संस्था के प्रबंधकर्ता और उसके शिक्षकों की कड़ी मेहनत और अपेक्षा से कही समय लगता है। शिक्षा के किसी जीर्ण भवन को वित्तीय स्त्रोत उपलब्ध होने पर एक-दो वर्ष में उस भवन का पूर्ण कायाकल्प संभव हो जाता है परन्तु शिक्षा की गुणवत्ता में विभिन्न कारणों से घटित ह्रास को संस्था और उसके प्रबंधकीय सदस्य अपनी अथक मेहनत, ईमानदारी और प्रतिबद्धता से व्यक्तिस: व सामूहिक प्रयासों से दो दशक के समय में भी पुराने स्तर को प्राप्त कर लें तो यह एक बड़ी उपलब्धि और प्रसंशनीय कार्य होगा। क्योंकि ऐसे कार्य में मानवीय पक्ष कही अधिक महत्वपूर्ण है अन्य कारकों की अपेक्षा।

सर्व प्रथम कृषि उच्च शिक्षा जिसके साथ अनुसंधान भी सम्मिलित है, के लिए छात्रों को पढ़ाने वास्ते कक्ष होना इतना आवश्यक नहीं, जितना प्रयोगात्मक परीक्षणों के लिए प्रयोगशालाएं और कृषि भूमि, आवश्यक उपकरणों सहित। हमें याद है अपने समय के महान विद्वान रवीन्द्रनाथ जी टैगोर का, शांति निकेतन जिनके पास छात्रों को पढ़ाने के लिए न तो आजकल के सामान कक्ष था और न कोई फर्नीचर। कक्ष के स्थान पर एक बड़े पेड़ की छाया और फर्नीचर की जगह मिट्टी का साफ़ फर्श। भारत के लोग संभवत: उन्हें भूल गए होंगे। भूलना स्वावाभिक है, क्योंकि आज़ादी के बाद हमें वह पढ़ना लाजमी था जिससे हमारी और हमारो की सर्वत्र जय जयकार हो।

केंद्र सरकार को चाहिए कि स्वतंत्र रूप से इस विषय पर एक श्वेत पत्र परिषद् से और स्वतंत्र विचार सभी कृषि वैज्ञानिकों, किसान आयोग के सदस्यों व अन्य विचारकों और सर्वेक्षण से प्राप्त कर व्यापक बहस कर समुचित कदम उठाये। मेरा दृढ़ मत है कि वर्तमान पढ़ाई और अर्जित ज्ञान पूर्व के उन दो सालों के समक्ष कही नहीं टिकता। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली ने एकरूपता और उच्च स्तर का कृषि ज्ञान छात्रों को दिलवाने के लिए पाठ्यक्रम चार वर्ष का तो कर दिया किन्तु विषय वस्तु की वांछित फैकल्टी कही थी ही नहीं, और न ही ऐसे विशेषज्ञों की भर्ती के लिए कोई ठोस कदम उठाये। साल दर साल अनुभवी अध्यापक अन्यत्र चले गए या रिटायर हो गए और रिक्त हुए पद कभी भरे नहीं जा सके। जिसमे सबसे बड़ी बाधा प्रदेश सरकार उसमे भी विशेष रूप से सचिवालय के बड़े अफसर की लालफीताशाही, संलिप्तता तथा उनके अड़ंगे मुख्य कारक रहे। दुर्भाग्य से इस देश में ऐसे पदों पर आसीन व्यक्तियों की कभी कोई जवावदेही नहीं रही और न आज है।

कक्षाओं में चूंकि छात्र प्रवेश तो लेते ही हैं क्योंकि उन्हें पता ही नहीं होता कि जिस विषय/संकाय में वे प्रवेश ले रहे हैं उसके लिए पढ़ाने वाले अनुभवी स्थाई शिक्षक वर्षों से नहीं है। पढ़ाने की जिम्मेदारी कुलपति और महाविद्यालय के डीन पर आ जाती है। महाविद्यालय को जो मिला जैसा भी मिला, उसको कुलपति की सलाह से ठेके पर पढ़ाने के लिए प्रति कालांश के आधार पर रख लिया। और विषय पढ़वाने की प्रक्रिया चलने लगी, दिखावटी तौर पर ही सही। बाहर से सब ठीक ठाक लगता रहा। समय से परीक्षाएं भी होती रही और विद्यार्थी उत्तीर्ण भी होते गए। सरकार में बैठे प्रशासनिक अधिकारियों को यह प्रणाली ऐसी भा गयी कि सरकारी बजट बचाने का सूत्र उन्हें हाथ लग गया।

फलस्वरूप जब कभी विश्वविद्यालय ने भर्तिओं के लिए आदेश मांगे, सरकार के अधिकारी ने उसमे कोई रूचि नहीं दिखाई और मांग को जरूरत से अधिक लंबित रखे रहे ताकि मांग ठंडे बस्ते में डाल दी जाय। नतीजन दशकों से रिक्त पदों पर कोई भर्ती नहीं की गई और आज भी 60 प्रतिशत से अधिक पद विषय विशेषज्ञों के प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में खाली पड़े हैं। कोई पूछने वाला नहीं और किसी की भी जवावदेही नहीं कि बिना विषय विशेषज्ञों के पढ़ाई की गुणवत्ता कैसे बनाई रखी जाती है? जवाव तो मिलता है संबंधित महाविद्यालय के उच्च अधिकारी से कि सभी छात्र अच्छे अंकों से पास होते हैं।

उपरोक्त वर्णन से यह स्पष्ट होता है कि कृषि विश्वविद्यालयों में ठेके पर व्याख्यान कोचिंग संस्थानों सदृश्य ही है। पूर्व में मैं कोचिंग व्यवस्था को अनुचित मानता था परन्तु अब राजकीय संस्थानों की हालत देख मेरा दृष्टिकोण बदल गया है और मेरा अब सरकार को सुझाव है कि व्याख्यान तो किसी कोचिंग वाले से ही दिलवा लें और प्रैक्टिकल के लिए कुछ प्रयोगशालाएं निर्धारित अनुबंध कर प्रैक्टिकल वही से छात्रों को करवाएं। ऐसा करने से सरकार का धन कही अधिक बचेगा, जिसे मुफ्त की रेवड़ी और अन्य ऐसे ही प्रकल्पों में जिनसे पार्टी विशेष का वोट बैंक धनी होता, हो उनमे व्यय कर लिया जाय।

डिग्री तो विश्वविद्यालय देता ही है वह देता रहेगा छात्रों को तो आज डिग्री चाहिए पढ़ने-पढ़ाने से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। डिग्री प्राप्त उपरांत छात्र का अपना भाग्य और स्वयं की राजनीति के अखाड़े में निपुणता। वर्तमान व्यवस्था को सुचारू चलने के लिए कुछ तो हाथ-पैर मारना ही पड़ता है। चाहे कितना ही विरोध हो और अनेक बाधाएँ उत्पन्न की जाय फिर भी जनता को लगना चाहिए कि उनके लाभ के लिए कुछ हो रहा है। कृषि अनुसन्धान परिषद् से सभी प्रकार की निर्भरता समाप्त हो समन्वित अनुसन्धान योजनाएं परिषद् के अपने केंद्रों पर शिफ्ट कर दी जाय। कृषि विश्वविद्यालयों को आत्म निर्भर करने की कोई जरूरत नहीं। बल्कि संस्था के नाम से शब्द विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी हटा दिए जाये। क्योंकि इन संस्थाओं में अब विश्व स्तर का कुछ है ही नहीं। अत: इन सभी संस्थानों को राज्य महाविद्यालय का नाम देना श्रेयकर होगा। इसलिए कुलपति पद समाप्त कर दिया जाय क्योंकि कुलपति ही सभी प्रकार के घोटालों, नियुक्तिओं में, खरीद में, निर्माण आदि कार्यों में व चाटुकारिता में उत्पत्ति केंद्र है। जाति वाद से लेकर अन्य जो अनियमिताएं प्रकाशित होती रही हैं, उन सब में कुलपति सीधे अथवा अप्रत्यक्ष रूप से संलग्न रहते रहे हैं। कृषि शिक्षा व अनुसन्धान में निरन्तर पतन कुलपति की नाकाबिलियत के कारण से है। इसके साथ ही अन्य सभी अधिकारिओं की कत्तर्व्य परायणता और जबाव देहि निश्चित करने की बहुत आवश्यकता है।

निदेशक कृषि राज्य सरकार की अध्यक्षता में प्रबंध मंडल का गठन हो जिसमे राजकीय अधिकारी समेत कुल ग्यारह सदस्य हों एक विधायक, और एक महिला सामाजिक कार्यकर्त्ता सदस्य लिए जायँ। प्रत्येक निर्णय की जवाब देही निदेशक की हो। कुलसचिव वरिष्ठ अध्यापकों में से नियुक्त किये जाए और वित्त नियंत्रक चयन प्रक्रिया से राज्य आयोग नियुक्त करे। अध्यापकों व अन्य कर्मचारिओं के समयबद्ध तरक्की पर रोक लगे। इन कदमों से चाटुकारिता पर अंकुश लगेगी और कर्तव्य परायणता बढ़ेगी।

मुझे आश्चर्य है कि अभी तक छात्र या उनके अभिभावक विश्व विद्यालय की प्रति वर्ष की धोकेबाजी के विरुद्ध न्यायलय कियों नहीं गए? एक बार सैद्धांतिक तौर पर यदि इस प्रकरण पर सहमति बनती है तो मैं फिर और सुझाव प्रेषित कर सकता हूँ। जिसमे कृषि शिक्षा के प्राइवेट करने पर भी एक विकल्प हो सकता है। कुछ भी हो भावी पीढ़ियां कृषि में अभी अशिक्षितों से भी निम्नतर पैदा हो रही हैं। अशिक्षित मज़दूरी से जीवन तो काट लेगा लेकिन ये तथाकथित शिक्षित मजदूरी भी नहीं कर पाएंगे।

–प्रो. (डॉ.) वीर बहाद सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान

डीएपी व यूरिया के लिए किसान उमड़े

मालपुरा,(निसं)। दो महिनों के लम्बे समय बाद मंगलवार को केवीएसएस मालपुरा पर खाद आने की मिली सुचना पर हजारों किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। खाद लेने आये किसानों की लगी लम्बी कतारों में शामिल किसान 2 से 3 घंटे की कडी मशक्कत के बाद काउंटर पर तो पहुंचे लेकिन स्टॉक खत्म हो जाने के चलते बिना खाद के ही किसान निराश होकर लौट गये। दस हजार से अधिक यूरिया बैग की डिमांड के बावजूद केवीएसएस को महज 507 कट्टों का स्टॉक मिलने से व्यवस्थाएं चरमरा गई। खाद का स्टॉक खत्म होने की सूचना के साथ ही परिसर में एकाएक भगदड सी मच गई। इतनी बडी संख्या मे किसानों की भीड के बावजूद प्रबंधकों द्वारा ना तो छाया पानी की व्यवस्थाएं की गई और ना ही पुलिस जाप्ता लगाया गया।

महिला शौचालय में आठ माह का भ्रूण मिला

देवगढ़ , (निसं)। देवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के महिला शौचालय में करीब 8 माह का परिपक्व नर भ्रूण मिलने से हॉस्पिटल प्रशासन में हड़कंप मचा गया। आनन-फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवाया।

जानकारी के अनुसार देवगढ़ के सरकारी अस्पताल में सुबह के वक्त जब सफाई कर्मचारी शौचालय की सफाई करने जा रहे थे, इस दौरान उन्हें महिला शौचालय में भ्रूण पड़ा मिला। यह भ्रूण करीब 8 माह का बताया जा रहा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि मंगलवार-बुधवार रात को किसी ने यह भ्रूण शौचालय में फेंका होगा। भ्रूण

> ■ **देवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के महिला शौचालय की घटना**

किसने फेंका है, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है।

सीएचसी प्रभारी डॉ. अनुराग शर्मा ने इसकी जानकारी देवगढ़ थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत को दी जिस पर उन्होंने एएसआई गिरधारी सिंह मय जाप्ता को मौके पर भेजा। पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए आवश्यक कार्यवाही कर भ्रूण को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की एवं पोस्टमार्टम करवाने के लिए मोर्चरी में रखवाया ओर पोस्टमार्टम कराया जिसमे पता चला कि यह नर भ्रूण है।

सीएचसी प्रभारी डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया कि सुबह के वक्त जब सफाई कर्मचारी शौचालय की सफाई कर रहे थे, उसी वक्त यह भ्रूण मिला है। देखने मे यह भ्रूण लगभग 8 माह का लग रहा था, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी है, फिलहाल भ्रूण का पोस्टमार्टम करवाया गया जिसमे पता चला कि यह भ्रूण नर का है। साथ ही हॉस्पिटल के सीसीटीवी कैमरे खंगालकर किसके द्वारा इस भ्रुण को यहां डाला गया इसका पता लगाया जाएगा, उसके बाद कार्यवाही की जाएगी।

कचरे के ढेर में पांच माह का भ्रूण मिला

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर कॉलोनी में एक 5 महीने का भ्रूण मिला है। भ्रूण मिलने की सूचना मिलने पर मौके पर लोगों की भीड जमा हो गई। जिसके बाद लोगों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को जब्त कर मोर्चरी में रखवाया है और भ्रूण फैंकने वाली महिला की तलाश शुरू कर रही है। अस्पताल चौकी के कॉन्स्टेबल ईश्वरलाल ने बताया कि प्रतापनगर कॉलोनी से रेलवे की ओर जाने वाले कुछ लोगों ने मंगलवार सुबह कचरे के ढेर में एक बच्चे को देखा। जिसके बाद मौके पर भारी भीड जमा हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। लेकिन भ्रुण को फेंककर जाने वाले के बारे में किसी को कुछ भी जानकारी नहीं थी।

चीतों के भोजन के लिए चीतलों को अन्य क्षेत्रों से लाने की बात तथ्यहीन

गत 17 सितम्बर, 2022 को प्रधानमंत्री द्वारा नामीबिया से लाये गये चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा गया है। देश में चीता विलुप्त होने के 75 वर्ष के बाद पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से चीता लाये गये हैं, यह देश एवं प्रदेश के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कतिपय समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में इस आशय के समाचार प्रसारित किये जा रहे हैं कि चीतों के भोजन हेतु चीतलों को अन्य क्षेत्रों से लाया जाकर कूनों राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा जा रहा है। कुछ समाचार पत्रों में तो राजस्थान से चीतल लाये जाने के भी समाचार प्राप्त हो रहे हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि विभिन्न समाचार माध्यमों तथा सोशल मीडिया में फैल रही इस खबर में कोई सत्यता नहीं है। राजस्थान से कोई चीतल मध्यप्रदेश नहीं लाया गया है। अंतर्राज्यीय वन्यप्राणियों के स्थानान्तरण के लिए भारत सरकार एवं

> ■ **कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से लाये गये चीतों की स्थापना**

दोनों राज्य सरकारों की सहमति आवश्यक होती है, अत: राजस्थान से चीतल लाये जाने की पुष्टि राजस्थान सरकार की सक्षम अधिकारियों द्वारा की जा सकती है। कूनों राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 20,000 से अधिक चीतल मौजूद हैं । ऐसे में चीतों के भोजन के लिये अन्यत्र से चीतल लाकर छोड़ा जाना एक कल्पना मात्र है। वस्तुत: चीता लाये जाने के उपरांत कूनो राष्ट्रीय उद्यान में कोई चीतल लाकर नहीं छोड़े गये हैं।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2015 से लगातार सक्रिय वन्यप्राणी प्रबंधन किया जा रहा है। प्रदेश में की राष्ट्रीय उद्यान/ अभयारण्य ऐसे हैं जहां चीतलों की संख्या काफी अधिक बढ़ गई है जिससे गर्मियों में चारा की समस्या उत्पन्न होती है।

अत: ऐसे जगहों से चीतलों को ऐसे राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य में छोड़ा जाता है जहां इनके चारे की पर्याप्त उपलब्धता होती है। इसके तहत पेंच राष्ट्रीय उद्यान, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान तथा नरसिंहपुर अभयारण्य से चीतलों को निकालकर सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, संजय राष्ट्रीय उद्यान, कूनों राष्ट्रीय उद्यान तथा नौरादेही अभयारण्य में भेजे गये हैं। यह सही नहीं है कि केवल राष्ट्रीय उद्यान पार्क में ही चीतलों को छोड़ा गया है। प्रदेश में अब तक 6000 से अधिक चीतल एक संरक्षित क्षेत्र से दूसरे संरक्षित क्षेत्र में स्वच्छंद विचरण हेतु छोड़े जा चुके हैं। इसके मुख्य उद्देश्य शाकाहारी वन्यप्राणियों में अनुवाशिंक समस्याओं को दूर करना, उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों में फसल की नुकसानी कम करने तथा गांवों के द्वारा रिक्त किये गये स्थलों पर समुचित वन्यप्राणियों की संख्या स्थापित करना है। प्रदेश के अनेक राष्ट्रीय उद्यान जैसे बांधवगढ़ , कान्हा तथा पेंच में काफी संख्या में चीतल पाये जाते हैं जिसके कारण वहां का पर्यावास भी प्रभावित होता है। पर्यावास को बचाये रखने के लिये भी यह आवश्यक है कि वन्यप्राणियों के अत्यधिक जैविक दबाव को कम किया जाये। इस कार्य को इन वन्यप्राणियों को अन्यत्र छोड़े जाने से ही सम्पन्न किया जा सकता है। वर्तमान में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में 30,000 से अधिक, पेंच राष्ट्रीय उद्यान में 50,000 से अधिक तथा बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में 30,000 से अधिक चीतल मौजूद है जबकि क्षेत्रफल में अधिक होने के बावजूद सतपुडा राष्ट्रीय उद्यान में लगभग 10,000 चीतल उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, संजय राष्ट्रीय उद्यान तथा नौरादेही अभयारण्य जो कम घनत्व के संरक्षित क्षेत्र है वहां शाकाहारी वन्यप्राणियों की संख्या को बढ़ाने के उद्देश्य से कान्हा, बांधवगढ़ तथा पेंच राष्ट्रीय उद्यान से शाकाहारी वन्यप्राणियों को छोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा वन्यप्राणियों का उच्च कोटि का प्रबंधन किया जा रहा है तथा ऐसा कोई कृत्य न तो किया गया है और न ही भविष्य में किया जायेगा जिससे विश्नोई समाज, जो वन्यप्राणी संरक्षण में अपने योगदान के लिये विश्व विख्यात है, की भावनाओं को ठेस पहुंचे। यहां यह भी तथ्य उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विश्नोई समाज की अमृता देवी के नाम पर वन्यप्राणी संरक्षण में उच्च कोटि का योगदान देने के लिये पुरस्कार दिये जाते हैं।

प्रारुप प्रमुख सचिव,
वन द्वारा अनुमोदित
(जसवीर सिंह चौहान)
मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक
(वन्यप्राणी), म.प्र.

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 21 सितम्बर, 2022

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, पुषय नक्षत्र रात्रि 11:47 तक, परिघ योग प्रात: 9:12 तक, बव करण दिन 10:31 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग रात्रि 11:35 से रात्रि 11:47 तक है। आज इन्दिरा एकादशी व्रत है और एकादशी का श्राद्ध और आखिरी चाहर शम्बा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:50 से 12: 20 तक, चर 3:21 से 4:21 तक, लाभ 4:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:22

मेष

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

मीन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मानव श्रृंखला बनाकर आमजन को संदेश दिया

कोटा, (निसं)। जिला निर्वाचन विभाग की पहल पर मंगलवार को जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर नव मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं आधार कार्ड को वोटर आईडी से लिंक करवाने हेतु प्रेरित किया गया।

महाविद्यालय की स्वीप प्रभारी डॉ जयश्री डावरे ने बताया मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य संजय भार्गव ने विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अभियान का हिस्सा बनने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वह आमजन को जागरूक करने का कार्य करें। जिला स्वीप कमेटी के सहायक नोडल अधिकारी रविन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि कमेटी द्वारा जागरूकता के क्षेत्र में कई नवाचार किए जा रहे हैं इसी क्रम में मंगलवार को मानव श्रृंखला बनवा कर आमजन को संदेश दिया गया। इस दौरान छात्राओं द्वारा तख्तियों में जागरूकता संबंधित संदेश लिखकर आम लोगों को प्रेरित किया गया।

पश्चिम मध्य रेल

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा

सं. WRSKTT-ARCFE-Tender-01RE, दिनांक 17.09.2022

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से **मुख्य कारखाना प्रबन्धक, माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा,** निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा आमंत्रित करते है:– **टेण्डर सं.: WRSKTT-ARCFE-Tender-01RE. कार्य का विवरण: डब्ल्यूआरएस, कोटा में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के अग्निशामकों की मरम्मत/रखरखाव, हाइड्रोलिक परीक्षण और रिफिलिंग के लिए एआरसी। अनुमानित लागत: ₹ 7,94,482.20. निविदा प्रपत्र राशि: निल। बयाना राशि: ₹ 15,900/-. कार्य पूर्ण करने की अवधि: 36 माह। निविदा बंद व खुलने का समय व तारीख:** बंद 11.30 बजे दिनांक 15.10.2022 व खुलेगी 12.00 बजे दिनांक 15.10.2022. ई–निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है तथा विवरण मुख्य कारखाना प्रबन्धक कार्यालय, कोटा के प्रगति अनुभाग के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। ऑफर सिर्फ ई–निविदा के माध्यम से इसी वेबसाइट पर स्वीकार किये जायेंगे। इस निविदा के लिये मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। यदि ऐसा कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/II, मा.डि.म.कारखाना, कोटा जं.

कोरोना से बनाना है दूरी तो वेक्सीन लगवाना है जरुरी।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम ओम प्रकाश से बदलकर नया नाम ओम प्रकाश भोजवानी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता–ओम प्रकाश भोजवानी पुत्र चन्दरमल मकान नम्बर ई–155 नियर सरस डेयरी श्रीनाथपुरम कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम रविन्द्र कुमार बडेला से बदलकर नया नाम रविन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता–रविन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह 1513 बड़ी इदगाह के पीछे किशोरपुरा कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम जसप्रीत सिंह से बदलकर नया नाम जसप्रीत सिंह ग्रोवर रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता–जसप्रीत सिंह ग्रोवर पुत्र महेन्द्र जीत सिंह ग्रोवर C–2 तलवण्डी कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम DAVENDRA KUMAR SINGHAL से बदलकर नया नाम DEVENDRA KUMAR SINGHAL रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता–DEVENDRA KUMAR SINGHAL पुत्र भगवान लाल सिंघल मण्डीपाडा नाहरगढ़ बारां

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर /2022

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री श्रवण सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी ग्राम निपानिया झाला पोस्ट कुण्डला जिला झालावाड़ द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (2) के अंतर्गत मन्दिर श्री ठाकुरजी राधाकृष्णजी ग्राम निपानिया झाला पोस्ट कुण्डला तह. गंगधार जिला झालावाड़ के संबंध में पंजीयन हेतु जांच किए जाने के लिए आवेदन–पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उप–धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन–पत्र निर्धारित निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 06.09.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।

प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 09.11.2022 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

कोटा दक्षिण विधानसभा में पेयजल के प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति मिले : संदीप शर्मा

कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने मंत्री से मुलाकात करके पेयजल के संबंध में वार्ता की।

- **कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की जनता व इसमें बसी बहुमंजिला इमारतों में चम्बल का पानी मिल सके**

कोटा, (निसं)। विधायक संदीप शर्मा ने जल अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री महेश जोशी से मुलाकात कर कोटा शहर की पेयजल संबधित समस्याओं को बताते हुऐं इसके समाधान की मांग की। आज विधायक संदीप शर्मा ने राजस्थान विधानसभा में जलदाय विभाग के मंत्री महेश जोशी से मुलाकात कर कोटा शहर व दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की पानी की समस्या से अवगत कराया।

विधायक संदीप शर्मा ने जलदाय मंत्री को बताया कि कोटा दक्षिण विधानसभा में पानी की बहुत ज्यादा किल्लत है। यहां कि कोटा शहर चम्बल के किनारे बसने के बाद भी आज कई स्थानों पर लोगों चम्बल का पानी नही मिल पा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप लोग फ्लोराइड पानी पीने को मजबूर है। जिससें उनके स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। चम्बल के किनारे स्थित कोटा शहर में मेरी विधानसभा क्षेत्र की कई कॉलोनियो तथा, नई बसी कॉलोनियो में एवं बहुमंजिला इमारतों में आज भी स्वच्छ पेयजल चम्बल का पीने योग्य पानी विभाग उपलब्ध नही करा पा रहा है। 40 वर्षो से पाईप लाईने बदली नही गयी है जिससे 35 से 40 प्रतिशत स्वच्छ पानी छीजत में बह जाता है। कोटा शहर में 2 लाख बच्चे विभिन्न शहरो से पढ़ने आते है इनको भी पेयजल के लिये भारी परेशानी का सामना करना पडता है। कोटा दक्षिण विधानसभा में रहने वाले लोग पानी के लिये तरस रहे है। रोजाना आमजन और सामाजिक संगठनों द्वारा पानी की समस्या के लिये जलदाय विभाग के अधिकारियों और कर्मचारीयो का घेराव कर रहे हैं।

पेयजल की समस्या से आमजन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलदाय विभाग द्वारा कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की कॉलोनीयों की पुरानी छीजत पाईप लाईनों को बदलनें व बहुमंजिला इमारतों मे फ्लोराइड रहित पानी उपलब्ध करवाने और पेयजल सुधार हेतु अति. मुख्य अभियंता महोदय द्वारा अमृत 2.0 योजना के अर्न्तगत 260 करोड़ के प्रस्ताव तैयार कर जलदाय विभाग के मुख्यालय में मुख्य अभियंता जयपुर के पास भेजे हुए है जो अभी तक लंम्बित है। अत: आप से आग्रह है कि शीघ्र वितरण प्रणाली दुरूस्त करा कर जो प्रस्ताव सरकार के पास लम्बित है उन्हें पास करा कर शीघ्र पाईप लाईनें बदली जाये जिससें कोटा शहर में स्वच्छ पेयजल सभी कॉलोनियों व बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों व कोटा शहर की जनता को उपलब्ध हो सके। इस पर मंत्री ने विधायक संदीप शर्मा आश्वस्त किया कि शीघ्र ही अधिकारीयों से बैठक कर इन प्रस्तावो पर विचार करते हुए कोटा दक्षिण विधानसभा में पेयजल की समस्या का समाधान किया जायेगा। विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल झूठे आश्वासन दे कर प्रदेश की भोली–भाली जनता को भ्रमित कर झूठी वाह वाहीयां लूट रही है। सरकार द्वारा आमजन को आधार मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाने में नाकाम सिद्ध हो रही है। कोटा के आमजन की आवाज की कई बार सदन के माध्यम से उठाई परन्तु सरकार द्वारा आज इस संबध में कोई प्रयास नही किये और ना हि इन प्रयासों सफलता मिली।

पूर्व में भी राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विधानसभा में कोटा शहर की पानी की समस्या को सदन में उठाया परन्तु आज कोई कार्य कोटा दक्षिण विधानसभा में नही हो पाया नाहि पानी की समस्या का समाधान हो पाया। कोटा दक्षिण में रहने वाली जनता पानी की समस्या के लिये परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने कहा कि कोटा दक्षिण के आमजन की समस्या के लिये सदैव सघर्ष करते रहेंगें जब तक आमजन की समस्या का समाधान न हो।

रेजोनेंस में अब एसएससी, बैंक, रेलवे और सीईटी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे

कोटा, (निसं)। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान रेसोनेंस एक बार पुन: देश की बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओ जैसे एसएससी, बैंक, रेलवे, सीईटी की तैयारी करवाएगा। रेसोमेक्स डिविजन के प्रमुख कमल सिंह चौहान ने बताया कि विद्यार्थियों के सरकारी नौकरी के सपने को साकार करने के लिए हमने डिवीजन में अनुभवी शिक्षकों के साथ मिलकर परीक्षा के अनुरूप स्ट डी मटेरियल तैयार किया है, जो विद्यार्थीयों के लिए काफी मददगार होगा। विद्यार्थी इन परीक्षाओं की तैयारी संस्थान के साथ ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कक्षाओं के माध्यम से कर सकते हैं। विद्यार्थियों को सम्पूर्ण तैयारी परीक्षा के नवीनतम पैटर्न के अनुरूप करवाई जाएगी।

साथ ही, जो प्रथम बार सरकारी नौकरी के लिये प्रयास कर रहे हैं, उनके लिए बेसिक से लेकर एक्सपर्ट तक के कोर्स बनाए गए है, जिसमे वह न सिर्फ विषयों पर सम्पूर्ण पकड़ बनाएंगे बल्कि विभिन्न माध्यमों से जैसे, स्पोकन इंग्लिश, इफैक्टिव कम्युनिकेशन, इन्टरव्यू प्रिपरेशन आदि के माध्यम से अपने आपको रोजगारउन्मुख बना सकते हैं। चौहान ने बताया कि सरकार समान पात्रता सीईटी, परीक्षा के माध्यम से सभी परीक्षाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाना चाह रही है, जो की एक अच्छा प्रयास है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:–एफ–15/कृ.भू.रू./2022/1279 **विज्ञप्ति** दिनांक:–20.9.2022

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कोटडी में स्थित कृषि भूमि योजना आदित्य आवास विस्तार खसरा नं. 231, 289 में स्थित भूखंड संख्या आर–7 आवेदक श्री दीपक बंसल पुत्र स्व. श्री सतपाल बंसल निवासी आर–7 आदित्य आवास विस्तार योजना बजरंग नगर पुलिस थाना बोरखेडा कोटा राज. नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा आदेश क्रमांक 6184 दिनांक 20.08.2009 को श्री सतपाल बंसल पुत्र स्व. श्री नाथूलाल बंसल के नाम जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 12.05.2011 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी, दीपक बंसल पुत्र, श्रीमती नीना गर्ग, ज्योति चतुर्वेदी पुत्री है। वारिसान श्रीमती कृष्णा देवी, श्रीमती नीना गर्ग, ज्योति चतुर्वेदी द्वारा जर्ये रजि. रिलीज डीड दिनांक 05.07.2022 को आवेदक के पक्ष में हकत्याग किया गया है।

अत: श्री दीपक बंसल पुत्र स्व. श्री सतपाल बंसल के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:–ननिकोद/राजस्व/2022/1780–81 दिनांक:–19.09.2022

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को जर्ये आम सूचना सूचित किया जाता है कि श्री विनोद पारेता पुत्र स्व. श्री रुपचंद पारेता निवासी 53–ए केशवपुरा सेक्टर–2 कोटा नगर निगम कोटा की होटल/रेस्टोरेन्ट/मैस उपविधि 2016 के अनुसार "रिवर फ्रन्ट रेस्टोरेन्ट एण्ड बार" 255–ए, 256–ए केशवपुरा कोटा में संचालन करने की अनुमति चाही गई है।

इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा के ब्लॉक "ए" के प्रथम तल के कमरा नं. 238 में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी तथा उपविधि 2016 के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी। सूचित हो।

राजस्व अधिकारी नगर निगम कोटा (दक्षिण)

कार्यालय मेला प्रकोष्ठ नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण, राजस्थान

क्रमांक:–ननिको/मेला प्रकोष्ठ/2022/764–776 दिनांक:–20.9.22

129वॉं राष्ट्रीय मेला दशहरा वर्ष 2022

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय मेला दशहरा वर्ष 2022 के अवसर पर तीनो जुलूस रामबारात, लक्ष्मीनारायण जी की सवारी एवं भरत मिलाप का जुलूस आयोजित करने का कार्य के लिये इवेंट मैनेजमेंट कम्पनियों एवं इच्छुक आवेदको से ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–टेण्डर की शर्तो का सम्पूर्ण विवरण नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in,https://eproc.rajasthan.gov.in, www.kotamc.org, www.urban.rajasthan.gov.in/nnks से देखकर डाउनलोड कर सकते है।

अवकाश के दिनों में भी कार्यालय पूर्णतया खुलें रहेगें।

UBN No. DLB2223SLOB16378

उपायुक्त एवं मेला अधिकारी नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण

राष्ट्रीय पंचायत अवार्ड का पुनरोत्थान

कोटा, (निसं)। पंचायती राज द्वारा प्रतिवर्ष दिए जाने वाले राष्ट्रीय पंचायत अवार्ड का पुर्नोत्थान किया जा रहा है, जिसके तहत वर्ष 2023 में दिये जाने वाले राष्ट्रीय पंचायत अवार्ड सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के लिए गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के तहत नौ विषयों में पंचायती राज संस्थाओं द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने के आधार पर दिए जाएंगे।

संयुक्त निदेशक मुख्य आयोजना जेपी महावर ने बताया कि गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वस्थ और हरित पंचायत, पंचायत में आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा, सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत, सुशासन वाली पंचायत, महिला हितैषी पंचायत की प्रश्नावलियां कुल 9 विषय पंचायत अवार्ड पोर्टल के माध्यम से 10 सितम्बर से 20 अक्टूबर तक भरी जाएंगी।

उन्होंने बताया कि सभी 9 विषयों में से प्रत्येक विषय में देशभर में प्रथम आने वाली ग्राम पंचायत को 50 लाख रूपये व सभी विषयों के औसत अंको के आधार पर देशभर में प्रथम आने वाली ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रूपये पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि सभी ग्राम पंचायतों को इसमें आवेदन करना अनिवार्य है। इस संबंध में जिला स्तर पर 15 सितम्बर को जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय तथा विकास अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया की इस कार्य में सांख्यिकी अधिकारी विभाग के ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारियों का सहयोग लेकर 23 सितम्बर तक प्रश्नावलियों में सूचना तैयार कर कार्य पूर्ण करें।

उन्होंने अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी द्वारा वीसी में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारी तथा पंचायत समिति स्तरीय अधिकारियों को आरएनपीए की प्रश्नावली को गहनता से अध्ययन करने के निर्देश दिये।

विद्युत प्रसारण कांग्रेस इंटक कोटा संभाग की कार्यकारिणी घोषित

कोटा, (निसं)। हेमंत कुमार दाधीच कोटा संभाग अध्यक्ष राजस्थान विद्युत प्रसारण मजदूर कांग्रेस इंटक ने बताया कि राजस्थान विद्युत प्रसारण मजदूर कांग्रेस इंटक कोटा संभाग की कार्यकारिणी प्रांतीय विद्युत मंडल मजदूर फेडरेशन (इंटक) राजस्थान के महामंत्री मंडल दत्त जोशी एवं राजस्थान विद्युत प्रसारण मजदूर कांग्रेस (इंटक) के प्रदेश महामंत्री पुखराज सांखला से सलाह लेकर एवं राजस्थान विद्युत प्रसारण मजदूर कांग्रेस इंटक कोटा संभाग के अध्यक्ष हेमंत दाधीच के निर्देशानुसार कार्यकारिणी का विस्तार किया गया गया।

कोटा संभाग में कोटा, बारा, बूंदी, सवाई माधोपुर, झालावाड़, टोंक आदि जिलों के इंटक पदाधिकारी व सदस्यगण आदि आते हैं। कार्यकारिणी को संभाग महामंत्री किशन गोपाल मोदी के द्वारा जारी किया गया मोदी ने बताया कि इससे संगठन में मजबूती प्रदान होगी और कर्मचारियों की मूलभूत आवश्यकताएं व रुके हुए कार्यों में विस्तार होगा साथ ही संभाग अध्यक्ष हेमंत दाधीच ने बताया कि नई कार्यकारिणी बनने पर समस्त सदस्यगण व पदाधिकारियों में एक जागरूकता आएगी और समस्त जिलों में बने हुए पदाधिकारी अपना कार्य मजबूती से निर्वहन करेंगे।

नई कार्यकारिणी बनने पर सभी सदस्यगण व पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी पदाधिकारियों में मुख्य संरक्षक पंकज मेहता संरक्षक मंडल दत्त जोशी अध्यक्ष हेमंत कुमार दाधीच कार्यकारी अध्यक्ष विकास तिवारी, ओम प्रकाश नागर वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण राठौर, कौशल पारीक, सुनील महावर, राकेश, रिजवान अली, कमलेश शंकर दीक्षित, के एल धनकुट्टी, उपाध्यक्ष हेमंत राठोर नरेंद्र महावर, जाहिद मिर्जा, चेतन मित्तल, रामकिशन सेन, चंद्रशेखर मालव, जय प्रकाश राठोर ,एम शिवकुमार, एस सरवानन, दिनेश योगी, सुरेश कुमार, महामंत्री किशन गोपाल मोदी, संयुक्त महामंत्री संतोष मीणा, फूलचंद मीणा, महेश सेन, सविता हैदर, निधि जैन, रामबाबू, अरुण सेल्वन, शहाबुद्दीन, विनोद मालव, नंद भंवर मीणा, संगठन मंत्री दीपा मालव, चेतना महावर, मनीष वर्मा, गजेंद्र जाटवा, राजेंद्र वर्मा, अहमद नूर, नियमत उल्लाह, संजय शर्मा, कैलाश तेजवानी, प्रवीण पाल, ताराचंद, राजकुमार शर्मा, पी.गोपाल, एम.शेखर, दीपक प्रजापति, सह संगठन मंत्री सुनील टेलर, भारत कुमार, नरेंद्र मीणा, हंसराज सैनी, हेमराज शाक्यवाल, ओम प्रकाश सुमन, युसूफ, लोकेंद्र, रियाज अहमद, कार्यालय मंत्री ललितेश नागर, सोनम गुप्ता, नीरज अंबेडकर, प्रचार मंत्री छोटू लाल गुर्जर, धर्मेश मालव, हेमराज महावर, विनोद कार्यकारिणी सदस्य आशीष शर्मा, देवेंद्र शर्मा, ललित गोचर, ओमेंद्र सरवाड़ा, शिव प्रसाद सैनी, हेमराज, मोहन लाल मीणा, हरेंद्र सिंह, संदीप रावत, नीलेश शर्मा, मनोज कुमार खंगार, बृजमोहन गुर्जर, रमाकांत राही, एवं आदि पदाधिकारी की नियुक्ति का विस्तार हुआ।

सेवा पखवाड़ा के चौथे दिन भाजपा ने कोविड बूस्टर टीकाकरण कैम्प लगाये

कोटा, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी शहर जिला कोटा द्वारा सेवा पखवाड़ा के तहत अनेकों सेवा कार्य कर मनाया जा रहा है।

जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक मुकेश विजय, सहसंयोजक हरिहर गौतम, सीमा भारद्वाज के आव्हान पर भारतीय जनता पार्टी कोटा शहर द्वारा सेवा पखवाड़ा के चौथे दिन भी अनेकों सेवा कार्य हुए। कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा तथा सहप्रभारी जिला मंत्री रेखा खेलवाल रही।

मेडिकल कॉलेज में टी बी वार्ड में भाजपा के टीबी मुक्त राष्ट्र व निक्षय मित्र कार्यक्रम के तहत टीबी मरीजों को फल व प्रोटीन पावडर वितरित कर, मरीजों व उनके परिवारजन को बीमारी से बचाव की जानकारियां दी। टी बी मरीजों की सेवा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नागरिक सहकारी बैंक चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला, जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, जिला महामंत्री जगदीश जिंदल, सेवा पखवाड़ा संयोजक मुकेश विजय, सहसंयोजक हरिहर गौतम, सीमा भारद्वाज, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक डॉ विपिन योगी, डॉ सुनीता योगी, डॉ रक्षा शर्मा, सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे। गणेश नगर मंडल द्वारा कोविड बूस्टर टीकाकरण कैम्प आयोजित किया गया। जहां आमजन को बूस्टर डोज लगवाई गई। इसके साथ टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने 6 मरीजों की सेवा का संकल्प लिया। मरीजों तथा उनके परिवारजन को बिमारी से बचाव की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक मुकेश विजय, सहसंयोजक हरिहर गौतम, जिला मंत्री सियाराम वैष्णव, पवन दिलावर, दीपक दिलावर, मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र मेहरा, सेवा पखवाड़ा संयोजक गोविंद सेन, कोषाध्यक्ष दिलीप पारेता, गणेश नगर मंडल महामंत्री सिंपल शर्मा, नवीन गर्ग, तुषार शर्मा, अमित गौतम, सुमित शर्मा, इंदिरा जांगिड़, सुरेश शर्मा, गोविंद मोदी, शंकर जैन, पूजा शर्मा, इंदिरा जांगिड़ सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डांडिया पोस्टर का विमोचन

कोटा, (निसं)। ब्राह्मण कल्याण परिषद द्वारा प्रति वर्ष की भांति डांडिया महोत्सव का आयोजन 28 सितंबर को गोदावरी धाम के सामने हनुमंत वाटिका में किया जाएगा। इसके पोस्टर का विमोचन तुलसी माता मंदिर पर हुआ ब्राह्मण कल्याण परिषद अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित ने बताया कि प्रवेश करने वालों को पारंपरिक वेशभूषा में आने का आग्रह किया है। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ शीला तिवारी ने कहा कि प्रवेश कूपन से लॉटरी निकाली जाएगी और पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही बेस्ट ड्रेस, बेस्ट कपल, स्मार्ट कपल, बेस्ट डांसर को अलग–अलग पुरस्कार दिए जाएंगे।

कार्यालय नगर पालिका केशवरायपाटन जिला बून्दी (राज.)

क्रमांक:–न.पा./भूमि /2022/6085–6087 **आपत्ति सूचना पत्र** दिनांक:–20.9.2022

सर्व साधारण एवं हर खास एवं आम को सुचित किया जाता है कि प्रार्थीया श्रीमती शीला वर्मा पत्नी हरिलाल वर्मा निवासी शंकर कॉलोनी के.पाटन द्वारा पत्रावली प्रस्तुत कर श्री हरिलाल वर्मा आ. प्रभूलाल वर्मा जाति नाई निवासी के.पाटन के नाम जारी पट्टा संख्या 652 दिनांक 27.09.2006 को समर्पित कर स्वयं के नाम लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा चाहा गया है। श्री हरिलाल वर्मा आ. प्रभूलाल वर्मा जाति नाई निवासी के.पाटन की मृत्यु दिनांक 17.02.2014 को हो चुकी है। अत: मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर पट्टा संख्या 652 दिनांक 27.09.2006 को समर्पित कर श्रीमती शीला वर्मा पत्नी हरिलाल वर्मा निवासी शंकर कॉलोनी के.पाटन के नाम लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम में इस पालिका में प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद गुजरने अवधि श्रीमती शीला वर्मा पत्नी हरिलाल वर्मा निवासी शंकर कॉलोनी के.पाटन के नाम लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। सूचित हो।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका के.पाटन

कार्यालय नगर पालिका केशवरायपाटन जिला बून्दी (राज.)

क्रमांक:–न.पा./भूमि /2022/6088–6090 **आपत्ति सूचना पत्र** दिनांक:–20.9.2022

सर्व साधारण एवं हर खास एवं आम को सुचित किया जाता है कि श्रीमती लाड़बाई पत्नी धनश्याम सेन जाति नाई निवासी के.पाटन तहसील के.पाटन जिला बून्दी राज. द्वारा पत्रावली प्रस्तुत कर मूल पट्टेदार घनश्याम आ. रामनारायण जाति नाई निवासी के.पाटन के नाम जारी पट्टा संख्या 1224 दिनांक 23.04.2015 साईज 700 वर्गफीट वाके भगत सिंह कॉलोनी पर स्वयं के नाम नामांतरण खुलवाना चाहती है। मूल पट्टेदार घनश्याम आ. रामनारायण जाति नाई निवासी के.पाटन की मृत्यु दिनांक 18.09.2020 को हो चुकी है। उक्त पट्टे शुदा भूखण्ड पर मृत्यु उपरान्त उनकी पत्नी श्रीमती लाड़बाई पत्नी स्व. धनश्याम सेन जाति नाई निवासी के.पाटन तहसील के.पाटन जिला बून्दी राज.के नाम नामान्तरण खोलने में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो मय साक्ष्य सबुत के अन्दर 07 योम में कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद गुजरने अवधि उक्त पट्टे शुदा भूखण्ड पर श्रीमती लाड़बाई पत्नी स्व.धनश्याम सेन जाति नाई निवासी के.पाटन तहसील के.पाटन जिला बून्दी राज. के नाम नामान्तरण खोल दिया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका के.पाटन

एलन कोटा में 1.25 लाख से अधिक क्लासरूम स्टूडेंट्स प्रवेशित

कोटा के एलन कोचिंग में सवा लाख स्टूडेंट के प्रवेश का जश्न मनाया जा रहा है।

- **एक शहर में एक संस्था में सर्वाधिक क्लासरूम स्टूडेंट्स का विश्व कीर्तिमान**

कोटा, (निसं)। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट विद्यार्थियों और अभिभावकों के विश्वास व शिक्षकों के साथ लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विद्यार्थियों को मार्गदर्शन के क्षेत्र में नित–नए आयाम स्थापित कर रहा है। एक नया रिकॉर्ड एलन ने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर बनाया है।

एक शहर में एक संस्था में क्लासरूम कोर्स में सवा लाख से अधिक स्टूडेंट्स का विश्व कीर्तिमान एलन ने हासिल किया है। इस उपलक्ष्य में एलन संकल्प कैम्पस में पोस्टर विमोचन निदेशक राजेश माहेश्वरी व डॉ.बृजेश माहेश्वरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर एलन अकेडमिक व एडमिन के कोर टीम मैंबर्स भी मौजूद रहे। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के कोटा सेंटर पर स्टूडेंट्स की संख्या 1.25 लाख से अधिक हो गई है। यह एक विश्व कीर्तिमान है कि एक शहर, एक इंस्टीट्यूट में रजिस्टर्ड क्लासरूम कोचिंग विद्यार्थियों की संख्या 1.25 लाख से अधिक है। कोटा देश ही नहीं वरन संभवत: दुनिया का एकमात्र संस्थान है जहां मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या सवा लाख से ज्यादा है।

इससे पूर्व लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में यह रिकॉर्ड एलन के नाम ही दर्ज है, जो कि 2014 का है, तब सर्वाधिक विद्यार्थी 66504 थे। भारत में एक शहर के एक संस्थान में सर्वाधिक विद्यार्थियों की संख्या के लिहाज से रिकॉर्ड सिटी मांटेसरी लखनऊ स्कूल के नाम है, जिसमें करीब 52 हजार विद्यार्थी हैं। कोविड संक्रमण के दो वर्षों अंतराल के बाद एक बार फिर देशभर के विद्यार्थियों और अभिभावकों ने एलन सिस्टम पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। पहले से भी अधिक उत्साह के साथ कॅरियर बनाने के लिए विद्यार्थी कोटा आ रहे हैं। इससे एलन की श्रेष्ठता साबित हुई है, जहां बेस्ट फैकल्टीज और बेस्ट स्टूडेंट्स का पूल है तथा पढ़ाई को सपोर्ट करने वाला ऐसा माहौल है जो दुनिया में कहीं नहीं है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का संचालन निदेशक डॉ.गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी व डॉ.बृजेश माहेश्वरी, चारों भाई मिलकर कर रहे हैं।

नेक्स्ट जनरेशन अविरल माहेश्वरी, अमन माहेश्वरी, आनन्द माहेश्वरी, केशव माहेश्वरी व आराध्य माहेश्वरी भी साथ मिलकर कई दायित्व निभा रही है। इंस्टीट्यूट की शुरुआत कोटा से हुई और वर्तमान में देश के 42 शहरों समेत विदेश के कई शहरों में भी ऑफलाइन स्टडी सेंटर्स के माध्यम से इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। अकादमिक सत्र 2022–23 में क्लासरूम कोर्स में रजिस्टर्ड विद्यार्थियों की संख्या 2.75 लाख से अधिक हो गई है। एलन के निदेशक राजेश माहेश्वरी ने बताया कि 18 अप्रेल 1988 में एलन की पहली क्लास 8 स्टूडेंट्स से शुरू हुई थी। तब सिर्फ एक ही ध्येय था कि विद्यार्थियों को एक ही छत के नीचे सभी विषयों की श्रेष्ठ पढ़ाई करवानी है, जिससे समय की बचत हो सके। आज एलन 11 हजार से अधिक सदस्यों का परिवार है जो सिर्फ और सिर्फ विद्यार्थियों को केन्द्र में रखते हुए उनका कॅरियर बनाने में जुटे हुए हैं। यही नहीं एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड अब हर क्षेत्र, हर मोड में विद्यार्थियों का कॅरियर बनाने की तरफ अग्रसर है।

एलन मेडिकल व इंजीनियरिंग के साथ–साथ अब कॉमर्स, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस), राजस्थान न्यायिक सेवा (आरजेएस), कैट, कॉमर्स, क्लैट और आईपीमेट की तैयारियां करवाना शुरू कर दिया है। डिजिटल माध्यम से एजुकेशन के क्षेत्र में भी एलन ने कदम रखा है और विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। एलन का ध्येय "हर घर एलन" है। हम पूरे भारत के बच्चों को पढ़ाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। हर तरह के शिक्षण की सुविधा एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट द्वारा दी जाए, इसके लिए 11 हजार से अधिक सदस्यों का एलन परिवार हर समय प्रयासरत हैं।

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड

(ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19–A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर–302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का सपठित नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना पत्र दिनांक 28 जून 2022 को संदर्भ संख्या SME/SAR/BB/13-2/JUN-22/10 ऋण खाता संख्या: 9001220317062362 निर्गमित की जिसमें माँग करते हुए ऋणी/सह–ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता श्री मोहम्मद याकीन पुत्र श्री मोहम्मद रशीद (ऋणी/बंधककर्ता), श्री मोहम्मद नफीस पुत्र श्री मोहम्मद रफीक (जमानतदार), श्रीमती केहकसन पत्नी श्री मोहम्मद याकीन (जमानतदार/ बंधककर्ता) को नोटिस में वर्णित के लिए रूपये 19,58,314/- (रुपये उन्नीस लाख अठावन हजार तीन सौ चौदह मात्र) दिनांक 24 जून 2022 तक कुल देय (जिसमे शामिल मूलधन, ब्याज, पेनल्टी एवं अन्य शुल्क) सम्पूर्ण बकाया राशि के भुगतान तक भविष्य का ब्याज व शुल्क अतिरिक्त की राशि इस नोटिस की प्राप्ति की दिनांक से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/बंधककर्ता के वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता एवं समान्यजन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित उक्त नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा 19 सितम्बर 2022 को अधिग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणी/सह ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार में के लिए रूपये 20,38,991/- (रुपये बीस लाख अड़तीस हजार नो सौ इकरानबे मात्र) दिनांक 09 सितम्बर 2022 तक सम्पूर्ण बकाया राशि के भुगतान तक भविष्य का ब्याज व शुल्क अतिरिक्त की राशि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

1. संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित पट्टा नं. 6857 (खसरा नं. 727) आवासीय सम्पत्ति क्षेत्रफल = 77x35 = 2995.00 वर्ग फीट, स्थित ग्राम सुकेत, तहसील रामगंज मण्डी, जिला कोटा, राजस्थान, जो की श्री मोहम्मद याकीन के स्वामित्व मे है।
   पूर्व : स्वयं का मकान — पश्चिम : रोड
   उत्तर : केहकसन का मकान — दक्षिण : जफर उल्लाह का मकान
2. संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित पट्टा नं. 6856 (खसरा नं. 727) आवासीय सम्पत्ति क्षेत्रफल = 77x35 = 2995.00 वर्ग फीट, स्थित ग्राम सुकेत, तहसील रामगंज मण्डी, जिला कोटा, राजस्थान, जो की श्रीमती केहकसन के स्वामित्व मे है।
   पूर्व : स्वयं का मकान — पश्चिम : रोड
   उत्तर : मकसूद का मकान — दक्षिण : मोहम्मद याकीन का मकान
3. संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित पट्टा नं. 23400 (खसरा नं. 566) आवासीय सम्पत्ति क्षेत्रफल = 35x65 = 2275.00 वर्ग फीट, स्थित ग्राम सुकेत, तहसील रामगंज मण्डी, जिला कोटा, राजस्थान, जो की श्रीमती केहकसन के स्वामित्व मे है।
   पूर्व : जब्बार व रफीक का मकान — पश्चिम : रोड
   उत्तर : सोकत ड्राइवर का मकान — दक्षिण : मोहम्मद याकीन का मकान
4. संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित पट्टा नं. 23399 (खसरा नं. 566) आवासीय सम्पत्ति क्षेत्रफल = 35x65 = 2275.00 वर्ग फीट, स्थित ग्राम सुकेत, तहसील रामगंज मण्डी, जिला कोटा, राजस्थान, जो की श्री मोहम्मद याकीन के स्वामित्व मे है।
   पूर्व : जब्बार व रफीक का मकान — पश्चिम : रोड
   उत्तर : केहकसन का मकान — दक्षिण : जफर उल्लाह का मकान

दिनांक: 19 सितम्बर, 2022 — **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : सुकेत (कोटा) — **एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**

आरोपी आयुक्त खुद ही दे रहे फर्नीचर घोटाले की जांच के आदेश!

जवाब के लिये 30 दिन की थी मियाद, 34 दिन बाद बनी पहली कमेटी

उदयपुर, (कासं)। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग (टीएडी) में फर्नीचर घोटाला का मामला लोकायुक्त तक पहुंच गया। बावजूद इसके आयुक्त कार्यालय गंभीर नहीं दिख रहा। हैरानी की बात यह है कि जिस आयुक्त के अधीन सिर्फ जनजाति विभाग और उसके अन्तर्गत संचालित संस्थाओं के कार्मिक ही आते हैं, उन्होंने जांच कमेटी में अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर संभागीय आयुक्त कार्यालय व आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों को भी जांच कमेटी में शामिल कर लिया।

सूत्रों के अनुसार इससे पहले जांच हेतु बनाई गई कमेटी में अधीनस्थ कर्मचारियों की कमेटी नियम विरुद्ध बनाई गई। जिसमें आरोपी अधिकारियों को ही शामिल कर लिया गया क्योंकि आयुक्त और स्वच्छ परियोजना के पदेन अध्यक्ष के रहते खुद मामले में आयुक्त राजेंद्र भट्ट, अतिरिक्त आयुक्त वृद्धि चंद गर्ग, वित्तीय सलाहकार समेत क्रय समिति में शामिल जनजाति आयुक्त कार्यालय के अन्य कार्मिक मामले मे आरोपी हैं। ऐसे में लोकायुक्त के निर्देशानुसार आयुक्त के ऊपर के स्तर के अधिकारी द्वारा ही की जा सकती हैं। नियमों की अवेहलना का प्रमाण यह भी है कि प्रमुख शासन सचिव ने जनजाति आयुक्त को ही जांच के लिए प्रकरण भेज दिया। यानी खुद आरोपी अधिकारियों को इस मामले में जांच को अंजाम देना हैं। जांच के दौरान जवाब के लिए गठित विभागीय कमेटी में नियम कायदे ताक पर रख दिए गए।

- आरोपी अधीनस्थ कर्मचारियों को शामिल करने का मामला सामने आने के बाद 53 दिन बाद बनाई दूसरी कमेटी
- दूसरी कमेटी में क्षेत्राधिकार के बाहर जाकर संभागीय आयुक्त कार्यालय और मेडिकल कॉलेज के अधिकारी को किया शामिल
- बिना अधिकार के जनजाति आयुक्त ने संभाग के अधिकारियों को कैसे दिए जांच के निर्देश

दरअसल, लोकायुक्त सचिवालय द्वारा 20 जुलाई को जारी आदेश में यह निर्देश प्रदान किये गये थे कि परिवाद में आरोपित/ वर्णित अधिकारी से जांच ना करवाकर उससे ऊपर की रैंक के अधिकारी से जांच करवाकर लोकायुक्त सचिवालय को तथ्यात्मक प्रतिवेदन 30 दिन में भेजने के आदेश दिए। ऐसे में 30 दिन में जवाब देने की मियाद को ताक पर रखकर जवाब देने के लिए कमेटी आयुक्त द्वारा 34 दिन बाद गठित की गई।

पहली बार जांच कमेटी में अधीनस्थ कार्मिकों को जांच कमेटी में शामिल करने का मामला प्रकाश मे आने पर जनजाति आयुक्त द्वारा लगभग 53 दिन बाद दूसरी जांच कमेटी का गठन किया गया। जिसमें जनजाति विभाग से बाहर संभागीय आयुक्त कार्यालय व आरएनटी मेडिकल कॉलेज के कार्मिकों को शामिल किया गया। तथ्यात्मक रूप से संभागीय आयुक्त और जनजाति विभाग के आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ही हैं।

लेकिन जनजाति आयुक्त कार्यालय की ओर से यानी बतौर जनजाति आयुक्त भट्ट के पास जांच कमेटी में संभागीय अधिकारियों या अन्य कार्यालय के कार्मिक को शामिल करने का अधिकार नहीं हैं। बतौर संभागीय आयुक्त वह ऐसा कर सकते हैं, लेकिन आदेश जनजाति आयुक्त कार्यालय से जारी होने के चलते उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं हैं।

फूड लाइसेंस शिविर में अधिकारियों के सामने ही लोगों से हुई अवैध वसूली

निर्धारित फीस 500 की बजाय खुलेआम 800 रुपए की वसूली एक प्राइवेट आदमी से शिविर में ही करवाई गई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर में फूड लाइसेंस शिविरों को जिम्मेदारों ने काली कमाई का जरिया बना दिया है। हालात ये हैं कि शिविर में सरकार के अधिकारियों के सामने ही लोगों से अवैध वसूली की जा रही है। राज्य सरकार ने छोटे व मध्यम व्यापारियों को राहत देने के लिए जगह- जगह फूड लाइसेंस शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं।

जिस समय शिविर में व्यापारियों से अवैध वसूली की जा रही थी उस समय सीएमएचओ कार्यालय धौलपुर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार शिविर में मौजूद थे। मजेदार बात ये है कि जब लोगों ने अवैध वसूली को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल जवाब किए तो वाकायदा व्यापारियों को 300-300 रुपए वापस किए।

मामला ये है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय धौलपुर की ओर से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीखेड़ा में फूड लाइसेंस के लिए शिविर लगाया गया। जिसमें लाइसेंस बनवाने के लिए आए लोगों से निर्धारित फीस 500 रुपए की बजाय खुलेआम 800 रुपए की वसूली एक प्राइवेट आदमी से शिविर में ही करवाई गई। जिसकी

- लोगों ने अवैध वसूली को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल जवाब किए तो वाकायदा व्यापारियों को 300-300 रुपए वापस किए

बाकायदा एक कागज पर एंट्री भी की गई। अब देखना ये है कि चिकित्सा विभाग के एवं जिला प्रशासन के बड़े अधिकारी इस मामले में क्या एक्शन लेते हैं। अवैध वसूली के इस खेल को लेकर धौलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयंती लाल मीणा से भी बातचीत करने की कोशिश की गई।

लेकिन उनके मोबाइल पर इनकमिंग कॉल की सुविधा उपलब्ध होना नहीं पाया। वहीं इस मामले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर धौलपुर सुदर्शन सिंह तोमर का कहना है कि पूरे मामले को लेकर शिविर अधिकारी से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी जाएगी और उसके बाद कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिविर में जिन लोगों ने अवैध वसूली की वह लोग कौन थे, इसको लेकर भी रिपोर्ट मांगी जाएगी।

परमवीर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा खंडित की

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर राजपूत समाज ने पावटा चौराहे पर धरना दिया।

जोधपुर, (कासं)। जिले के फलोदी क्षेत्र में आमला गांव में रामदेव नगर में स्थित परमवीर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा को रविवार रात में असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया था। जिस पर फलोदी में विवाद होने के साथ जोधपुर शहर में पावटा चौराहा पर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा की आगे राजपूत समाज ने धरना शुरू किया है। समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग की है।

बता दें कि रविवार को फलोदी में मेजर शैतानसिंह के गांव आमला में रामदेव नगर में उनकी प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने खंडित कर दिया था। इस पर फलोदी में बवाल भी हुआ और जिला एसपी को सात दिन का अल्टीमेटम आरोपियों को गिरफ्तार करने का समाज की तरफ से दिया गया। इधर आज जोधपुर शहर में दोपहर में पावटा चौराहा पर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा के आगे राजपूत समाज ने धरना दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग जिला प्रशासन से की।

दो हजार में आंसर की खरीदी

जोधपुर, (कासं)। शहर में आयोजित हुई रेलवे भर्ती परीक्षा में एक अभ्यर्थी को पर्ची से नकल करते पकडा गया। पूछताछ में सामने आया कि उसे परीक्षा केंद्र के बाहर ही अज्ञात शख्स ने आंसर की पर्ची थी, बदले में दो हजार रुपए लिए। परीक्षा में जब वह ऑनलाइन परीक्षा दे रहा था तब पर्ची से नकल मारते पकडा गया। उसे चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। घटना में अब अज्ञात शख्स का पता लगाया जा रहा है। थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि रेलवे भर्ती परीक्षा का आयोजन होरिजन टेक्निालॉजी परीक्षा केंद्र पर ऑनलाइन हुआ था। तब वहां तैनात वीक्षक कैलाश परिहार ने एक अभ्यर्थी को पर्ची से नकल मारते पकडा। इस पर बाद में आरोपी हरियाणा के हिसार स्थित अकबरवास निवासी राकेश पुत्र रामफल को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाधिकारी जुल्फिकार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसे परीक्षा केंद्र के बाहर एक शख्स मिला था। जिसने परीक्षा में आने वाले प्रश्नों की आंसर-की दी थी। बदले में दो हजार उसके पास थे जोकि उसे दिए गए। परीक्षा पास होने के बाद और रूपए देने की बात की। इस बारे में अभ्यर्थी के खिलाफ राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस दर्ज कर लिया गया।

उप पंजीयक कार्यालय का बाबू 11 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पुलिस थाने में गिरफ्तार उप पंजीयक कार्यालय का बाबू।

निवाई, (निसं)। उप पंजीयक कार्यालय में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा को भ्रष्टाचार निरोधक टोंक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के नेतृत्व में 11 हजार 500 सो रुपये लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि सोमवार को परिवादी एडवोकेट जितेंद्र बाकोलिया ने शिकायत दर्ज कराई कि पंजीयन कार्यालय निवाई में मैनें मेरे मुवक्किल की ओर से हनुमान नगर में एक मकान की रजिस्ट्री के लिए करीब 5-6 दिन पहले आवेदन किया था।और उसी दिन क्रेता सुरेश और विक्रेता दयाराम तथा गवाहों के हस्ताक्षर होने के बाद कम्प्यूटर में फोटो ले ली गई थी।

सोमवार को जब रजिस्ट्री लेने पहुंचा तो पंजीयन कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा ने परिवादी वकील से कहा कि मकान की रजिस्ट्री की डीएलसी रेट के अनुसार करीब तीस लाख रुपये है। और तीस लाख रुपये का आधा प्रतिशत कमीशन यानी पंद्रह हजार रुपये देने पडेगें। उसके बाद ही रजिस्ट्री पर अधिकारी के हस्ताक्षर होगें। इस पर परिवादी वकील ने कहा कि यह कमीशन राशि तो ज्यादा है। इस पर वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा और वकील के बीच मकान की रजिस्ट्री पर कमीशन के रूप में साढे ग्यारह हजार रुपये देना तय हो गया। परिवादी वकील की शिकायत पर एसीबी की टीम द्वारा मकान की रजिस्ट्री पर कमीशन के रूप में जा रहे साढे ग्यारह रूपये की मांग की तस्दीक की गई। उसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते द्वारा साढे 11 हजार रुपये के रंग लगाकर परिवादी को दिए गए। इस पर शिकायतकर्ता वकील एसीबी द्वारा दिए गए कलर युक्त नकदी लेकर पुन: पंजीयन कार्यालय पहुंचा। जहां कलर युक्त कमीशन के साढे 11 हजार रुपये पंजीयन वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा को दिए। उसी दौरान एसीबी की टीम ने वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। और गिरफ्तार वरिष्ठ लिपिक के हाथ धुलवाए जिसमें हाथों से कलर छूटा। कार्यवाही जारी है।

थ्री फेस लाइन को तारबंदी से जोड़ा, करंट लगने से आठ पशुओं की मौत

बीकानेर, (कासं.)। गांव 7 पीएचएम (ए) व (बी) में अराजीराज भूमि पर भूमाफियाओं ने अवैध काश्त कर दी। इससे आवारा पशुओं के सामने चरने की समस्या खड़ी हो गई। इतना ही नहीं इन बेजुबान पशुओं के प्रति इन भूमाफियाओं का दिल ही नहीं पसीजा और बिजली का करंट भी छोड़ दिया।

ग्रामीणों का आरोप हैं कि 7 पीएचएम क्षेत्र की सरकारी भूमि पर 16 मुरब्बों में 400 बीघा जमीन पर अवैध काश्त कर बुआई कर दी और भूमि पर घर से बिजली के थ्री फेस कनेक्शन की तार लाकर करंट तारबंदी में छोड़ दिया। इससे 4-5 पशुओं की मौत हो गई और ग्रामीण भी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। इस संबंध में ग्रामीणों ने खाजूवाला एसडीएम श्योराम को ज्ञापन सौंपकर शिकायत दर्ज करवाई हैं। ग्रामीणों का कहना हैं कि खाजूवाला के 7 पीएचएम (ए) व (बी) के मुरब्बा नंबर 179/14, 24, 180/17, 26, 34, 33, 25 की भूमि अराजीराज दर्ज हैं लेकिन कुछ इसी चक के तो कुछ बाहरी भूमाफियाओं ने मिलकर अवैध काश्त के तहत ग्वार की फसल काश्त कर रखी हैं। इसके साथ-साथ सरकारी भूमि के चारों तरफ करंट वाली तारबंदी कर रखी हैं और अराजीराज भूमि से कटानशुदा रास्ता को भी तारबंदी से बंद कर दिया हैं।

काश्तकारों को अपने खेत आने जाने के लिए रास्ता अवरुद्ध होने से

- अवैध काश्त की फसलों को पशुओं से बचाने के लिए भू माफियाओं की बेरहम हरकत

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। वहीं पशुपालकों का आरोप हैं कि इस बार अच्छी बारिश होने से अराजीराज पड़ी भूमि पर अवैध काश्त व तारबंदी करने से घास चराने में भी पशुओं को परेशानी खड़ी कर दी हैं। हालांकि ग्रामीणों का आरोप हैं कि संबंधित पटवारी को भी अवगत करवाया था, मगर कोई कार्रवाई नहीं करने से अब तक 4-5 पशु करंट की चपेट में आने से मर चुके है। ग्रामीणों ने 7 पीएचएम (ए) व (बी) की अराजीराज भूमि के रकबों में की गई अवैध फसल को नष्ट करवाकर तारबंदी हटाने की मांग की हैं अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी गई हैं। इस दौरान दलीप कुमार, रामसिंह राजपुरोहित, शिवलाल, परमेश्वर लाल, राजेश, राजूराम, राजेंद्र आदि मौजूद रहे। क्षेत्र में अराजीराज व वन विभाग की जमीन पर अवैध काश्त होने से पशुपालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसको लेकर खाजूवाला उपखंड प्रशासन को पिछले कई दिनों से अवैध काश्त को लेकर शिकायतें मिल रही थी।

एयर फोर्स में 3 अक्टूबर को शामिल होगा 'एलसीएच' हेलीकॉप्टर

जोधपुर, (का.सं.)। एयर फोर्स स्टेशन जोधपुर ने 3 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय वायुसेना में नया उपकरण जैसे हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित "लाइट कॉम्बेट हैलीकॉप्टर" (एलसीएच) को प्रतिष्ठित किया जायेगा। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित होने वाले इस समारोह के दौरान आर्मी के अफसर और सामान्य उच्च पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

1.5 करोड़ की स्मैक जब्त, एक पकड़ा

हनुमानगढ़, (निसं)। आरोपी ने करीब 5 महीने पहले पाकिस्तान में किसी व्यक्ति से संपर्क किया और ड्रोन के जरिए 5 किलो स्मैक मंगवाई थी। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से मंगवाई गई करीब डेढ़ किलो स्मैक के साथ 1 तस्कर को हनुमानगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्कर से पकड़ी गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने करीब 5 महीने पहले अपने साथी के साथ मिलकर पाकिस्तान में किसी व्यक्ति से संपर्क किया और ड्रोन के जरिए 5 किलो स्मैक मंगवाई। इसके बाद उन्होंने श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर तहसील के गांव 4 एफसी में स्मैक की डिलीवरी ली।

तस्कर ने बताया कि उन्होंने 5

- पांच महीने पहले पाकिस्तान से ड्रोन से मंगवाई थी, सप्लाई देने जा रहा था सूरतगढ़

किलो स्मैक में से करीब 3 किलो स्मैक पाकिस्तान से डिलीवरी देने वाले व्यक्ति के कहने पर पंजाब के 2 व्यक्तियों को सप्लाई कर दी थी। बाकी 2 किलो स्मैक उन्होंने अपने पास रख ली। कुछ दिन बाद उन्होंने करीब आधा किलो स्मैक गजानंद उर्फ गज्जु गरुड़ा निवासी 16 डीडबूयूडी रावतसर और 80 ग्राम स्मैक अजय मटोरिया निवासी रावतसर को बेच दी। बची हुई 1 किलो 420 ग्राम स्मैक सूरतगढ़ सप्लाई देने जा रहा था। इससे पहले 12 फरवरी 2021 को भी उसने पाकिस्तान से 35 किलोग्राम स्मैक भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से पाइप के जरिए डिलीवरी ली थी और पंजाब में सप्लाई की थी।

एसपी ने जंक्शन थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया और बताया कि डीजीपी के निर्देश पर मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए अभियान साहो चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जंक्शन थाना प्रभारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर मक्कासर रोड पर बाइक सवार व्यक्ति को रुकवाया। इस दौरान तलाशी लेने पर उसके पास 1 किलो 420 ग्राम स्मैक मिली। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम ओमप्रकाश (44) पुत्र हुकमाराम बावरी निवासी चक 5 आरडबूयूएम थाना रावतसर बताया।

खाटूश्यामजी में सुरक्षा व्यवस्था लेकर निरीक्षण किया

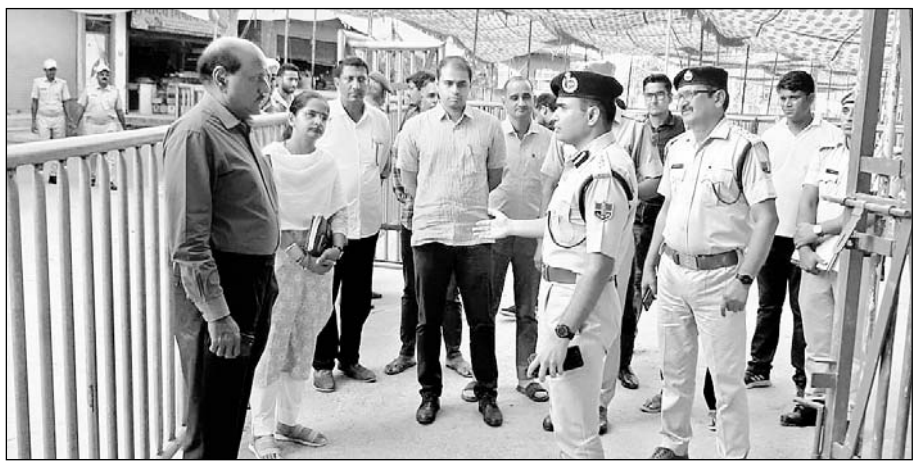

राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य महेश गोयल ने मंदिर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे में बाबा श्याम के दरबार मे राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य महेश गोयल पहुंचे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप, रींगस डीवाईएसपी कन्हैया लाल, कार्यवाहक उपखंड अधिकारी अर्चना चौधरी, तहसीलदार विपुल चौधरी, थानाधिकारी सुभाष यादव ने दर्शन

- राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य ने

व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी दी।

मानव अधिकार सदस्य गोयल ने दर्शन व्यवस्था के दौरान भीड़ बढ़ ने पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता लगाने के साथ-साथ सुगमता से दर्शन के लिए दूरी और बढ़ ाने के सुझाव दिए। मानव अधिकार आयोग के सदस्य ने बाबा श्याम के दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना की। श्री श्याम मंदिर कमेटी के ट्रस्टी प्रताप सिंह चौहान व व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी दी। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ दर्शन व्यवस्था के दौरान भीड़ बढ़ ने पर नियंत्रण को लेकर आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा।

आवेदन करने आए लोगों पर हमला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती करवड स्थित नेतडा गांव में सहकारी समिति चुनाव के लिए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए आवेदन करने आए कुछ लोगों पर हमला कर दिया गया। उनसे मारपीट कर दस्तावेज छीनने के साथ सोने की चेन ले गए। पीडित ने करवड थाने में नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। इसमें अब जांच की जा रही है।

- सहकारी अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए
- मामला दर्ज कर जांच की जा रही है

करवड पुलिस ने बताया कि घटना में कास्टी खेडापा निवासी रामदयाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पिता भैराराम जाट, भंवरलाल मेघवाल आदि नेतडा में सहकारी समिति चुनाव के लिए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए आवेदन करने आए थे। तब उसके ही गांव कास्टी का रहने वाला पप्पाराम पुत्र किसनाराम जाट आदि वहां आए और पिता से मारपीट की। भंवरलाल मेघवाल को जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। आरोपी ने दस्तावेज छीनने के साथ सोने की चेन ले गए। पुलिस ने घटना में अब जांच आरंभ की है।

थाने में आत्मदाह का प्रयास करने वाले राधेश्याम की दिल्ली एम्स में मौत

पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर मृतक ने लगा ली थी खुद को आग

कोटा, (निसं)। जिले के नयापुरा थाना में पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर 15 सितंबर को खंड गावड़ी निवासी राधेश्याम मीणा ने खुद को आग लगा ली थी। इस मामले में पहले उसे पुलिसकर्मी आग बुझा कर एमबीएस अस्पताल ले गए थे, जहां से 15 सितंबर की देर रात को ही जयपुर रेफर कर दिया था। वहीं, 17 सितंबर देर रात को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एसएमएस अस्पताल जयपुर से दिल्ली एम्स भेज दिया था, जहां पर उपचार के दौरान मंगलवार को राधेश्याम की मौत हो गई।

कोटा के नयापुरा थाने के सीआई रामकिशन का कहना है कि हमें भी इस तरह की सूचना मिली है। राधेश्याम के मामा के लड़के जोधराज का कहना है कि दिल्ली एम्स में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई और अब पोस्टमार्टम के लिए उनकी बॉडी को ले जाया जा रहा है। इस दौरान उनकी पत्नी अंतिमा भी दिल्ली में ही मौजूद है। राधेश्याम के दोनों बच्चे अलीशा और शिवम कोटा ही हैं। राधेश्याम के आत्मदाह मामले में पुलिस ने घटना के बाद ही कार्रवाई शुरू कर दी थी और 16 सितंबर को क्रॉस केस दर्ज कर लिए गए थे। जिसमें एक मुकदमा राधेश्याम की तरफ से पार्षद हरिओम सुमन, उसके दोस्त अमित खिल्लीवाल और हितेश शर्मा के खिलाफ दर्ज किया गया था। यह मुकदमा एससी एसटी एक्ट और अन्य धाराओं में दर्ज था। जबकि राधेश्याम मीणा के खिलाफ हरिओम सुमन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में पार्षद हरिओम सुमन सहित तीनों आरोपियों को 17 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। जहां से उसे 30 सितम्बर तक जेल भेज दिया था।

हालांकि, इसके बाद पार्षद हरिओम सुमन और अन्य पार्षदों की जमानत याचिका पर 19 सितंबर को सुनवाई हुई थी। जिस पर न्यायालय ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया। राधेश्याम के आत्मदाह मामले में सामने आया था कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के चलते उसका विवाद शुरू हुआ था। राधेश्याम ने कुछ दिन पहले क्षेत्रीय पार्षद हरिओम सुमन के लिए काम नहीं करवाने और बिजली के पोल और अन्य समस्याओं को लेकर पोस्ट डाल दी थी। इसके साथ ही स्कूल में बेटी अलीशा ने नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप एग्जाम पास किया था। इसके लिए उसे आठवीं बोर्ड की मार्कशीट के साथ आवेदन करना था, लेकिन मार्कशीट स्कूल से नहीं मिली थी।

जब स्कूल में उसने मांगा, तो स्कूल ने मार्कशीट बोर्ड से आने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा था कि रोल नंबर के जरिए ईमित्र से निकलवा लें, रोल नंबर मांगने के दौरान टीचर ने उसे सभी गावड़ी के बच्चों को एक जैसा होने की बात कह दी थी। इस बात से नाराज होकर राधेश्याम ने 2 सितंबर को स्कूल से बच्ची को निकलवाने की धमकी स्कूल के सोशल मीडिया ग्रुप में दे दी थी। इसको लेकर वह लगातार स्कूल के टीचर्स को भी फोन कर रहा था। राधेश्याम ने क्षेत्रीय पार्षद हरिओम सुमन और उसके दो अन्य साथियों पर मारपीट का आरोप लगाया था। जिसमें पुलिस को शिकायत दी थी कि वह घर पर मौजूद था।

इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद हरिओम सुमन सोशल मीडिया पोस्ट से नाराज होकर उसके घर पर मारपीट करने पहुंचा है। राधेश्याम का आरोप था कि इस मामले में वह लगातार थाने में जा रहा था। लेकिन उसकी सुनवाई नहीं होने का आरोप परिजन लगा रहे हैं। वहीं हरिओम सुमन ने भी इसी संबंध में शिकायत दी थी। लगातार थाने के चक्कर काट कर हरिओम सुमन परेशान हो गया था। इसी के चलते उसने पेट्रोल डालकर थाने में ही आग लगा ली। राधेश्याम ने 15 सितंबर शाम करीब 7.45 बजे थाने पर पहुंचा। थाने के बाहर गाड़ी खड़ी की। बाइक से पेट्रोल निकालकर अपने ऊपर उड़ेल लिया और थाने के अंदर परिसर में जाकर खुद को आग लगा ली। इस दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने आग को बुझाया और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया था।

गौवंश बचाने की मांग को लेकर भाजपा का सड़क से लेकर सदन तक हल्ला बोल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी के हाथ में भी चोट आई।

जयपुर। राजस्थान में लंपी स्किन डिजीज से हो रही गायों की मौत, गोवंश की स्वास्थ्य सुरक्षा, वैक्सीनेशन, दवाई एवं इलाज, बढ़ी बिजली दर एवं बिजली कटौती, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था, किसान कर्जमाफी इत्यादि जनहित के मुद्दों को लेकर राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व व आव्हान पर जयपुर में भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ विशाल प्रदर्शन किया। डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्यालय से लेकर विधानसभा की ओर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कूच किया, जहां बाइस गोदाम सर्किल से पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया, इस दौरान पुलिस से तीखी झड़प में काफी कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। वहीं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के हाथ में व जितेंद्र गोठवाल के अंगुली में चोट आई।

सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई।

पुलिस के साथ झड़प में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा सहित काफी कार्यकर्ताओं को भी चोटें आईं। विधानसभा की ओर कूच से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय पर डॉ. सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, गहलोत सरकार गौ हत्यारी सरकार है, अभी श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं और जल्द ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार का श्राद्ध हो जाएगा, जिससे 2023 में कांग्रेस देश और प्रदेश से हमेशा के लिए मुक्त हो जाएगी। पूनिया ने कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन है, लम्पी के उपचार के लिए इन्होंने ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही हैं और अशोक गहलोत सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने और गांधी खानदान को खुश करने में ही व्यस्त हैं, उनका प्रदेश की जनता और गायों के संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है।

- **लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को राज्य सरकार द्वारा 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए : डॉ. पूनियां**
- **'अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन, लम्पी के उपचार के लिए ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही'**

डॉ. पूनिया ने कहा कि लम्पी संक्रमण से गायों को बचाने का मुददा हम विपक्ष के नाते सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा के हम सभी विधायक मुखरता के साथ लम्पी का मुद्दा उठा रहे हैं। राज्य सरकार से मांग है कि लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को 50 हजार रूपये का मुआवजा दिया जाए, जनहित के इन मुद्दों को लेकर जयपुर में आंदोलन का आगाज हुआ है, आगामी दिनों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होंगे।

भाजपा के प्रदर्शन में राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, श्रवण सिंह बगड़ी, विजेन्द्र पूनियां, महेन्द्र जाटव, महेन्द्र यादव, विधायक एवं पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी, विधायक संजय शर्मा, सांसद वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी, सुमेधानंद सरस्वती, भागीरथ चौधरी, नरेन्द्र खींचड, सुखवीर सिंह जौनपुरिया, रामचरण बोहरा, रंजीता कोली, मनोज राजोरिया, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, युवा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अल्का मूंदड़ा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम सादिक खान इत्यादि पदाधिकारी, सांसद, विधायक और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'दोनों निगम आयुक्त कोर्ट में पेश हों'

- **हाईकोर्ट ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि शहर में पुख्ता सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा है?**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम के आयुक्तों को बुधवार को पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि शहर में पुख्ता सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि शहर में बेहतरीन सफाई व्यवस्था है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था चलाई जा रही है। वहीं कचरा संग्रहण वाहनों की जीपीएस के जरिए ट्रेकिंग की जा रही है। बाजारों से रात और घरों से सुबह के समय कचरा एकत्रित किया जाता है। शहर के कचरा डिपो हटाए गए हैं और अब तीन हजार के बजाए करीब दो सो कचरा डिपो ही रह गए हैं। वहीं न्यायमित्र विमल चौधरी ने कहा कि मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। कमेटी आदेश दे देती है, लेकिन उनकी पालना नहीं की जाती। शहर की सफाई व्यवस्था सिर्फ कागजों में ही चल रही है। सुनवाई के दौरान अदालत ने न्यायमित्र से पूछा कि इंदौर में सफाई का पुख्ता इंतेजाम किस तरह किया जाता है। इस पर न्यायमित्र ने कहा कि वहां सफाई पर सालाना सिर्फ तीन सौ करोड़ रुपए ही खर्च होता है। जबकि शहर में 17 सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन फिर भी यहां सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। न्यायमित्र ने आरोप लगाया कि इंदौर में ईमानदारी से काम होता है और यहां भ्रष्टाचार व्याप्त है। शहर में आठ हजार दौ सौ सफाई कर्मचारी बताए जा रहे हैं, लेकिन अधिकतर कार्यालयों में दूसरे काम कर रहे हैं। ऐसे में कमेटी का अध्यक्ष होने के नाते मुख्य सचिव को बुलाना चाहिए। इस पर अदालत ने ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगमों के आयुक्तों को 21 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस विधायकों ने ही घेरा अपनी सरकार को

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने अपने ही मंत्रियों को घेर लिया। सिरोही की अदालत की बिल्डिंग को बनाने में हो रही देरी पर संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल के जवाब पर तंज कसते हुए विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, आपको तो पता ही है इन्होंने मुद्दे को घुमाने में तो पीएचडी कर रखी है।

विधायक हरीश मीणा ने नासिरदा चौकी को थाना बनाने की घोषणा के बावजूद अब तक शुरू नहीं होने पर सवाल उठाए। हरीश मीणा ने पूछा कि मंत्रीजी नासिरदा थाना शुरू होगा या केवल कागजों में ही रहेगा। अभी वहां चौकी है, चौकी पर मुकदमे दर्ज नहीं होते। लोगों को मुकदमे करवाने के लिए 40-40 किलोमीटर चलकर जाना पडता है। इस पर मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि नासिरदा चौकी में स्टाफ लगाया गया है, थाने के लिए जमीन आवंटन का मसला सुलझते ही यह शुरू हो जाएगा।

राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण की संख्या के मामले में बीजेपी विधायक नरपत सिंह राजवी के सवाल के जवाब में वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने वाटर हॉल प्रणाली और वाइलड लाइफ इंस्टीट्यूट की गणना के गोडावण के अलग-अलग आंकड़े बताए। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने इस पर आपत्ति की तो विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि ऐसी गणनाओं से कन्फ्यूजन होता है, इसे दूर करना चाहिए।

क्षतिपूर्ति राशि नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोविड के दौरान कोरोना संक्रमित होकर मरे पीएचईडी के अधिशाषी अभियंता के आश्रितों को राज्य सरकार की ओर से निर्धारित पचास लाख रुपए की क्षतिपूर्ति नहीं देने पर मुख्य सचिव, प्रमुख पीएचईडी सचिव और झुंझुनूं कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश अनीता देवी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का पति जयचंद झुंझुनूं में पीएचईडी विभाग में अधिशासी अधिकारी के तौर पर तैनात था। ड्यूटी के दौरान वह कोरोना संक्रमित हो गया और बाद में इलाज के दौरान उसकी संक्रमण के चलते मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी किए गए थे कि कोरोना संक्रमण से मरने वाले सरकारी कर्मचारी के आश्रितों को पचास लाख रुपए की क्षितपूर्ति राशि अदा की जाएगी। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से क्षितपूर्ति के लिए आवेदन किया। जिसे विभाग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता के पति की ड्यूटी कोविड रोकथाम के लिए नहीं लगी थी। ऐसे में उसे क्षतिपूर्ति राशि नहीं दी जा सकती।

राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट कोच्चि पहुंच चुके हैं, अशोक गहलोत आज पहुंचेंगे

- **मंगलवार को विधायक दल की बैठक अचानक बुलाया जाना और अशोक गहलोत के दौरे का कार्यक्रम तैयार होना इत्तेफाक नहीं है**
- **वैसे भी विधानसभा सत्र के दो दिन बीतने के बाद सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए विधायक दल की बैठक के मायने नहीं होते**

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 21 सितंबर को दिल्ली जा रहे हैं और दिल्ली के बाद वे सीधे भारत जोड़ो यात्रा में जाएंगे। दिल्ली जाने का मकसद यह है कि उनकी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात होनी है और भारत जोड़ो यात्रा में जाने का मकसद राहुल गांधी से बात करने का है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि दो दिन पहले ही पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी भारत जोड़ो यात्रा में पहुंच चुके हैं और वह राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं। ऐसे में निश्चित है कि जब अशोक गहलोत वहां पहुंचेंगे, तो राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट और अशोक गहलोत दोनों होंगे। यानी कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले तीनों नेताओं का एक साथ होना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

इधर इससे पहले भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के विधानसभा में अभिनंदन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर रात्रि भोज रखा गया। जिसमें कि पक्ष और विपक्ष के सभी नेता आमंत्रित थे, लेकिन इस आमंत्रण के बाद सबसे महत्वपूर्ण खबर यह हुई कि भोज के बाद में कांग्रेस विधायक दल की बैठक होनी है, जो कि पहले से निर्धारित नहीं थी। ऐसे में कांग्रेस में बदलाव की खबरों के बीच यह विधायक दल की बैठक होना बहुत महत्वपूर्ण खबर बन गई।

कहने को तो कहा गया कि विधायक दल की बैठक इसलिए बुलाई गई है कि विधानसभा का वर्तमान सत्र चल रहा है। उसमें आगे की रणनीति बनाई जाए। वही कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर भी विधायक दल की ओर से कोई प्रस्ताव दिया जाए, लेकिन राजनीति में हर नेता यही कहता है कि "जो होता है वह दिखता नहीं है और जो दिखता है वह होता नहीं है" यानी कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक भी उसी तर्ज पर हो रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कल दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। दिल्ली दौरे से पहले विधायक दल की बैठक बुलाने के सियासी मायने बहुत बड़े हैं, क्योंकि 24 सितंबर से कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल होने हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पिछले शनिवार को नए बने प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्यों की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की राय पर हाथ खड़े करवाए थे। सभी नेताओं ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। पीसीसी मेंबर्स के बाद अब विधायकों से भी उसी तर्ज पर हाथ खड़े करवाकर राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित करने के आसार हैं। दूसरी ओर जिस तरह से एक दिन पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से शशि थरूर ने मुलाकात की थी और उन्होंने कहा था कि सोनिया गांधी ने स्पष्ट कहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव निष्पक्ष होगा और कोई भी उस में चुनाव लड़ सकता है ऐसे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक या विधायक दल की बैठक में हाथ उठाकर राय जानने का कोई नतीजा नहीं रहने वाला है।

विधायक दल की बैठक में विधानसभा सत्र की रणनीति पर भी चर्चा होगी। हालांकि यह बात इसलिए नहीं मानी जा सकती कि विधानसभा की रणनीति बनाने के लिए या तो विधानसभा सत्र शुरू होने के एक दिन पहले, या विधानसभा सत्र शुरू होने से ठीक पहले उसी दिन विधायक दल की बैठक होती है, लेकिन विधानसभा की 2 दिन की कार्यवाही के बाद विधायक दल की बैठक रणनीति बनाने के लिए है, इस पर यकीन करना संभव नहीं है। आमतौर पर विधानसभा की बैठक से एक दिन पहले ही विधायक दल की बैठक करके रणनीति बनाई जाती है। इस आमतौर पर विधानसभा की बैठक से एक दिन पहले ही विधायक दल की बैठक करके रणनीति बनाई जाती है।

इस बीच खबर यही है कि मुख्यमंत्री और कांग्रेस के होने वाले संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गहलोत बुधवार सुबह दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। दिल्ली में गहलोत वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद दिल्ली से गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा में शामिल होने केरल जा सकते हैं। दोहरा इसलिए महत्वपूर्ण है कि 24 सितंबर से 30 सितंबर तक अध्यक्ष पद पर नामांकन होने हैं। सियासी हलकों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम कांग्रेस अध्यक्ष के दावेदारों में चल रहा है। ऐसे में 26 या 27 सितंबर को नवरात्र के दौरान जब कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल होंगे। उसी के साथ तस्वीर साफ हो जाएगी, कि आखिरकार कांग्रेस में आने वाले दिनों में होना क्या है।

पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये कोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने राज्य सरकार से चार सप्ताह में प्रदेश के मॉल कोचिंग सेंटर्स, मल्टीप्लेक्स और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम के संबंध में दिए निर्देशों की पालना रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश कुणाल रावत की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने कहा कि जयपुर में बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने के लिए सत्तर मीटर ऊंचा हाइड्रोलिक लेडर मंगवा लिया है और उसे नगर निगम को सुपुर्द किया जा चुका है। इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि आग केवल राजधानी में ही नहीं, बल्कि किसी भी शहर की इमारत में लग सकती है। राज्य सरकार ने अन्य शहरों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की है और ना ही फायरमैन के लिए कोई प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया है। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर राज्य सरकार को मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने पूर्व में राज्य सरकार को प्रदेशभर के मॉल, मल्टीप्लेक्स, कोचिंग सेंटर्स व मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम के हालातों की जानकारी व इसका सर्वे करने का निर्देश दिया था।जनहित याचिका में वर्ष 2018 में विद्याधर नगर के एक मकान में आग लगने से पांच लोगों की मौत का हवाला दिया।

जयपुर में डॉक्टर के घर से जेवर-नकदी लूटकर नेपाल भाग रहे 3 बदमाश भरतपुर से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर में डॉ. मोहम्मद इकबाल भारती को जख्मी कर उनके घर से जेवर और नकदी लूटकर नेपाल भाग रहे 3 बदमाशों को पुलिस ने भरतपुर से दबोच लिया। इनमें डॉक्टर के घर में नौकरानी का काम कर चुकी इस वारदात की मास्टमाइंड अनु उर्फ खिन्तु धामी भी शामिल है। उसके साथ हमलावर सुरेश शाही और प्रकाश उर्फ पुष्पा को भी गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी नेपाल के ही रहने वाले हैं।

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि वारदात की मास्टरमाइंड नौकरानी अनु है, उसने वर्ष 2006 में करीब डेढ़ वर्ष डॉक्टर इकबाल भारती के घर में नौकरी की थी। इसके बाद वर्ष 2009 और 2021 में भी काम किया। उसे लगा कि इस परिवार में सभी लोग डॉक्टर हैं व अच्छा पैसा कमा रहे है, इसलिए उसने वारदात की योजना बनाई। रक्षाबंधन पर एक नेपाली परिवार के घर में पार्टी के दौरान काफी नेपाली लोग शामिल हुए, जिसमें सुरेश शाही भी मौजूद था। अन्नू से सुरेश की मुलाकात इसके साथ ढाबा चलाने वाले कालू सिंह ने करवाई थी। अन्नू ने सुरेश के साथ मिलकर डॉक्टर इकबाल भारती को लूटने की योजना बताई। उन्होंने दीपक से बात की, जिसने अपने अन्य साथियों से बातचीत कर पूरी प्लानिंग बनाई। डॉक्टर इकबाल भारती को लूटने के लिए इनके 2 साथी भी 18 सितंबर को दिल्ली से जयपुर पहुंचे थे। 19 सितंबर को पूरी गैंग खिरणी फाटक पर इकठ्ठी हुई और शराब पीकर आगे की योजना बनाई।

दिल्ली से आए दोनों बदमाशों से 1 लोहे की रॉड, नकाब और 2 पेचकस खरीदकर मंगवाए। इसके बाद पांचों बदमाशों अन्नू धामी, सुरेश शाही, प्रकाश उर्फ पुष्पा और दिल्ली से आने वाले प्रेम सिंह उर्फ पीयूष तथा धीरेन्द्र हनुमान नगर विस्तार स्थित डॉक्टर के घर पहुंचे। चूंकि अन्नू इस परिवार से पहले से परिचित थी, इसलिये आंखे चैक कराने के बहाने वह सबसे पहले घर में गई। उसे देखकर डॉक्टर ने गेट खोल दिया। तभी पीछे से सुरेश शाही, प्रेम सिंह व धीरेन्द्र भी घर में आ गये। डकैतों के 2 साथी दीपक ठाकुर शाह और प्रकाश बाहर खड़े निगरानी कर रहे थे। घर में घुसे तीनों लोगों ने डॉक्टर भारती को जख्मी कर बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद प्रथम मंजिल पर पहुंचे, जहां नई नौकरानी मीना परिहार रसोई में काम करती मिली। बदमाश चुपचाप डॉ. भारती के बेडरूम में घुसे और अल्मारी खोलकर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुराकर फरार हो गए। नौकरानी मीना परिहार ने नीचे आकर बाथरूम का दरवाजा खोला और पडौसियों की सहायता से डॉक्टर इकबाल भारती को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

पीड़ित की बेटी डॉ. अर्शीया भारती की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल की मदद से साक्ष्य जुटाये। पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए शहर में कड़ी नाकाबंदी कराई। आरोपी कोई वाहन लेकर नहीं आए थे, ऐसे में उनके बस-ट्रेन से नेपाल भागने की संभावना देखते हुए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंडों पर नजर रखी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामसिंह और वैशाली नगर एसीपी आलोक कुमार के नेतृत्व वैशाली नगर, करणी विहार, चित्रकूट, भांकरोटा, मुरलीपुरा, सिंधी कैंप और डीएसटी टीम समेत कई पुलिस अफसरों की टीम बदमाशों को तलाशने में जुटी।

इसी बीच सिंधी कैंप थानाधिकारी गुंजन सोनी और कांस्टेबल बुद्धराम ने पता लगाया कि दोपहर 3 बजे जयपुर से आगरा होते हुए एक बस गौरी फंटा नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना हुई है। चूंकि घटना का समय दोपहर सवा 2 बजे का था तो इस बस से भागने की संभावना ज्यादा लगी। गुंजन सोनी ने बस के ड्राइवर-कंडक्टर से बात कर लूट की घटना और आरोपियों के हुलिये के बारे में बताया। वहीं एसएचओ गुंजन सोनी भी खुद भी बस के पीछे रवाना हुई। भरतपुर के सेवर थानाधिकारी अरूण को सूचना देकर बस को रूकवाकर चैकिंग करने को कहा। सेवर पुलिस ने जब बस में मौजूद लोगों से पूछताछ की तो इसी बस में डकैती की मास्टरमाइंड अनु धामी मिली। जिसे पुलिस ने राउण्डअप कर लिया। इसके बाद आरोपियों को तलाशते हुए भांकरोटा थानाधिकारी रविन्द्र प्रताप भी सेवर पहुंचे और अनु से पूछताछ की गई।

'जिनको संसद-विधानसभाओं में चर्चा करनी चाहिए, वो सड़कों पर आ गए हैं, शपथ को भी नजरअंदाज कर रहे हैं'

अपने अभिनंदन समारोह में सदस्यों के आचरण पर बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

जयपुर, (का.प्र.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सांसद और विधायकों के आचरण को लेकर कहा कि आज एक विचित्र और भयावह दृश्य है कि जिनको संसद और विधानसभाओं में चर्चा करनी चाहिए, वो सड़कों पर आ गए हैं। वो कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करेंगे तो जो काम उनको करना है वो सड़कों पर होगा। शपथ को भी नजरअंदाज कर रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी, सीएम अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया मंच पर मौजूद रहे। साथ ही पक्ष-प्रतिपक्ष के विधायक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मैं संसद सदस्यों और विधानमंडलों के सदस्यों से कहना चाहता हूँ कि जो आचरण वेल में आकर होता है। जो उद्दंडता दिखाता है उसकी सेल्फ लाइफ कुछ घंटों या दिन की होती है। स्टडी के बाद जो विचार यहां व्यक्त करते हो, वो सदियों तक रहते हैं। विधानमंडल और संसद में अनुशासन बहुत जरूरी है। चर्चा और बहस हो यही लोकतंत्र का अमृत है। हमारे प्रतिनिधियों का आचरण फॉलो करने लायक होना चाहिए। संविधान निर्माताओं ने यही कल्पना की थी। लेकिन आज के हालात गम्भीर और चिन्तनीय है। हम कहां आ गए, क्यों आ गए, किस उद्देश्य से आ गए। संविधान निर्माताओं की आत्मा पर कुठाराघात क्यों कर हैं।

विधानसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

- **'जो आचरण वेल में होता है, उद्दंडता दिखाता है, उसकी सेल्फ लाइफ कुछ घंटों या दिन की होती है, स्टडी के बाद जो विचार यहां व्यक्त करते हों, वो सदियों तक रहते हैं'**

धनखड़ ने कहा कि संसद और विधायिका के सामने गहरी चिन्ता का कारण अमर्यादित आचरण हैं, जो सभी सीमाओं को लांघ गया है, कोई कसर बाकी नहीं रही है। समझ में नहीं आता है कि जनप्रतिनिधि अपनी बात कहते हुए संसद और विधासभा में ऐसा आचरण कैसे कर सकते हैं। वह जनता के बीच हंसी का सब्जेक्ट बन गए हैं। प्रजातांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों पर इससे क्रूर प्रहार और दर्दनाक कुठाराघात और क्या सकता है। वक्त आ गया है कि इस गम्भीर स्थिति पर हर स्तर पर बड़े लेवल पर चिंतन-मनन हो, इस गिरावट पर अंकुश लगना चाहिए ये सभी के हित में है। इधर अभिनंदन समारोह के बाद कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सलाह देते हुए कहा कि जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति हैं और आज अशोक गहलोत ने भी कहा है कि उन्होंने ऐसा कौनसा जादू चलाया है। उनको ममता बनर्जी से लड़ने का ईनाम मिला है। तब उपराष्ट्रपति बने हैं। मैं जगदीप धखकड़ से उम्मीद करता हूँ कि जिस तरह उन्होंने गवर्नर की भूमिका निभाई। उपराष्ट्रपति रहते हुए अब परीक्षा है कि उनको बीजेपी का उपराष्ट्रपति बनकर नहीं दिखना है, जैसे वो बीजेपी के गवर्नर रहकर बंगाल में काम कर रहे थे।

खाचरियावास ने कहा कि धनखड ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत का नाम लिया है। भैरोंसिंह शेखावत और चौधरी देवीलाल जी को अपना गुरू कहा है। इसलिए अब धनकड़ को उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। क्योंकि अब वह बीजेपी के नहीं देश के उपराष्ट्रपति हैं। वह उपराष्ट्रपति बने हैं, राजस्थान का व्यक्ति उपराष्ट्रपति बना इसकी हमें खुशी है। लेकिन अब उनको अपने आप को साबित करना होगा और निष्पक्षता दिखानी ही पड़ेगी।

रोडवेज बस व ट्रॉले की आमने-सामने भिड़ंत, छह घायल

सड़क पर जमा गंदा पानी बना हादसे का कारण

चूरू, (कासं)। रोडवेज बस व ट्रोले के आमने सामने की भिड़ंत में छह जने घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार शहर के बिसाऊ रोड पर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे रोडवेज बस व ट्रोले की आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। जिससे हादसे में रोडवेज बस चालक सहित छह जने घायल हो गये। जिन्हें एंबूलेंस से राजकीय डेडराज भरतीया अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में उपचार के लिए ले जाया गया। जहां घायलों का इलाज किया गया।

हादसा उस समय हुआ जब रोडवेज बस चूरू से झुंझुनूं जा रही थी। तभी बिसाऊ रोड पर टीवीएस एजेंसी के सामने मोड़ पर सामने से आ रहे ट्रोले व बस में भिड़ंत हो गयी। हादसे में बिसाऊ निवासी दुर्गाप्रसाद,, झुंझुनूं निवासी सुमित्रा, बिसाऊ निवासी अब्दुल माजीद, शाबा, बहरोड़ निवासी प्रवीण कुमार व बस चालक चिड़ावा निवासी प्रमोद कुमार घायल हो गये। हादसे के बाद एक बार तो बस में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हादस इतना भीषण था कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बस चालक प्रमोद अपने कैबिन में बुरी तरह फंस गया। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। हादसे के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गयी।

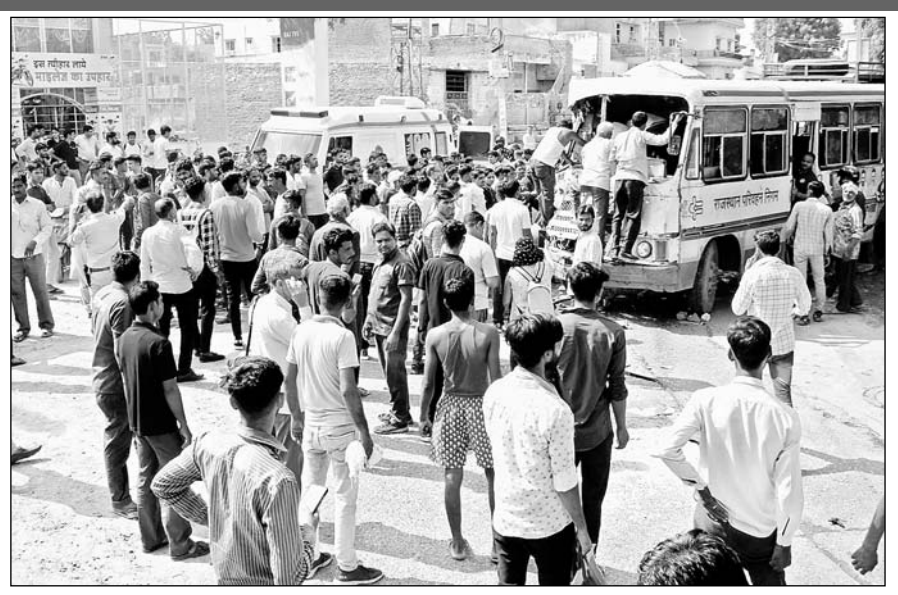

चूरू में बिसाऊ रोड पर रोडवेज बस व ट्रोले में आमने-सामने की भिड़ंत हो जाने से बस चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया जिसे लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

- घायलों को भरतीया अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया
- घटना के बाद वाहनों की कतार लगने से यातायात प्रभावित हुआ

सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस थाना के एसआई रमेश कुमार पन्नू पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घायलों को 108 एंबूलेंस से अस्पताल पहुंचाया। चालक को बस से बाहर निकलवाकर पुलिस ने रास्ता खुलवाकर वाहनों को निकाला। वहीं ट्रोले में कंकरीट भरी हुई थी। जो झुंझनूं से रावतसर लेकर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोडवेज बस व ट्रोले के आमने सामने की भिड़ंत का मुख्य कारण सड़क पर जमा गंदा पानी था। पानी से बचाकर दोनो ही वाहन निकालना चाह रहे थे कि अचानक आमने-सामने आने से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। गौरतलब है कि चूरू शहर में सड़कों पर नालियों का पानी बहकर सड़कों पर आ जाता है। जिसके कारण कभी भी कोई हादसा घटित हो सकता है। शहर में जहां पर कुंओं से पेयजल सप्लाई होता है वहां पर रात दिन पानी नलों से बहता रहता है। जिससे पानी की बर्बादी तो होती ही है। वही पानी नालियों में आगे निकासी नहीं होने से सड़कों पर आ जाता है। जिससे सड़क भी क्षतिग्रस्त हो रही है। पानी के कारण डामर की सड़कों पर बड़े गड्ढे बन जात हैं। जिसमें से वाहन चालक बचकर निकलने के चक्कर में हादसे का शिकार हो जाते हैं।

थाने में आपस में जमकर भिड़े किन्नर, एक-दूसरे के कपड़े फाड़े

अजमेर के तोपदड़ा क्षेत्र में बधाई लेने को लेकर हुआ विवाद

बधाई को लेकर आपस में भिड़े किन्नर थाने में शिकायत देने पहुंचे।

अजमेर, (कासं)। तोपदड़ा क्षेत्र में बधाई लेने को लेकर किन्नरों के दो गुट भिड़ गए। यहां जमकर मारपीट हुई। इसमें दो किन्नर गम्भीर घायल होकर बेसुध हो गया। जिसे उपचार के लिए जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किन्नरों ने एक दूसरे को नकली बताकर अवैध वसूली का आरोप लगाया। बाद में किन्नर क्लॉक टावर थाने पहुंचे और वहां भी पुलिस के सामने एक-दूसरे से मारपीट कर दी।

जानकारी के अनुसार, तोपदड़ा में कुछ किन्नर बधाई लेने के लिए गए। इस दौरान दूसरा गुट आ गया और एक दूसरे पर अवैध व जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए कहासुनी हुई। इसी बीच दोनों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान एक किन्नर शिवानिया जख्मी हो गई, जिसे जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय लेकर गए। जहां उपचार चल रहा। इसके बाद किन्नरों के दोनों गुट क्लॉक टावर थाने पहुंचे। यहां पुलिस के समक्ष भी जमकर मारपीट हुई। इस दौरान एक दूसरे के कपडे फ़ाड़ दिए। किन्नर काजल बाई का कहना रहा कि सांसी बस्ती की औरते व उनके बेटे अवैध वसूली करते है। इनमें कुछ किन्नर है लेकिन वे गलत काम करते हैं। उनको शामिल नहीं कर सकते। बधाई के लिए गए उनके चेलों पर हमला कर जख्मी किया। थाने आए तो यहां भी मारपीट की।

दिव्या बाई ने कहा कि वे भी किन्नर है और उनको भी एरिया मिलना चाहिए। उनको बाहर कर दिया। अब जब वे बधाई के लिए जाते है तो लड़ाई झगड़ा करते है। सावे में तो साथ रखते है और बाद में निकाल देते हैं। हम कहां जाएंगे। आज भी मारपीट की।

क्लॉक टावर थाने के उपनिरीक्षक केसाराम ने कहा कि किन्नरों में झगड़ा हुआ और थाने भी आए। शिकायत दे मिलेगी तो नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।

डीपी से तेल चोरी की वारदातों का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि अजमेर के ब्यावर सदर, नसीराबाद खरवा, मांगलियावास अजमेर शहर पीसांगन आदि जगह पर डीपी चोरी की वारदात के सम्बन्ध में कई वारदात हो रखी थी। जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला स्पेशल टीम को चोरी की वारदातों के खुलासे के लिए निर्देशित कर रखा था। पुलिस थाना ब्यावर सदर नसीराबाद सदर, मांगलियास पीसांगन आदि जगह पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर ने बताया कि स्पेशल टीम वारदात के आधार पर पूर्व में चालानशुदा मुल्जिमानों का डाटा बेस तैयार कर सभी से पूछताछ की गई। घटना के सम्बन्ध में मुखबीर द्वारा भी जानकारी ली गई। इसी दौरान जिला स्पेशल टीम के हिम्मत तौषिक व गजेन्द्र मीणा को मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि अजमेर में ब्यावर, नसीराबाद, मांगलियावास, खरवा के आस-पास हो रही डीपी चोरी की वारदात में संदिग्ध सरगना मस्तान व उसके साथी सुरेन्द्र अपनी संदिग्ध टैम्पो में खरवा के आस-पास होटल के पास खड़े है और अपने साथी का इंतजार कर रहे है। जिनको तुरन्त पकड़ा जाये तो डीपी चोरी वारदातों के साथ अन्य वारदातों का खुलासा हो सकता है। सूचना मिलते ही थानाधिकारी ब्यावर सदर मय जाप्ता, स्पेशल टीम के सदस्यों द्वारा बताये गये स्थान पर जाकर संदिग्ध आरोपियों मस्तान और सुरेन्द्र को पकड़ा जिनसे मौके पर एक पिकअप बरामद की गई। जिन्होंने पूछताछ के दौरान वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। चोरी गये माल के सम्बन्ध में पूछताछ जारी है। वारदात में लिप्त साजन और हीरा भी है।

आरोपियों द्वारा मांगलियावास बाईपास हाईवे के पास, खरवा स्कूल के पास रास्ते पर, पीपलाज रीको एरिया व गांव के पास, मसूदा पुलिया के पास, देलवाडा पुलिया के पास, गढी थोरियान, लामाना पुलिया, आदर्शनगर एरिया के पास, नसीराबाद के आस-पास, बिटूर पचभद्रा के आस-पास पिछले 3 साल में लगभग ब्यावर सदर, मांगलियावास, नसीराबाद, अजमेर, मसूदा, खरवा जवाजा भीम आदि जगह से कुल 200 से भी ज्यादा चोरी करना स्वीकार किया है।

खेत में महिला का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना क्षेत्र के गांव झारौली व बांसी खुर्द के समीप एक खेत में महिला का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की पहचान विस्दा गांव निवासी ब्रजेश की पत्नी सुलेखा के रूप में की गई। जिस पर सेवर थाना पुलिस ने मृतका के शव का जिला अस्पताल मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि सुलेखा अपने घर से बिना बताए सात सितंबर को चली गई थी। जिस पर उसके ससुरालीजन ने उसकी सब जगह तलाश की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। जिस पर ब्रजेश ने सुलेखा की गुमशुदगी की रिपोर्ट सेवर थाना पर दर्ज कराई थी। वहीं उसकी तलाश भी की जा रही थी। वहीं शव की सूचना मिलने पर ब्रजेश ने परिजनों के शव को देखा और शव की पहचान सुलेखा के रूप में की। फिलहाल पुलिस घटना के अनुसंधान में जुटी हुई है।

पशु क्रूरता रैली प्रकरण में 11 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

जोधपुर, (कासं)। शहर में रविवार को डॉक्टर रजनीश गाला द्वारा कुत्ते को अपनी चलती कार से घसीटने के विरोध में सोमवार को पशु प्रेमियों की तरफ से रैली निकाली गई। रैली के बाद पशु प्रेमियों ने डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन भी दिया।

रैली छंटने के समय ही एक खुरापाती युवक ने रैली में युवती से छेडछाड कर डाली। जिससे माहौल बिगड गया और जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। युवक के साथ रैली में आए लोगों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर छेडछाड करने वाले युवक को गाडी में डाल दिया। गाडी की खिडकी पास में ट्राफिक निरीक्षक गोविंद व्यास खडे थे। तब किसी ने हेलमेट को हवा में उछाल दिया जिससे उनके सिर पर चोट लगी। साथ ही धक्काधूम में उनके पैरों पर भी चोट आई। बिगडे माहौल के बीच पुलिस ने छेडछाड करने वाले युवक सहित वहां रैली में आए दस अन्य लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार किया। आज इन सभी को कोर्ट में पेश किया गया।

युवती ने अपने साथ हुई छेडछाड की रिपोर्ट युवक के खिलाफ दी। वहीं ट्राफिर निरीक्षक गोविंद व्यास की तरफ से राजकार्य में बाधा डाले जाने का प्रकरण दर्ज करवाया गया।

शास्त्रीनगर थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम को पशु प्रेमियों की तरफ से पशु क्रूरता को लेकर रैली निकाली। यह रैली थाने के सामने से रवाना होकर शास्त्री सर्किल होते हुए बाद में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य के घर तक आई। रैली की अगवानी शंकरनगर निवासी कुलदीप खत्री पुत्र अर्जुनदास खत्री की तरफ से की जा रही थी। रैली में शामिल पशु प्रेमी डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर प्राचार्य के घर के बाहर प्रदर्शन करने लगे। बाद में रैली में शामिल लोगों ने एक ज्ञापन भी डॉक्टर के खिलाफ प्रिंसीपल को दिया।

थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि रैली छंटने लगी तब एक युवक नागौर जिले के मूंडवा निवासी अर्जुन चौधरी ने रैली में युवती से छेडछाड कर ली। इस पर युवती ने विरोध जताया। जिससे माहौल गर्मा गया। युवक से रैली में आए लोग मारपीट भी करने लगे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए अर्जुन चौधरी को गाडी में बिठा दिया। उसे गाडी में बिठाए जाने के समय यातायात पुलिस निरीक्षक गोविंद व्यास गाडी की खिडकी के पास में खडे हो गए। रैली में आए लोग आरोपी को बाहर निकालने पर अड गए और पुलिस से धक्काधूम करने लगे।

थानाधिकारी ने बताया कि किसी ने हेलमेट हवा में उछाल दिया जिससे निरीक्षक व्यास को वह चोट लग गई। पुलिस से धक्काधूम और पुलिस को कार्रवाई करते रोक ने पर राजकार्य में बाधा डालने का प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं युवती ने भी आरोपी युवक के खिलाफ छेडछाड में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने आरोपी अर्जुन चौधरी सहित दस अन्य को शांति भंग में गिरफ्तार किया है।

शिक्षक नियुक्त करने के लिए छात्र बीकानेर पहुंचे

बीकानेर, (कासं)। सोढ वाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की मांग को लेकर पिछले 6 दिनों से चल रहे आंदोलन में मंगलवार को ग्रामीण व स्टूडेंट्स आक्रोशित हो गए। प्रशासन व शिक्षा विभाग द्वारा मांग नहीं मानने पर जिला मुख्यालय पैदल कूच किया है। वर्तमान में इस स्कूल में 500 से अधिक स्टूडेंट्स है लेकिन 14 पद रिक्त चलने व 2 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई चौपट हो रही है। लगातार 6 दिन से चल रहे आंदोलन में अब तक शिक्षा विभाग ने कोई सुध नहीं ली है। सोमवार को धरना स्थल पर उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार वर्मा व ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी रेवन्तराम पड़िहार ने ग्रामीणों व विद्यार्थियों से वार्ता की। लेकिन ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने प्रशासन व शिक्षा विभाग द्वारा मांग पूरी नहीं करने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। वहीं प्रशासन व विभाग का रूख देखकर मंगलवार को कूच शुरू किया।

इस दौरान श्रवण कुमार कायल सहित ग्रामीण भी मौके पर मौजूद थे। बताया कि ग्रामीण युवा शक्ति सहित विद्यार्थियों के भविष्य के लिए सब एकजुट है। सरकार को विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने दिया जायेगा। 6 दिन धरने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। आखिर जिला मुख्यालय कूच कर मांगें पूरी करवाई जायेगी। गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वर्तमान में 500 से अधिक स्टूडेंट्स के लिए मात्र 10 का स्टाफ है। इनमें से दो शिक्षकों का करीब तीन साल से अन्यत्र प्रतिनियुक्ति पर लगा रखे हैं तथा शाला में वर्तमान में 14 शिक्षकों के पद रिक्त है। विद्यालय में नियुक्त 10 शिक्षकों में से 2 प्रतिनियुक्ति के अलावा 14 पद लम्बे समय से रिक्त है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में प्रधानाचार्य व उप प्रधानाचार्य के पद खाली है। इसके अलावा द्वितीय श्रेणी में गणित, विज्ञान व अंग्रेजी, तृतीय श्रेणी में एल-वन के तीन, एल-टू के 2 पद तथा एक-एक पद सामान्य शिक्षक, कनिष्ठ लिपिक व सहायक कर्मचारी के खाली चल रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब आठ महीने पहले विद्यालय में शिक्षकों की मांग को लेकर ग्रामीणों ने हड़ताल शुरू की थी। इस दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रेवन्तराम पड़िहार ने विद्यालय में अन्यत्र प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए दो शिक्षकों को 15 दिवस में विद्यालय में कार्यग्रहण का आश्वासन देने पर ग्रामीणों ने हड़ताल खत्म कर दी गई।

पिता को पीटने की घटना की निन्दा

जोधपुर, (कासं)। रातानाडा थानान्तर्गत अजीत कॉलोनी में एक युवक द्वारा रविवार को अपने पिता को सरेराह पीटने की घटना की वृद्ध सेवा समिति ने कडी निन्दा की है। इस घटना का किसी पडोसी ने विडियो बना कर वायरल कर दिया था। उसके बाद से यह विडियो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। बेटे ने वृद्ध पिता को दौडा दौडा कर भगाया और पीटा। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने पर हरकत में आई पुलिस ने आरोपी पुत्र को देर रात हिरासत में लिया। परिजन की तरफ से उसके खिलाफ लिखित शिकायत दी गई है।

फाइनेंस कंपनी में 14 लाख 48 हजार रुपए का गबन

डूंगरपुर, (निसं)। भारत फाइनेंस इंक्लूजन लिमिटेड के बिछीवाडा ब्रांच के 2 क्रेडिट मैनेजर पर 14 लाख 48 हजार रुपए के गबन का आरोप लगा है। मामले को लेकर ब्रांच मैनेजर ने बिछीवाडा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

हेड कॉन्स्टेबल तुलसीराम परमार ने बताया कि भारत फाइनेंस इंक्लूजन लिमिटेड के बिछीवाडा ब्रांच के मैनेजर रतनसिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि भारत फाइनेंस की ओर से ग्रामीण और शहरी महिलाओं को लोन देकर उनकी आर्थिक मदद की जाती है। बैंक की ओर से उन महिलाओं से किश्त के रूप में रिकवरी की जाती है। ब्रांच क्रेडिट मैनेजर के रूप में कार्यरत हर्ष शर्मा और दीपेंद्र सिंह महिला समूहों से रिकवरी का काम करते थे। दोनों ने मिलकर महिला समूहों की बकाया राशि को ले लिया लेकिन उनकी राशि बैंक खाते में वापस जमा नहीं करवाई। आरोपियों ने महिलाओं को बड़ा लोन दिलवाने का लालच देकर उनसे रुपए भी ले लिए।

सेंटर मीटिंग में मॉनिटरिंग के दौरान महिलाओं ने बडे लोन के बारे में पूछा तो इस बात का खुलासा हुआ। बैठक में महिलाओं ने कहा कि पुराने लोन की सभी किश्तें जमा करवा दी गई हैं। वहीं उन्हें नया लोन देने के लिए कहा गया है। ब्रांच मैनेजर रतनसिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों ने बैंक के लॉकर से भी 10,87,231 रुपए चोरी किए हैं।

कोटड़ा महोत्सव में बंगाल और लद्दाख के कलाकार देंगे प्रस्तुति

कोटड़ा महोत्सव की तैयारी में जुटे स्थानीय कलाकार।

उदयपुर, (कसं)। देश-दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन सिटी के रूप में शुमार लेकसिटी उदयपुर में आने वाले पर्यटकों को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाने और जनजाति कला संस्कृति से रूबरू कराते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ ावा देने के लिए जिला कलक्टर ताराचंद मीणा की पहल पर 27 सितंबर से पहला तीन दिवसीय कोटडा ट्राइबल फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर 27 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले भव्य कोटडा महोत्सव में चार चाँद लगाने हेतु कई तैयारियां की गई है। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने बताया है कि कोटडा महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को विश्व पटल तक ले जाने के उद्देश्य से प्रशासन दिन रात कार्य कर रहा है। इसके लिए न सिर्फ स्थानीय लोक कलाकार, बल्कि छह अन्य राज्यों से विशेष कलाकारों के दलों को यहाँ बुलाया जा रहा है।

साथ ही राजस्थान राज्य के भी विभिन्न जिलों से आने वाले कलाकारों के दल यहाँ परफोर्म कर पर्यटकों को आकर्षित करेंगे। विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग प्रकार की स्टॉल्स भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कलक्टर मीणा ने बताया कि कोटडा महोत्सव में पश्चिम बंगाल से नटुवा नृत्य दल, उडिसा से सिंगारी नृत्य दल, लद्दाख से जबरो एवं याक डांस दल, गुजरात से राठवा नृत्य दल, महाराष्ट्र से सौंगी मुखौवटे नृत्य का दल एवं मध्यप्रदेश से गुतुम्ब बाजा एवं सिला कर्मा नृत्य का दल यहाँ अपनी प्रस्तुति देंगे।

सभी दलों ने प्रशासन को महोत्सव में आने हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन दलों का पूर्वाभ्यास 25-26 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। इसके तहत 25 सितंबर को भारतीय लोक कला मंडल में दलों का पूर्वाभ्यास प्रशासन द्वारा देखा जाएगा एवं 26 सितंबर को कोटडा में पूर्वाभ्यास देखा जाएगा। कोटडा महोत्सव में राजस्थान के बारां से सहरिया स्वांग दल, कुशलगढ बांसवाडा से गैर नृत्य दल, नापला बांसवाडा से घूमरा नृत्य दल, ऋषभदेव से गवरी नृत्य दल, उपलागढ आबूरोड से वालर अथवा रायन नृत्य दल, अम्बासा एवं झाडोल से मावलिया नृत्य दल, उदयपुर से अमित गमेती के नेतृत्व में गवरी नृत्य दल आदि शामिल होंगे।

सड़क हादसे में पार्षद घायल

भरतपुर, (निस)। कांग्रेस की मनोनीत पार्षद परवीन सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए उनके परिजनों ने जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार जारी है। नगर निगम की मनोनीत पार्षद परवीन अपने भाई राजू के साथ रनजीत नगर स्थित मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के कार्यालय पर जा रहीं थी। रास्ते में उनके आगे चल रहे ट्रेक्टर चालक ने अपना ट्रेक्टर रोक दिया और बिना देखे उतर गया। जिसे बचाने के चक्कर में राजू खान की बाइक असंतुलित हो कर सड़क पर गिर गई।

- पार्षद परवीन मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के कार्यालय पर जा रही थी

इस दुर्घटना में जहां राजू के पैर में गंभीर चोट आई। वहीं मनोनीत पार्षद परवीन भी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिस पर राजू ने घर पर दुर्घटना की सूचना दी। जिस पर उनके परिजन उन्हें इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने परवीन को इलाज के लिए भर्ती कर लिया। वहीं राजू खान को प्राथमिक उपचार दिया गया। फिलहाल पार्षद परवीन का जिला आरबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। उनकी दुर्घटना की सूचना पाकर कांग्रेस के पदाधिकारी भी उन्हें देखने के लिए जिला आरबीएम अस्पताल पहुंचे।

करौली में दूसरे दिन भी बन्द रहे माली समाज के प्रतिष्ठान

प्रतिष्ठानों के लोगों ने दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने की मांग की

करौली, (निसं)। करौली में माली सैनी आरक्षण मामले में जयपुर में हल्ला बोल रैली के दौरान पुलिस द्वारा की गई बर्बरता पूर्ण कार्यवाही और 84 लोगों को गिरफ्तार कर जेल में बंद करने के विरोध में दूसरे दिन भी करौली जिले में सैनी, माली समाज के सभी प्रतिष्ठान बंद कर विरोध जताया।

सैनी माली समाज के समाज के लोगो,थोक सब्जी मंडी,फुटकर सब्जी की दुकानें व अन्य प्रतिष्ठानों के लोगों का कहना है कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त नहीं किया जाएगा और जेलों में बंद सभी समाज के लोगो को रिहा नहीं किया जाता तब तक यह प्रतिष्ठानों को बंद करने का एवं धरना प्रदर्शन का कार्य अनिश्चितकाल चलेगा सैनी, माली समाज पिछले लंबे समय से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में जगह-जगह धरना प्रदर्शन कर जिला कलक्टर उप जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन देकर मांग करता रहा है गत 15 सितंबर को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में सैनी, माली समाज की हल्ला बोल रैली आयोजित की गई इस दौरान सरकार की तरफ से कोई पक्ष वार्ता के लिए नहीं आने पर आक्रोषित युवाओं द्वारा जयपुर सीकर रोड हाईवे को जाम किया गया।

करौली में बन्द पड़ी माली समाज की फल सब्जी की दुकानें।

इस दौरान सोते हुए लोगों पर पुलिस की बर्बरता पूर्ण कार्यवाही से सैकड़ों लोग घायल हो गए एवं सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया जिसके विरोध में करौली में माली समाज द्वारा पिछले 2 दिन से अपने प्रतिष्ठान बंद कर विरोध जताया जा रहा है और मांग की जा रही है कि जब तक समाज के गिरफ्तार युवाओं को रिहा नहीं किया जाता और दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त नहीं किया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

मैं यह पहले भी कह चुका हूं और फिर से कह रहा हूं भारत (टी-20) विश्वकप नहीं जीत सकता। अगर वह ऑस्ट्रेलिया को नहीं हराते।

- गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, टी-20 विश्वकप को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिलीप टिर्की

भारत के पूर्व कप्तान और ओलंपियन दिलीप टिर्की ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा। नामांकन पत्र जमा करने के बाद टिर्का ने कहा कि उनका उद्देश्य इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। टिर्की ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, आप सभी की शुभकामनाओं के साथ हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भर दिया है। मैं भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'' भारतीय टीम के पूर्व फुल बैक 44 वर्षीय टिर्की को बीजू जनता दल के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुना गया था।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टैस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

ग्रीन, वेड की आतिशी पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4 विकेट से मात दी

मोहाली, 20 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन (61) के विस्फोटक अद्धर्शतक और मैथ्यू वेड (46 नाबाद) की आतिशी पारी की बदौलत भारत को पहले टी20 मैच में मंगलवार को चार विकेट से मात दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 208 रन बनाये थे, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने चार गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया। मोहाली के बड़े मैदान में 209 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया को विस्फोटक शुरुआत दिलायी। बीच के ओवरों में ग्लेन मैक्सवेल (01) और जॉश इंग्लिस (17) का विकेट जल्दी गिरने के बाद भारत के लिये कुछ उम्मीदें जगीं, लेकिन मैथ्यू वेड ने डेब्यूटांट टिम डेविड (18) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को जीत तक पहुंचाया। वेड ने अपनी मैच जिताऊ पारी में सिर्फ 21 गेंदें खेलकर छह चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 45 रन बनाये। आखिरी गेंद पर पैट कमिंस ने चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को विजय दिलायी।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया और रोहित शर्मा (11) एवं विराट कोहली (02) के जल्दी आउट होने के बावजूद भारत ने विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ पावरप्ले में 46 रन जोड़े। राहुल ने स्ट्राइक रेट से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए 35 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 55 रन बनाये, और सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी की। सूर्यकुमार ने आउट होने से पहले 25 गेंदों पर दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 46 रन की पारी खेली।

राहुल (12वां ओवर) और सूर्यकुमार (14वां ओवर) का विकेट गिरने के बाद अक्षर पटेल भी 16वें ओवर में छह रन बनाकर आउट हो गये। दिनेश कार्तिक (06) भी महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सके, लेकिन हार्दिक पांड्या ने अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अद्धर्शतक जमाते हुए भारत को 200 रन के आंकड़े के पार पहुंचाया। पांड्या ने 30 गेंदों पर सात चौकों और पांच छक्कों की बदौलत ताबड़तोड़ 71 रन बनाये, जिसमें आखिरी ओवर में लगाये गये तीन छक्के शामिल थे। हार्दिक की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने अंतिम पांच ओवर में 67 रन जोड़ते हुए 20 ओवर में 208 रन बनाये।

भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 रन का आंकड़ा पार किया है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेथन एलिस ने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि जॉश हेजलवुड को दो और कैमरन ग्रीन को एक विकेट प्राप्त हुआ।

कप्तान आरोन फिंच और ग्रीन की सलामी जोड़ी ने 209 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और पहले विकेट के लिये 21 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी की। पारी की शुरुआत छक्के से करने वाले फिंच ने 13 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाये।

ग्रीन ने स्टीव स्मिथ के साथ भी दूसरे विकेट के लिये 70 रन जोड़े। स्मिथ ने 24 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की बदौलत 35 रन बनाये, जबकि ग्रीन ने अक्षर की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 61 रन की विस्फोटक पारी में 30 गेंदें खेलकर आठ चौके और चार छक्के लगाये।

उमेश यादव ने 12वें ओवर में स्मिथ और मैक्सवेल को आउट करके भारत के लिये उम्मीदें जगायीं, लेकिन वेड और डेविड की जोड़ी ने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

ऑस्ट्रेलिया को आखिरी छह ओवर में 64 रन की आवश्यकता थी, लेकिन वेड और डेविड की जोड़ी ने 30 गेंदों पर 62 रन की साझेदारी करके मैच को 19वें ओवर में ही समाप्त कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने हर्षल पटेल के 18वें ओवर में 22 रन और भुवनेश्वर कुमार के 19वें ओवर में 16 रन बटोरे, जिसके बाद कंगारुओं को आखिरी ओवर में मात्र दो रन की दरकार थी। टिम डेविड युज़वेंद्र चहल की पहली गेंद पर आउट हो गये, लेकिन कमिंस ने चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की टी20 शृंखला में 1-0 की बढ़ त दिलायी।

भारत की ओर से अक्षर पटेल ने चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि उमेश यादव ने दो विकेट के बदले दो ओवर में 27 रन दिये। चहल ने एक विकेट लिया लेकिन इसके बदले 3.2 ओवर में 42 रन दिये। चार ओवर में 52 रन देने वाले भुवनेश्वर और चार ओवर में 49 रन देने वाले हर्षल को कोई विकेट हासिल नहीं हुआ।

श्यामलाल, श्रद्धानंद कॉलेज प्री इंटर कॉलेज कबड्डी के सेमीफाइनल में

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी के श्यामलाल कॉलेज और स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले प्री इंटर कॉलेज कबड्डी पुरुष टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। श्यामलाल कॉलेज ने जहां अरविंदो कॉलेज को 59-46 से हराकर तीनों लीग मैच जीतते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजूकेशन को 67-41 से हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा है।

मोहाली स्टेडियम में पहुंची बम-डॉग स्क्वायड टीम, खंगाला चप्पा-चप्पा

मोहाली, 20 सितंबर। मोहाली पुलिस ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले प्रथम टी20 मैच से पहले मंगलवार को बम स्क्वायड एवं डॉग स्क्वायड के साथ मोहाली के आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया और स्टेडियम के चप्पे-चप्पे की गहरायी से जांच की। दोनों टीमों के खिलाड़ी दो दिन से इसी मैदान में अभ्यास कर रहे हैं। मोहाली जिला प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मैच से पहले मोहाली स्टेडियम में सुरक्षा के प्रबंधों का जायजा लेने के लिए पंजाब पुलिस के बड़े अधिकारी पहुंचे। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव, पुलिस उपमहानिरीक्षक रोपड़ रेंज गुरप्रीत सिंह तूर और मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेकशील सोनी ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे स्टेडियम का दौरा कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि मोहाली में मैच को देखते हुए पुलिस के 1500 से ज्यादा जवानों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। मोहाली पंजाब के सीमा क्षेत्र में आने के कारण राज्य का संवेदनशील हिस्सा है। बीते दिनों मोहाली में कई बड़ी घटनाएं भी हुईं, जिनमें 10 मई को मोहाली स्थित पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर हुआ ठोनेड हमला शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे पर दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैच होंगे। पहला मैच 20 सितंबर को मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होने वाला है। दूसरा टी20 मैच 23 सितंबर को नागपुर में जबकि तीसरा टी20 मैच 25 सितंबर को हैदराबाद में होगा।

— बारिश ने खेल बिगाड़ा, गीले आउटफील्ड के कारण इंडिया लीजेंड्स बनाम न्यूजीलैंड लीजेंड्स मुकाबला रद्द

इंदौर, 19 सितंबर। इंडिया लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच सोमवार को होल्कर स्टेडियम में निर्धारित रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 के मैच नंबर-12 को भारी बारिश के बाद रद्द कर दिया गया। खेल शुरू होने के एक घंटे बाद हुई भारी बारिश ने मैदान को खेल के लिए अयोग्य बना दिया। अंपायार और मैच रेफरी ने मैदान का पूरी तरह से निरीक्षण करने के बाद अंतिम फैसला लिया। मैच अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाया और मैच को रद्द करने का फैसला किया। इंडिया लीजेंड्स के कप्तान सचिन तेंदुलकर ने अपने साथियों के साथ स्टेडियम का चक्कर लगाते हुए घंटों मैच शुरू होने का इंतजार कर रहे दर्शकों का धन्यवाद दिया। इससे पहले, न्यूजीलैंड के कप्तान रॉस टेलर ने टॉस जीतकर मेजबान टीम के खिलाफ पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। शेन बॉन्ड ने नमन ओझा को 18 रन पर आउट कर न्यूजीलैंड के लिए पहली सफलता हासिल की। तेंदुलकर ने हालांकि अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का मनोरंजन किया। मास्टर ब्लास्टर की मैच की पहली बाउंड्री कवर क्षेत्र की ओर उनका ट्रेडमार्क बैक फुट पंच था। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पैडल स्वीप भी खेला और गेंद को विकेटकीपर के सिर के ऊपर से सीमा रेखा के बाहर पहुंचा दिया। सुरेश रैना को सात रन पर जीवनदान मिला। पावरप्ले के अंतिम ओवर में क्षेत्ररक्षक ने हामिश बेनेट की गेंद पर मिड ऑन पर आसान कैच गिरा दिया। कुछ गेंदों के बाद ही पानी बरसने लगा। जब खेल रोका गया तब भारत का स्कोरकार्ड 5.5 ओवर में 49/1 था। बारिश के कारण खेल लगभग दो घंटे रुका रहा। बारिश बंद होने के बाद ग्राउंड स्टाफ ने मैदान को मैच के लिए तैयार करने के लिए तेजी से काम किया, लेकिन मैदान पर कुछ स्थान इतने नम थे, जिनके रहते हुए खेलना नामुमकिन था। मैदान से बाहर निकलने से पहले इंडिया लीजेंड्स ने मैदान को खेलने लायक बनाने के लिए अथक मेहनत करने वाले होल्कर स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ के साथ एक तस्वीर खिंचवाई और उनके योगदान की तारीफ की।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के लिए सचिन, युवराज देहरादून पहुंचे

देहरादून, 20 सितंबर। भारत के दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 में चौकों-छक्कों की बरसात करने के लिये मंगलवार को देहरादून पहुंचे।

भारत सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये आयोजित रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 लखनऊ और इंदौर से होते हुए देहरादून पहुंची है, जहां पहला मैच 21 सितंबर को खेला जायेगा। 22 सितंबर को भारतीय खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के लिए मंगलवार को इंडिया लीजेंड्स, श्रीलंका लीजेंड्स, इंग्लैंड लीजेंड्स व न्यूजीलैंड लीजेंड्स के खिलाड़ी देहरादून पहुंचे। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स के खिलाड़ी चार्टेड प्लेन से देहरादून पहुंचे हैं।

देहरादून में होने जा रहे क्रिकेट मैच को लेकर प्रदेशवासी उत्सुक हैं, वहीं मैच के लिए सोमवार को इंडिगो की फ्लाइट से इंदौर से चार देशों के 113 सदस्य देहरादून पहुंच गए थे। देहरादून के जौलीठांट एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद सभी सदस्य विभिन्न होटलों के लिए बसों एवं अन्य वाहनों से रवाना हुए।

वियतनाम पंसदीदा, लेकिन भारत में 'हंग थिन्ह टूर्नामेंट' जीतने की क्षमता : स्टिमक

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच इगोर स्टिमक ने कहा छोटी-छोटी चीजें हैं जो तय करती हैं कि कौन जीतेगा

कोलकाता, 20 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कहा कि वियतनाम हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट जीतने की सबसे मजबूत दावेदार है, लेकिन भारत भी टूर्नामेंट जीतने की क्षमता रखता है। भारत को हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट में मेजबान वियतनाम और सिंगापुर के खिलाफ दो मुकाबले खेलने हैं।

स्टिमक ने कहा, 'हम निश्चित रूप से टूर्नामेंट जीतने में सक्षम हैं, लेकिन मुझे लगता है कि छोटी-छोटी चीजें हैं जो तय करती हैं कि कौन जीतेगा। जाहिर है वियतनाम ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन के साथ काफी गति प्राप्त की है। उनके पास एक अच्छी टीम है और वे घर पर खेल रहे है। यही वजह है कि वे शायद पसंदीदा हैं, लेकिन हमारे पास एक अच्छा मौका भी है क्योंकि हमारे पास एक युवा टीम है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास उनकी बराबरी करने के लिए पर्याप्त गुण हैं, और अगर हम सकारात्मक रहते हैं और अच्छी मानसिकता के साथ खेलते हैं, तो हम ऐसा कर सकते हैं। यह हमारे लिए एक अच्छी चुनौती है, हालांकि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम अपने खिलाड़ियों को सही तरीके से मिश्रित करें। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि कोई भी चोटग्रस्त न हो।'

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने टूर्नामेंट के लिये मंगलवार को 23-सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की। ब्लू टाइगर्स टीम में कुछ नये चेहरे भी हैं, हालांकि स्टिमक का कहना है कि जो खिलाड़ी टूर्नामेंट के लिये टीम का हिस्सा नहीं हैं उनके लिये दरवाजे बंद नहीं किये गये हैं।' किसी को भी बाहर नहीं किया गया है। मेरी वास्तविक सूची में 40 खिलाड़ी हैं, और यह सिर्फ टूर्नामेंट की स्थिति के कारण है कि मैं उनमें से केवल 23 को चुन सकता हूं। मेरे तकनीकी स्टाफ और मुझे लगा कि खिलाड़ियों का यह सेट आने वाले दो मैचों के लिए सबसे उपयुक्त और सबसे अनुकूल था। उन्होंने कहा, 'इस तरह हम खिलाड़ियों के बारे में अधिक सीखते हैं। इससे पहले मैंने अपने सभी खिलाड़ियों के साथ बैठक की थी। मैंने उन्हें बताया था कि हम इस मौजूदा सूची के साथ क्यों जा रहे हैं। जो खिलाड़ी सूची में नहीं है वह जानता है कि ऐसा क्यों है, लेकिन हर कोई मार्च की तैयारी कर रहा है।

हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये भारतीय टीम : गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, धीरज सिंह मोइरंगथेम और अमरिंदर सिंह।

डिफेंडर्स: संदेश झिंगन, रोशन सिंह नौरेम, अनवर अली, आकाश मिश्रा, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हरमनजोत सिंह खाबरा और नरेंद्र।

मिडफील्डर: लिस्टन कोलाको, मोहम्मद आशिक कुरुनियान, विक्रम प्रताप सिंह, उदंता सिंह कुमम, अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडीस, यासिर मोहम्मद, जैकसन सिंह थौनाओजम, सहल अब्दुल समद, राहुल कन्नोली प्रवीण और लल्लियांजुआला छंगटे।

फॉरवर्ड : सुनील छेत्री और ईशान पंडिता।

शौचालय में खाना परोसे जाने के बाद खेल अधिकारी निलंबित

लखनऊ/सहारनपुर, 20 सितंबर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक प्रमुख खेल स्टेडियम के शौचालय में महिला कबड्डी खिलाड़ियों को भोजन परोसे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य सरकार ने मंगलवार को एक क्षेत्रीय खेल अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। सहारानपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई इस घटना के बाद शासन स्तर के खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल ने बताया कि मामले की जांच सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह को सौंप दी गयी है। उनसे तीन दिन के भीतर पूरी रिपोर्ट मांगी गई है। इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सहगल ने कहा, जिस ठेकेदार को खिलाड़ियों को खाना बनाने और उपलब्ध कराने का ठेका दिया गया था, उसे ब्लैकलिस्ट (काली सूची में डालने) करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि उसे भविष्य में कोई काम न दिया जाये।

मंधाना ने करियर की सर्वश्रेष्ठ ट्वंटी-20 रैंकिंग हासिल की

दुबई, 20 सितंबर। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी नवीनतम रैंकिंग के अनुसार मंधाना ने तीन मैचों की शृंखला में बनाये गये 111 रन की बदौलत टी20 में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग है। साथ ही, मंधाना ने पहले एकदिवसीय मैच में खेली गयी 91 रन की सहायता से एकदिवसीय रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगायी और अब वह सातवें स्थान पर है। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर एकदिवसीय मैचों में चार पायदान की बढ़ त के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा एक पायदान के फायदे से 32वें स्थान पर पहुंच गई हैं। विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने शनिवार को होव में भारत की सात विकेट से जीत के बाद एकदिवसीय रैंकिंग में आठ स्थान चढ़ कर 37वां स्थान हासिल किया है। भारत-इंग्लैंड टी20 शृंखला के बाद हरमनप्रीत (बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर 14वें स्थान पर), नयी गेंद की गेंदबाज रेणुका सिंह (गेंदबाजों में तीन स्थान ऊपर 10वें स्थान पर) और स्पिनर राधा यादव (गेंदबाजों में चार स्थान ऊपर 14वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। हरफनमौला स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर संयुक्त-41वें स्थान पर हैं।

आईसीसी ने नये नियमों की घोषणा की, लार पर प्रतिबंध को स्थायी किया

नये नियम एक अक्टूबर 2022 से लागू होंगे, 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में भी प्रयोग में लिये जायेंगे

दुबई, 20 सितंबर। वैश्विक क्रिकेट की नियामक संस्था अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को खेल के नियमों में बदलाव करते हुए लार के प्रयोग पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया।

आईसीसी ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि सौरव गांगुली के नेतृत्व वाली पुरुष क्रिकेट समिति ने महिला क्रिकेट समिति की सहमति के साथ एमसीसी की क्रिकेट नियमों की 2017 संहिता में बदलावों की सिफारिश की थी, जिसे मुख्य कार्यकारी समिति ने मंजूरी दी। नये नियम एक अक्टूबर 2022 से लागू होंगे और 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में भी प्रयोग में लिये जायेंगे।

आईसीसी ने कहा कि जून 2020 में लार के प्रयोग पर लगाये गये प्रतिबंध को स्थायी कर दिया गया है। कोरोना महामारी के कारण क्रिकेट को बायो-बबल के भीतर कर दिया गया था और गेंद को चमकाने के लिए लार के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया था। आईसीसी ने दो साल की अवधि के बाद इस प्रतिबंध को स्थायी बनाने का फैसला किया, जबकि बायो-बबल अब अनिवार्य नहीं है। नये नियमों के अनुसार जब कोई बल्लेबाज कैच आउट होगा तो नया बल्लेबाज ही स्ट्राइक लेगा, भले ही पिछले दोनों बल्लेबाज विपक्षी टीम के खिलाड़ी के कैच लेने से पहले रन लेते समय एक दूसरे को पार कर गये हों। यह नियम मार्च 2022 में दुनिया के सामने आ गया था और एक अक्टूबर से आधिकारिक रूप से अमल में लिया जायेगा।

आईसीसी ने क्रीज से बाहर निकले नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज को रनआउट करने को अनुचित खेल से हटाकर रनआउट श्रेणी में स्थानांतरित कर दिया है। आउट करने की इस पद्धित को अब मांकडिंग की जगह नियमित रनआउट माना जायेगा। आईसीसी ने नये बल्लेबाज को क्रीज पर आने के लिये मिलने वाले समय को भी कम किया है। पहले एकदिवसीय और टेस्ट मैच में एक बल्लेबाज के पास विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आने और स्ट्राइक लेने के लिए तीन मिनट का समय होता था।

सुब्रतो कप अंडर-17 गर्ल्स : बिहार, हरियाणा ने दर्ज की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। आरकेएस गर्ल्स हाई स्कूल (बिहार) और जीएसएसएस अलखपुरा (हरियाणा) ने 61वें सुब्रतो कप में अंडर-17 बालिका वर्ग के ग्रुप चरणों में बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। आरकेएस गर्ल्स हाई स्कूल ने प्रतियोगिता के पहले दिन फाउंटेनहेड स्कूल (सूरत) को 11-0 से हराया और दूसरे दिन रिवरसाइड नेचुरल स्कूल (मध्य प्रदेश) को 14-0 से मात दी। जीएसएसएस अलखपुरा ने जीएचएसएस (अरुणाचल प्रदेश) को पहले दिन 6-0 और हातिमारी हाई स्कूल (पश्चिम बंगाल) को दूसरे दिन 7-0 से शिकस्त दी। पूल एच ने भी पिछले दो दिनों में बड़े स्कोर वाले मैच देखे। नेशनल कैडेट कोर (इंफाल) ने दूसरे दिन कोस्ट गार्ड पब्लिक स्कूल (दमन और दीव) के खिलाफ 25-0 की विशाल जीत दर्ज की। कोस्ट गार्ड पब्लिक स्कूल को पहले दिन सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) से 14-0 की हार मिली थी। सेंट पैट्रिक हाई स्कूल (झारखंड) ने दूसरे दिन सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) को 13-0 के स्कोर से हराया। इसी बीच, रिवरसाइड नेचुरल स्कूल (मध्य प्रदेश) ने केंद्रीय विद्यालय (देहरादून) के खिलाफ 9-0 से जीत हासिल की।

न्यूजीलैंड ने टी-20 विश्वकप टीम में मिल्ने को शामिल किया

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की

ऑकलैंड, 20 सितंबर। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये मंगलवार को 15 सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की जिसमें तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को शामिल किया गया है।

मिल्ने को पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टी20 विश्व कप के लिये चोटग्रस्त लोकी फर्ग्यूसन की जगह टीम में शामिल किया गया था। 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 32 विकेट लेने वाले मिल्ने, फर्ग्यूसन, टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट के साथ कीवी टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं, हालांकि एड़ी की चोट के कारण वह पिछले कुछ दौरों पर टीम का हिस्सा नहीं थे।

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि वह टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान और बंगलादेश के खिलाफ टी20 शृंखला में मिल्ने के प्रदर्शन पर नजर रखेंगे, हालांकि उन्हें विश्वास है कि तेज गेंदबाज विश्व कप के लिये पूरी तरह तैयार होंगे।

स्टीड ने कहा 'हमने एडम और उसके आसपास के चिकित्सा दल के साथ बहुत सारी बातचीत की है। हमें विश्वास है कि अगर उसके लिए सब कुछ ग्रेक रहा तो वह

त्रिकोणीय शृंखला के लिए पहले से उपलब्ध होगा। मुझे लगता है कि अंततः मिल्ने के सामने यह सुनिश्चित करने के लिये एक अंतिम परीक्षा है कि वह उस स्थिति में है जैसी स्थिति में हम उसे चाहते हैं। हमें विश्वास है कि वह तैयार होगा और इसलिए उसे चुना गया।'

15 खिलाड़ियों की टीम में फिन एलन और माइकल ब्रेसवेल भी शामिल हैं जो अपने पहले विश्व कप में दिखाई देंगे। डेवोन कॉनवे टीम के विकेटकीपर होंगे जबकि मार्क चैपमैन और ईश सोढ़ी ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। कप्तान केन विलियमसन की टीम के पास विकेटकीपर के रूप में कॉनवे का कोई विशिष्ट विकल्प नहीं है।

विश्व कप की तैयारी में प्रो. लीग मुकाबले सहायक होंगे : मनप्रीत

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉर्वर्ड मनदीप सिंह ने मंगलवार को कहा कि एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 में न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ होने वाले मुकाबले विश्व कप की तैयारी में सहायक साबित होंगे। मनदीप ने कहा, 'एक बड़ी प्रतियोगिता से पहले मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा होता है। एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 एक बार फिर विश्व कप के लिए खुद को तैयार करने में मददगार होगी, और हमें टूर्नामेंट से पहले खुद को परखने का मौका भी देगी।'

उल्लेखनीय है कि एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम 28 अक्टूबर 2022 से छह नवंबर 2022 तक एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 के पहले चरण में न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ खेलेगी।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप का आयोजन ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में 13 जनवरी 2023 से 29 जनवरी 2023 तक किया जायेगा। विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर की भारतीय टीम को पूल डी में इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन के साथ रखा गया है। मनदीप ने टीम की तैयारियों के बारे में कहा, 'हमारे कोच ग्राहम रीड हमेशा हमें उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहते हैं जो हमारे नियंत्रण में है, न कि उन पर जो हमारे नियंत्रण से परे हैं।

वर्ष 1975 में कोरिया प्रायद्वीप के दक्षिण पश्चिम समुद्र में शिनान द्वीपों के पास, मछुआरों के जाल में मछलियों के साथ-साथ चीन में बनी सरैमिक (चीनी मिट्टी) की 6 कलाकृतियां भी फंसकर ऊपर आ गईं। अनायास हुई इस खोज ने 14 वीं सदी में डूबे एक जहाज की खोज का मार्गप्रशस्त किया, जिसमें सरैमिक की कलाकृतियां व अन्य कीमती वस्तुओं का जखीरा था। शिप में लदा अधिकांश सामान लगभग साबुत स्थिति में था, इसलिए वैज्ञानिकों ने इस डूबे हुए जहाज को अब तक खोजा गया सबसे प्राचीन व मूल्यवान "शिप रैक" करार दिया। वर्ष 1976 से 1984 तक कोरिया के गोताखोर इस मध्यकालीन चीनी जहाज से कलाकृतियां निकालते रहे। हालांकि, जहाज पानी में सिर्फ 20 मीटर नीचे ही था, लेकिन तेज धाराओं और देखने में आ रही मुश्किल के कारण खोजबीन का काम ना केवल कठिन था बल्कि तब ही हो सकता था जब समुद्र शांत हो, और दिन में मात्र एक घंटे ही यह संभव था। पानी के अंदर घने अंधेरे में काम करते हुए 20,000 से ज्यादा सरैमिक कलाकृतियां, 200 मैटल कलाकृतियां, दो दर्जन पत्थर से बनी कृतियां और 28 टन चीनी सिक्के निकाले गए। इसके अलावा लाल चंदन से बनी कई चीजें, और रोजमर्रा की कई वस्तुएं भी जहाज से मिलीं। जहाज को तोड़कर और पेंदे को उठाकर सारा सामान बाहर निकाला गया। अनुमान है कि, जहाज 32 मीटर लम्बा था और 200 टन तक भार ढो सकता था। इतनी महत्वपूर्ण खोज के बाद भी जहाज की पहचान अज्ञात है और यह भी पता नहीं है कि यह किस बंदरगाह से रवाना हुआ था। संभावना है कि, यह जहाज चीन से रवाना हुआ था और जापान जा रहा था। जहाज पर लकड़ी से बने टैग मिले हैं जिन पर स्याही से जापानी मंदिरों, जैसे क्योटो के तोफूकूजी मंदिर और हाकाता के हाकोसाकी मंदिर, के नाम लिखे हैं। इसके अलावा समुद्र मार्ग से व्यापार करने वालों व भिक्षुकों के नाम भी टैग्स पर लिखे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह जहाज जापान के हाकाता बंदरगाह जा रहा था। डूबे हुए जहाज से प्राप्त कलाकृतियां व जहाज का मॉडल दक्षिण कोरिया के नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम कल्चरल हैरिटेज में प्रदर्शित हैं।

सवर्ण निर्धनों को आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की संविधान बैंच को मंगलवार को बताया कि जनरल कैटेगरी की आबादी में से इकोनॉमिकली वीकर सैक्शन्स (ई.डब्ल्यू.एस.) को दिया गया 10 प्रतिशत आरक्षण एक "सकारात्मक कार्रवाई" है और यह शिड्यूल्ड कास्ट्स (एस.टी.) व अदर बैकवर्ड क्लासेस (ओ.बी.सी.) के 50 प्रतिशत आरक्षण से अलग है।

केन्द्र सरकार ने कहा कि संविधान के 103वें संशोधन के जरिए लाया गया ई.डब्ल्यु.एस. कोटा एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. को दिए गए आरक्षण का अतिक्रमण नहीं करता, अत: इसे इस रूप में ना समझा जाए कि यह उनके लिए तय अधिकतम 50 प्रतिशत आरक्षण से अधिक है।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) उदय उमेश ललित, जस्टिस दिनेश महेश्वरी, जस्टिस एस. रविन्द्र भट, बेला एम. पारदीवाला से युक्त एक संविधान बैंच को अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने बताया कि 103वें संविधान संशोधन का उद्देश्य जनरल कैटेगरी के इकोनॉमिकली वीकर सैगमैन्ट की करीब 18 करोड़ आबादी को लाभान्वित करना है। उनके निवेदन अधूरे रहे, लेकिन बुधवार को जारी रहेंगे।

- **एटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने तर्क दिया कि, गरीब सवर्णों को दिया गया यह आरक्षण, एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. को दिये गये आरक्षण को कम नहीं करता, बल्कि शेष 50 प्रतिशत जनरल जनता को दिये गये अवसर में से काट कर दिया जायेगा।**
- **अतः सवर्ण गरीबों को दिया गया यह आरक्षण 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन नहीं करता।**

वेणुगोपाल ने कहा कि सिन्हा आयोग ने जहां ई.डब्ल्यु.एस. लोगों की संख्या 18 करोड़ मानी है, वहीं नीति आयोग ने मल्टीडायमैन्शनल पावर्टी इन्डैक्स ने उनकी संख्या 25.1 करोड़ बतायी है।

याचिकाकर्ताओं के तर्कों का जवाब देते हुए, जिनका कहना है कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण वर्ष 1992 के इंदिरा साहनी केस के निर्णय में तय 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा से अधिक है, अटॉर्नी जनरल ने कहा कि 50 प्रतिशत की सीमा सजातीय समूह रखने वाले एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के आरक्षण के लिए है और ई.डब्ल्यु.एस. जनरल कैटेगरी में से है। यह दोनों ही भिन्न हैं।

अटॉर्नी जनरल ने इस पर जोर दिया कि ई.डब्ल्यु.एस. का 10 प्रतिशत आरक्षण हिस्सा जनरल कैटेगरी के लिए बचे 50 प्रतिशत आरक्षण में से है तथा इसे एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के वर्तमान 50 प्रतिशत आरक्षण से जोड़कर ना देखा जाए।

इस तर्क का जिक्र करते हुए कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. के इसी तरह की इकोनॉमिकली वीकर केटेगरीज़ के लिए लागू नहीं होता, अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने कहा कि एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. के आरक्षण में यह स्व-निहित है क्योंकि इसमें इस वर्ग के इकोनॉमिकली वीकट सैक्शन्स भी शामिल है। उन्होंने कहा कि एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण लेने के अलावा कई अतिरिक्त लाभ ले रहे हैं।

एस.सी., एस.टी. तथा ओ.बी.सी. और दूसरी तरफ ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण में अंतर स्पष्ट करते हुए अटॉर्नी जनरल ने कहा कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण एस.टी. व एस.सी. आरक्षण का विस्तार नहीं है, बल्कि यह एक भिन्न कैटेगरी है, जो एक समयावधि में उभरकर सामने आयी है।

अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल के अलावा, चौथे दिन दिनभर चली सुनवाई में, याचिकाकर्ता एन.जी.ओ. "यूथ फॉर इक्वालिटी" का पक्ष भी सुनने को मिला। वह ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण के पक्ष में तो है, लेकिन जनरल कैटेगरी की शेष 50 प्रतिशत सीटों के आरक्षण में से इसे लेने के खिलाफ है। उसने कहा कि यह संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन है।

ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण का विरोध कर रही तमिलनाडू सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट शेखर नाफाडे ने तर्क दिया कि आरक्षण देने में आर्थिक मापदण्ड अपने आप में एक वर्गीकरण नहीं हो सकता क्योंकि यदि आर्थिक पिछड़ेपन को आरक्षण का आधार माना जाता है तो फिर वर्ष 1992 के इंदिरा साहनी केस में नौ जजों की बैंच के फैसले पर दोबारा से चर्चा करने की जरूरत पड़ेगी।

संविधान बैंच को यह बताते हुए कि कोर्ट के विचार के लिए मुद्दे की जड़ यह है कि क्या हम सवर्ण जातियों को आरक्षण देने के बारे में सोच सकते हैं, वोफाडे न कहा कि यह हमें संविधान के अनुच्छेद 14 जोकि संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है, के अन्तर्गत समानता के अधिकार की एक नई समझ की ओर ले जाएगा और ऐसी स्थिति में वर्ष 1973 के केशवानंद भारती केस में दिए गए शीर्ष अदालत के निर्णय पर फिर से विचार करने की जरुरत होगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ललित ने कहा कि कोर्ट ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण की मंजूरी के मानदण्डों पर निर्णय नहीं कर रही है, बल्कि आर्थिक आधार पर किए गए आरक्षण के विधिक और संवैधानिक सिद्धांत पर विचार कर रही है।

जब एक वकील ने कोर्ट से यह अनुरोध किया कि क्या 50 हजार रूपए महीने की आय प्राप्त करने वाले या 4 एकड़ कृषि भूमि अथवा शहरी क्षेत्रों में 1 हजार वर्ग मीटर के प्लाट के मालिक को इकोनॉमिकली वीकर पृष्ठभूमि का माना जा सकता है, तब सी.जे.आई. ने यह बात कही।

चीतों को कूनो नैशनल पार्क में बसाने को लेकर विवाद गहराया

विश्नोई समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया

जोधपुर, 20 सितम्बर (कासं)। देश में लुप्त हुए चीतों को मध्यप्रदेश के कूनो नैशनल पार्क में बसाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इन 8 चीतों का शिकार बनने के लिए

- **चीतों के लिए मध्य प्रदेश के ही राजगढ़ वन मंडल से 181 चीतल कूनो नैशनल पार्क भेजे गए हैं, इस पर विश्नोई समाज ने गहरी नाराजगी जताई है और राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया है।**

मध्यप्रदेश के राजगढ़ वन मंडल से 181 चीतल कूनो भेजे गए हैं। इस फैसले से वन्यजीव रक्षा के लिए पहचान रखने वाला बिश्नोई समाज आहत है। समाज के लोगों ने आज जिला कलैक्टर को राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में, कूनो नैशनल पार्क में चीतों का भोजन बनाने के लिए चीतल भेजने पर विरोध जताया गया है। जिला कलैक्टर को राष्ट्रपति के नाम से समाज की तरफ से यह ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में समाज के कई लोग मौजूद थे।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को मध्यप्रदेश में श्योपुर के कूनो नैशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए 8 चीतों को छोड़ा था।

राजगढ़ वन मंडल के वन परिक्षेत्र नरसिंहगढ़ के अधिकारी गौरव गुप्ता ने बताया कि वन क्षेत्र से 181 चीतल कूनो भेजे गए हैं। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र बुडिया ने प्रधानमंत्री और वन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर अफ्रीका से आए चीतों को चीतल नहीं परोसने की अपील की।

मोहन भागवत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्रुप के साथ मीटिंग की थी।

आज एक घंटे चली मीटिंग में, भागवत ने विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें शामिल प्रमुख मुद्दे थे- ज्ञानवापी विवाद, नफरत जन्य अपराध तथा जनसंख्या-नियंत्रण। मीटिंग में शामिल हुये एक व्यक्ति ने कहा कि इस मीटिंग का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय से सम्बंधित मुद्दों पर जोर देना था। बताया जाता है कि आर.एस.एस. प्रमुख ने मीटिंग में अपने विचार रखते समय, मीटिंग में मौजूद लोगों को "शिवलिंग" सम्बंधी अपनी टिप्पणी के बारे में भी स्मरण दिलाया तथा कहा कि मुस्लिम बुद्धिजीवियों को वह टिप्पणी आगे बढ़ानी चाहिये थी जिससे कि आर.एस.एस. और मुस्लिम समुदाय के बीच की खाई पर पुल बनाने की दिशा में और आगे बढ़ा जा सकता।

टाइगर एस-24 जमुवारामगढ़ में दिखा, सरिस्का प्रशासन की चिंता कुछ कम

करीब एक महीने से सरिस्का में नजर नहीं आया था, अब पहले पगमार्क फिर कैमरा ट्रैप में दिखाई दिया

अलवर, 20 सितम्बर। सरिस्का का टाइगर, एसटी -24 जमुवारामगढ़ के जंगलों में है। चौबीस दिन पहले टाइगर के पगमार्क मिले थे। अब करीब 28 दिन बाद टाइगर कैमरा ट्रैप में नजर आया है, जिससे सरिस्का प्रशासन की चिंता कुछ कम हुई है। ज्ञातव्य है कि, काफी दिनों तक टाइगर का पता नहीं चला था।

अब कैमरा में ट्रैप होने के बाद बड़ी राहत मिली है। असल में सरिस्का से दो-तीन टाइगर गायब हो चुके हैं, जिनका पता ही नहीं चला है। इसी कारण केवल दो वर्ष के टाइगर, एस.टी. 24 के गायब होने पर अधिक चिंता हो गई थी।

सरिस्का के टहला क्षेत्र से टाइगर एसटी 24 जमुवारामगढ़ के जंगलों में पहुंच गया। करीब 25 दिनों से टाइगर वहीं है। जब सरिस्का में टाइगर के पगमार्क नहीं मिले तो उसकी तलाश शुरू हुई। इसके बाद जमुआरामगढ़ में पगमार्क मिले। लेकिन, अब टाइगर के वहां होने की पुष्टी कैमरा ट्रैप से हो गई है।

टाइगर एसटी -24, बाघिन एसटी 12 का शावक है। जिसकी उम्र करीब 2 साल है। दो महीने पहले ही इसने अपनी टैरिटरी बनानी शुरू की थी। पहले यह टहला आया। फिर अजबगढ़ की तरफ पहुंचा। वहां से होता हुआ जमुवारामगढ़ पहुंचा है। जबकि इस टाइगर की मां, बाघिन एसटी -12 टैरिटरी तालवृक्ष के जंगलों की तरफ रही है। वहां से टाइगर एस.टी. 24 करीब 20 महीने के बाद टहला की तरफ निकल गया, फिर आगे बढ़ते हुए वह जमुवारामगढ़ पहुंचा है।

बाघ एसटी 24 के पगमार्क सबसे पहले जमवारामगढ़ के झोल नाका स्थित पापड़ गांव के आसपास मिले थे। वहीं आसपास में कैमरा ट्रैप में एस.टी. 24 नजर आया है। सरिस्का के उप वन संरक्षक डीपी जागावत ने बताया कि, फरवरी माह में बाघ एसटी 24 व 25 अजबगढ़ रेंज के जंगल में पहुंच गए थे।

कोविड का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में महाराष्ट्र और हरियाणा में दो-दो तथा राजस्थान, गुजरात, यू.पी., उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल में एक-एक मौत हुई। इससे देश में अब तक इस बीमारी से मरे लोगों की संख्या 5 लाख 28 हजार 370 हो गई है।

देश में अब तक 4 करोड़, 45 लाख 43 हजार 84 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं और उनमें से 4 करोड़ 39 लाख 67 हजार 340 रिकवर हो चुके हैं। दैनिक पॉज़िटिविटी रेट कम होकर 1.37 प्रतिशत हो गई है, जबकि साप्ताहिक पॉज़िटिविटी रेट 1.81 प्रतिशत है। कोविड-19 के राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान में अब तक 216.83 करोड़ वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जबकि पिछले 24 घंटों में 10.10 लाख वैक्सीन्स लगाई गईं। अब तक कुल 89.20 करोड़ टैस्ट किए जा चुके हैं। इनमें से भी 2.95 लाख टैस्ट पिछले घंटों में किया गया।

नीतीश ने तेजस्वी यादव को बिहार की सत्ता सौंपने के संकेत दिये

- **नीतीश ने तेजस्वी यादव की ओर हाथ से इशारा करते हुये कहा कि, मैं अपने लिए नहीं अपने लोगों के लिए काम कर रहा हूँ, इन्हें आगे बढ़ते देखना चाहता हूँ।**

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के विरोध में विपक्ष को एकजुट करने के कड़े प्रयास में जुटे नीतीश कुमार जल्द ही उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बिहार की सत्ता सौंप सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बातचीत में इसके संकेत दिए। उन्होंने तेजस्वी की ओर इशारा करते हुए कहा कि, मैं अपने लिए नहीं बल्कि लोगों के लिए काम कर रहा हूं और इन्हें आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं। मुख्यमंत्री नीतीश ने साफ किया है कि उनकी इच्छा अब राजनीति में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की है।

सी.एम. नीतीश कुमार ने पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि कि वे 2024 में बीजेपी के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा पार्टियों को एकजुट करना चाहते हैं ताकि चुनाव में बड़ी सफलता हासिल हो। पी.एम. पद की उम्मीदवारी को लेकर नीतीश ने कहा कि हम सिर्फ विपक्ष को एकजुट करने में लगे हैं, इसमें अपने लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। इसके बाद उनके पास में खड़े तेजस्वी की ओर इशारा करते हुए नीतीश बोले कि हर चीज में इन लोगों को आगे बढ़ाना है। हमें अपने लिए कुछ नहीं चाहिए।

यू.पी. के फूलपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने के कयास पर मुख्यमंत्री नीतीश ने अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि बोलने वाले कुछ भी बोलते रहते हैं यह सब बेकार की बात है। हमको आश्चर्य भी होता है हमारा इससे कोई मतलब नहीं है। कौन क्या बोलता है उस पर हम ध्यान नहीं देते।

'हिजाब कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार के हिजाब विवाद जैसी गतिविधियों में अल्पसंख्यक समुदाय को हाशिए पर धकेलने की प्रवृति नजर आती है।

उन्होंने कहा कि भारत का निर्माण उदार परम्पराओं व धार्मिक विश्वास पर हुआ है। आज जो प्रस्ताव पारित उसे यूनीफॉर्म से सम्बंधित बता रहे हैं। लेकिन असल में इसका उद्देश्य अलग है। इसका उद्देश्य यह है कि धार्मिक समुदाय से कहा जाए कि आपको अपनी आस्था दिखाने का हक नहीं है आप अपनी आत्मा की आवाज़ नहीं सुन सकते आपको वही करना जो मैं कहूँगा।

दवे ने कहा कृपया यह भी नोट कीजिए कि, हिजाब पहनकर हमने किसी भी धार्मिक भावनाएं आहत नहीं हुई हैं। हिजाब हमारी पहचान है। "उन्होंने संविधान की उदार व्याख्या हुई है प्रतिबंधात्मक स्वरुप में नहीं क्यों अनुच्छेद 19 ओर 21 का दायरा बेहद विस्तृत है।

दवे ने सवाल दागा कि "क्या हिजाब पहनना देश की एकता व अखंडता के लिए खतरा है?"

पश्चिमी देशों में एक सप्ताह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्या प्रभाव पड़ सकता है खासकर इस तथ्य को देखते हुए कि इस चर्चा का रूस के रुख पर विपरीत असर पड़ा है। अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की विपरीत प्रतिक्रिया को देखते हुए रूस ज्यादा प्रतिफल हासिल करने की स्थिति में नहीं है।

प्रेम, जंग और राजनीति में कुछ भी पक्का नहीं होता और रूस निश्चित रूप से मोदी के कठोर बयान की कीमत वसूलना चाहेगा। रूस के द्वारा आयोजित और टी.वी. पर प्रसारित इंटरव्यु में रूस को भारत से तगड़े समर्थन की उम्मीद थी, पर यह दांव उलटा पड़ गया।

रूसी राष्ट्रपति मोदी के स्वागत की प्रतीक्षा में थे तथा उनकी एकांतिक मीटिंग शुरु हो गई तथा प्रारम्भिक बयान ने अपना प्रभाव दिखाया तथा बातचीत का अपेक्षित एवं इच्छित माहौल बन गया। मोदी के तुरंत बाद बोले पुतिन ने भारत के रुख की सराहना की तथा रूस की स्थिति को समझाने की कोशिश की।

कम से कम, फिलहाल तो भारत एक बहुत अच्छी स्थिति में है। उसे ऊर्जा पदार्थों की भरपूर सप्लाई मिल रही है, जो इस समय देश की एक बड़ी जरूरत भी है। इन पदार्थों का बड़ा हिस्सा आयातित है। दो बड़े उत्पादकों- रूस और सऊदी अरब में इन्हें भारत भेजने की होड़ लगी हुई है।

भारत की जरूरतें बहुत बड़ी भी हैं तथा इसलिये वह सप्लायर के व्यवहार पर सकारात्मक असर डालने की स्थिति में है। ऊर्जा के उपयोग में ज्यादा लिप्त होना तथा इस पर बढ़ती निर्भरता का परिणाम आगे चलकर विनाशकारी साबित हो सकता है।

जर्मनी से ज्यादा प्रदर्शन और कोई देश नहीं करता तथा उसने रूसी गैस और तेल की सतत सप्लाई सस्ती कीमत पर करने में यकीन रखा है। जर्मनी के सामने इस समय ऊर्जा का गंभीर संकट है तथा ऊर्जा की यह कमी सर्दियों में और ज्यादा पीड़ा देने वाली हो जायेगी।

अब कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को नया माहौल बनाना चाहिये तथा एशिया एवं अफ्रीका के मध्यम स्तर के देशों के बीच जाल फैंककर अपना स्वयं का सपोर्ट बेस विकसित करना चाहिये।

26 को पर्चा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्वाचकों के नाम हैं जो 17 अक्टूबर को होने वाले मतदान में वोट देंगे।

मंगलवार को कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने एक बार फिर ट्वीट किया, संगठन के चुनाव में कोई भी चुनाव लड़ सकता है। नामांकन भरने के लिए आपको राहुल जी या सोनिया जी की अनुमति की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस सांसद शशि थरुर, जो सोमवार को सोनिया गांधी से मिले थे, को भी सोनिया ने कहा है कि उनकी इच्छा चुनाव लड़ने की है तो लड़ सकते हैं। इसके लिए किसी की अनुमति की जरुरत नहीं है।

इधर संकेत है कि गहलोत 26 सितम्बर को नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

म्यांमार में 300 भारतीय बंधक बनाये गये

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। म्यांमार में 300 भारतीयों को बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है। इनमें से 60 लोग तमिलनाडु के हैं। जानकारी के मुताबिक इन लोगों को म्यांमार के म्यावडी में एक गैंग ने बंधक बनाया है। इन लोगों को यहां पर साइबर क्राइम करने पर मजबूर किया जा रहा है। यहां पर कई अन्य देशों के लोगों को भी बंधक बनाकर रखा गया है। बताया जाता है इन सभी को नौकरी झांसा देकर ले जाया गया था।

बताया जाता है कि सभी पीड़ितों को जिस म्यावडी में बंधक बनाया गया है, वह इलाका म्यांमार सरकार के नियंत्रण में नहीं है। यह इलाका एथनिक आर्म्ड ग्रुप के दबदबे वाला है। बंधक बनाए गए कुछ लोगों में अपने परिवार को संदेश भेजे थे।

हाई कोर्ट में कोटपूतली नगर परिषद द्वारा सामूहिक तोड़-फोड़ की सुनवाई 23 को

अदालत ने नगर परिषद के वकील को कहा है कि, वह इस मामले का पूरा ब्यौरा व दस्तावेज अगली तारीख को लेकर आएं

जयपुर, 20 सितम्बर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटपूतली नगर परिषद द्वारा सरदार विद्यालय रोड के आसपास सामूहिक तोड़-फोड़ के संबंध में न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल ने नगर परिषद के वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि वह इस मामले का समस्त रिकॉर्ड सुनवाई की अगली तारीख को पेश करें। इसके साथ ही अदालत ने आज 43 मामलों में से उन मामलों, जिनमें नगर परिषद द्वारा इमारतें तोड़ दी गई हैं, की सुनवाई 23 सितम्बर को तय की है और उन मामलों में जहां नगर परिषद द्वारा पट्टा आवंटित करने के बाद पट्टा रद्द करने के लिए नोटिस दिया गया, उन मामलों की सुनवाई 29 सितम्बर को तय की है।

नगर परिषद की ओर से सुनवाई के दौरान अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिये फिर से दो सप्ताह का समय मांगा गया है, जिस पर अदालत ने काफी नाराजगी जताई क्योंकि इस मामले की पिछली दो सुनवाई में नगर परिषद ने अपना जवाब प्रस्तुत नहीं किया था।

उल्लेखनीय है कि 15 सितम्बर को भी न्यायाधीश प्रकाश गुप्ता और न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड के समक्ष नगर परिषद की तोड़-फोड़ के संबंध में गोविन्द नारायण शर्मा द्वारा अवमानना याचिका दायर की गई थी क्योंकि हाईकोर्ट के ही फरवरी के आदेश के अनुरूप नगर परिषद ने याचिकाकर्ता को अपनी आपत्ति दायर करने के लिये नोटिस नहीं दिया था और बिना नोटिस ही तोड़-फोड़ की कार्रवाई की थी।

- **अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि, नगर परिषद के वकील ने अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए दो और हफ्तों का समय मांगा है, जबकि पिछली दो सुनवाई में भी नगर परिषद को अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिये समय दिया गया था।**

इस मामले की सुनवाई के दौरान 15 सितम्बर को नगर परिषद ने जवाब प्रस्तुत किया कि याचिकाकर्ता को नोटिस देने के लिये अधिकारियों को भेजा था, परंतु मौके पर उनके साथ याचिकाकर्ता के मकान के बाहर उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और याचिकाकर्ता ने नोटिस लेने से इंकार कर दिया। जवाब में आगे कहा गया कि नगर परिषद के अधिकारियों ने याचिकाकर्ता की दुकान व मकान पर नोटिस चस्पा किया और 4 जुलाई को आपत्ति सुनने के लिये आमंत्रित किया। यहां गौर फरमाने की बात यह है कि नगर परिषद ने एक ही मामले में अपना जवाब प्रस्तुत किया है परंतु आज सुनवाई के लिये आये 40 से भी ज्यादा मामलों में अपना जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि क्या नगर परिषद 50 से भी अधिक याचिकाकर्ताओं को नोटिस देने में असफल रही और वहां भी नोटिस चस्पा करना पड़ा? हैरानी की बात है कि पिछले कुछ महीनों से कोटपूतली में पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया गया है और कई बार कर्फ्यू भी लगाया गया है परंतु फिर भी नगर परिषद के अफसरों के साथ धक्का-मुक्की करने और नोटिस नहीं लेने के संबंध में किसी भी व्यक्ति विशेष के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की घटना सामने नहीं आई।

यू.एन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्ण माहौल रहने की संभावना है। यूक्रेन युद्ध, बढ़ता खाद्य एवं ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसे पाकिस्तान में बाढ़ जैसे मुद्दे छाए रह सकते हैं।

रूस, अमेरिका व यूरोपीय देशों में यूक्रेन को लेकर तनाव रहने की उम्मीद है और ताईवान और व्यापार के मसले पर चीन व अमेरिका आमने-सामने हो सकते हैं। पुतिन और शी ज़िनपिंग के भी शामिल होने की संभावना नहीं। अमेरिका व यूरोप न्यूक्लियर डील के मुद्दे पर इरान पर दबाव डाल सकते हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908